कारोबार से इतर नैतिक मूल्य

गैल GAIL

स्थायित्व रिपोर्ट 2010–11

कारोबार से इतर नैतिक मूल्य

कारोबार से इतर नैतिक मूल्यों का सृजन करना हमारे कार्य का अभिन्न हिस्सा होता है। वित्तीय दृष्टि से कारोबारी मूल्य को अत्यधिक महत्व देने के अलावा गेल ने हमेशा से आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक पहलू में कारोबार से इतर नैतिक मूल्य बनाए रखने का प्रयास किया है। वर्ष 1984 में अस्तित्व में आने के बाद से गेल ने भारत के गैस के आधारभूत ढांचे में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और वर्ष दर वर्ष कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। हमने 8,450 मिलियन रुपए की इक्विटी से कारोबार आरंभ किया था जो पिछले 27 वर्षों में कई गुणा बढ़कर 590,000 मिलियन रुपए तक पहुंच गया है। अपने कारोबार द्वारा सुदृढ़ मूल्य सृजन सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ ही हम अपने त्रिस्तरीय बुनियादी ढांचे के विभिन्न पहलुओं में हस्तक्षेप के जरिए कारोबार से इतर नैतिक मूल्यों का सृजन करने के अपने प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, चाहे यह हमारे प्रचालनों की कुशलता में सुधार करना हो, अपने निकटवर्ती समुदायों का विकास करना हो, या ऐसे प्रयास करना हो जिनसे पर्यावरण पर पड़ने वाला हमारा प्रभाव कम होता हो। अपनी पहली स्थायित्व रिपोर्ट, 'कारोबार से इतर नैतिक मूल्य' में हमारे कार्यकलापों, प्रयासों और योजनाओं का लेखा–जोखा दिया गया है जिससे न केवल कारोबार से इतर नैतिक मूल्यों को बनाए रखने की प्रेरणा मिलती है बल्कि ये कारोबार से इतर क्षेत्रों को भी लाभ पहुंचाते हैं।

170 एमएमएससीएमडी + गैस संचरण क्षमता

12% की कमी एनओएक्स उत्सर्जन में

87% माल और सेवाएं भारत में स्थित आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त की गई।

31,749 जीजे सौर तथा पवन परियोजनाओं के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन

22% कार्य–बल को दिए गए कुल प्रशिक्षण में वृद्धि

30% की वृद्धि इस वर्ष के कारोबार में

28 ईएण्डपी / सीबीएम ब्लॉक

690,000 जीजे कार्यकुशलता बढ़ाने के उपायों द्वारा ऊर्जा की बचत

7,948 $टीसीओ_2$ ऊर्जा–कुशल प्रयासों के द्वारा जीएचजी उत्सर्जन की कमी।

14% की वृद्धि इस वर्ष के कर पश्चात् लाभ में

विषय–सूची

विज़न और मिशन	01
रिपोर्ट के बारे में	02
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	03
हमारे स्थायित्व का सिद्धांत	05
गेल का यात्रा वृत्तांत	08
हमारे प्रचालनों पर नियंत्रण	22
अपने भागीदारों का विश्वास बढ़ाना	28
भौतिकता	32
हमारी निगमित नीति	36
स्थाई आर्थिक मूल्य का सृजन	38
हमारे पर्यावरण प्रयासों का प्रबंधन	42
एक बेहतर कार्य–स्थल बनाना	48
अपने ग्राहकों के लिए मूल्य का निर्माण	56
सामुदायिक विकास में योगदान	60
आश्वासन विवरण	68
शब्दावली	70
जीआरआई विषय–वस्तु सूचकांक	72
यूएनजीसी/आईपीआईईसीए संदर्भ	78
आगामी वर्ष	79

विज़न और मिशन

विज़न

प्राकृतिक गैस एवं इतर क्षेत्रों में विश्वजनीन उपस्थिति के साथ ग्राहक–सेवा सभी स्टेकहोल्डरों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरण के लिए अपने दायित्व के प्रति समर्पित एक अग्रणी कंपनी बनना

मिशन

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के हित में प्राकृतिक गैस और इसके अंशों के मितव्ययी और प्रभावी उपयोग में तीव्रता लाना और वृद्धि करना।

गेल के विजन के घटक

अग्रणी कंपनी

उच्चतम स्तर के प्रचालन मानदंड बनाए रखकर तेज गति से विकास करते हुए भारत के प्राकृतिक गैस बाजार में निर्विवाद रूप से अग्रणी बनना और वैश्विक प्राकृतिक गैस उद्योग में एक महत्वपूर्ण कंपनी बनना।

प्राकृतिक गैस और इतर क्षेत्र

अन्वेषण, उत्पादन, संचरण, विपणन, निष्कर्षण, संसाधन, वितरण, पेट्रोकैमिकल, पावर, प्राकृतिक गैस संबंधी मूलभूत ढांचा, उत्पाद और सेवाओं के प्रयोग सहित प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला और इतर क्षेत्रों के सभी पहलुओं पर बल देना।

ग्राहक सेवा

उच्च स्तर के ढांचे, उत्पाद और सेवाओं के जरिए ग्राहकों की अपेक्षाओं का पूर्वानुमान लगाना और उन पर खरा उतरना।

सभी स्टेकहोल्डरों के लिए मूल्य सृजन

गेल स्टेकहोल्डरों ग्राहकों, कर्मचारियों, व्यावसायिक भागीदारों, आसपास स्थित समुदायों सहित सभी स्टेकहोल्डरों और देश के लिए बेहतर मूल्य सृजन करेगा।

पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व

गेल स्वयं और अपने ग्राहकों के लिए पर्यावरण संबंधी निष्पादन में सुधार करने हेतु अपने सभी कार्यक्रमों में प्रचालन को बेहतर बनाने की ओर लगातार प्रयास करते रहने के लिए प्रतिबद्ध है और अपने सभी कार्यक्षेत्रों में पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील रहेगा।

इस रिपोर्ट के बारे में

हम ''कारोबार से इतर नैतिक मूल्य आधारित कारोबार'' के नारे के साथ अपनी स्थायित्व रिपोर्टिंग की यात्रा का आरंभ करते हैं जो शुरू से ही गेल का मार्गदर्शी सिद्धात रहा है। इस रिपोर्ट में 01 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2011 के दौरान हमारे सतत निष्पादन का विवरण दिया गया है। इसमें हमारे गांधार, पाता, वाघोड़िया, विजयपुर और उसर स्थित गैस प्रोसेसिंग इकाइयां; पाता स्थित पेट्रोकैमिकल इकाई; हजीरा, विजयपुर, वाघोडिया, झाबुआ, खेड़ा और दिबियापुर स्थित प्राकृतिक गैस कंप्रैसर स्टेशन; लोनी, मंसारामपुरा, नसीराबाद, आबू रोड़, समाख्याली, जामनगर, विजाग और चेरलापल्ली स्थित एलपीजी पंपिंग/रिसीविंग स्टेशन तथा एनसीआर, आगरा, बड़ौदा, मुम्बई और राजामंड्री स्थित क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हमारे संयुक्त उद्यमों, सहायक कंपनियों और आपूर्ति श्रृंखला में अन्य अपस्ट्रीम अथवा डाउनस्ट्रीम की कंपनियों का सतत कार्य–निष्पादन शामिल नहीं हैं।

हमने अपने सतत कार्य–निष्पादन के लिए अपनी आंतरिक प्रणालियों और प्रबंधन प्रक्रियाओं पर भरोसा रखा है। यह कार्य–निष्पादन हमारे प्रचालनों के प्रमुख स्रोतों से प्राप्त और समेकित किए गए आकड़ों व सूचना पर आधारित है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार हमने आंकड़ों के आकलन और परिमाण के लिए अनुमान, मानक समीकरण और परिकलन पद्धतियों का प्रयोग किया है। हमने इस रिपोर्ट में एक औसत यूएसडी की तुलना में 45.57 की आई एन आर विनिमय दर का प्रयोग किया है। इस रिपोर्ट में शामिल की गई कुछ सूचना हमारी भावी योजनाओं और इरादों की ओर संकेत करती है ताकि हमारे सतत कार्यकलापों का समेकित ब्यौरा दर्शाया जा सके। यह सूचना विभिन्न देशों, क्षेत्रों अथवा बाजारों में हमारी रणनीति, प्रचालन, निष्पादन उद्देश्यों एवं लक्ष्यों, व्यापार योजनाओं, अनुसंधान एवं विकास तथा निवेश से है जहां हम प्रचालन करते हैं। इसके स्वरूप को देखते हुए, ऐसी सूचना में कुछ अनिश्चितता हो सकती है क्योंकि इसका अंतिम परिणाम भावी बाजार की स्थिति, भौगोलिक–राजनैतिक परिवर्तनों पर आधारित है जिनमें से अधिकांश पर हमारा नियंत्रण नहीं है अथवा हम इसका पूर्वानुमान नहीं लगा सकते। हालांकि हम इस संबंध में प्रगति को करने का प्रयास करेंगे तथापि हम सभी मामलों में वांछनीय परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकते।

यह रिपोर्ट स्थायित्व रिपोर्टिंग संबंधी वैश्विक रिपोर्टिंग पहल के जी3 दिशा–निर्देशों पर आधारित है। रिपोर्ट किए गए जीआरआई सूचकों का संदर्भ दर्शाने वाली एक विस्तृत तालिका इस रिपोर्ट के पृष्ठ 72–77 पर दी गई है। यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संरक्षण एसोसिएशन (आईपीआईईसीए) और स्वैच्छिक स्थायित्व रिपोर्टिंग पर अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) के तेल एवं गैस उद्योग संबंधी दिशा–निर्देश (2005) के अनुसार भी है।

हमने यह रिपोर्ट तैयार करने के लिए सलाहकार सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु केपीएमजी और इस रिपोर्ट पर स्वतंत्र बाह्य आश्वासन उपलब्ध कराने हेतु एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्रा. लि. को नियुक्त किया था।

गेल निगमित कार्यालय, नई दिल्ली

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

"एक स्वच्छ ऊर्जा कंपनी के रूप में, जो प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देती है, गेल स्थायित्व के प्रति योगदान दे रहा है"

प्रिय स्टेकहोल्डर,

गेल (इंडिया) लिमिटेड की पहली स्थायित्व रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। पिछले 25 वर्षो से भारत की अग्रणी प्राकृतिक गैस कंपनी होने के नाते हम मानते हैं कि हमारी पहली स्थायित्व रिपोर्ट वास्तव में पहले ही आ जानी चाहिए थी, लेकिन स्थायित्व की अवधारणा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारी प्रणालियों, प्रक्रियाओं और कार्यकलापों में सदा से अंतर्निहित रही है।

हम एक विशाल देश में कार्य कर रहे हैं, जिसकी अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और साथ ही इसके लाभों का समान वितरण अभी किया जाना है। बड़ी संख्या में देश के लोगों की पहुंच किसी भी प्रकार की वाणिज्यिक ऊर्जा तक नहीं है। आज भी, हमारे 400 मिलियन से अधिक लोगों की बिजली तक पहुंच नहीं बन पाई है। 1,200 मिलियन से अधिक लोगों, जिसमें 800 मिलियन से अधिक की हमारी जनसंख्या 30 वर्ष की आयु से कम है, की उम्मीदें देश में सामाजिक–आर्थिक परिवर्तनों पर केन्द्रित हैं। यह न केवल भारत को बड़ी चुनौती दे रहा है अपितु शेष विश्व को भी प्रभावित कर रहा है। कुछ लोगों की आशंका है कि चीन के साथ मिलकर काम किया जाए तो भारत और चीन की तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए पृथ्वी जैसे दो ग्रह भी कम पड़ जाएंगें बशर्ते कि कारोबार इसी गति से जारी रहे।

सौभाग्यवश, भारत में ''स्थायित्व'' की अवधारणा हमेशा से ही हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा रही है जिसकी झलक हमारे पुरालेखों में भी मिलती है। प्राकृतिक संसाधनों का कुशल और रचनात्मक उपयोग, रिसाइक्लिंग और पुनः उपयोग हमारे नीति शास्त्र का हमेशा से अभिन्न हिस्सा रहा है।

एक स्वच्छ ऊर्जा कंपनी के रूप में, जो प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देती है, गेल स्थायित्व के प्रति योगदान दे रहा है। प्राकृतिक गैस एक पसंदीदा ईंधन के रूप में तेजी से उभर रही है और हाल के वर्षों में भारत में इसकी खपत में काफी अधिक वृद्धि हुई है। स्पष्ट है कि प्राकृतिक गैस भारत के सतत् ऊर्जा भविष्य को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और गेल भारत की ऊर्जा सुरक्षा में अपनी भूमिका निभाता रहेगा।

भारत की विकास कहानी के साथ–साथ गेल का बढ़ता हुआ विकास गैस उपयोगिता क्षेत्र में विश्व का ध्यान खींच रहा है। इस के साथ ही हम अपनी विकास नीतियों में पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों के पूर्ण एकीकरण के अपने उत्तरदायित्व के प्रति पूर्णतः जागरुक हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए, इस दशक के लिए हाल ही में तैयार की गई हमारी नीतिगत योजना में कंपनी के लिए संपूर्ण गैस मूल्य श्रृंखला में सतत् विकास की अभिकल्पना की गई है और इसका उद्देश्य पवन और सौर की नवीकरणीय ऊर्जा, शैल गैस तथा कोयला गैसीकरण जैसे स्रोतों से अपरंपरागत ऊर्जा की बढ़ती संभावनाओं का लाभ उठाते हुए प्राकृतिक गैस से इतर क्षेत्रों में लाभ उठाना भी है।

भारत में स्वच्छ और सतत् आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए गैस पाइपलाइन ढांचे का विकास करना बहुत महत्वपूर्ण है। गेल का 9000 कि.मी. से भी लम्बा गैस पाइपलाइन संचरण नेटवर्क और 250,000 मिलियन रुपए के निवेश वाली नई पाइपलाइन परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के परिणामस्वरूप लगभग 14,500 कि.मी. का देशव्यापी नेटवर्क होगा। यह स्रोत से ग्राहक तक गैस का परिवहन करने के लिए ढांचागत प्रमुख माध्यम बन जाएगा और कई शहरों और कस्बों में शहर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजनाओं का विकास भी करेगा जिससे भारत में सतत् शहरी विकास की नींव रखी जा सकेगी।

अपने व्यापारिक उद्देश्यों की प्राप्ति में हम न केवल लागू विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं बल्कि उद्योग में प्रचालन निष्पादन के लिए अपने नए बेंचमार्क स्थापित करने का उद्देश्य भी रखते हैं। हम वैश्विक मीथेन पहल के तहत यूएस ईपीए के प्राकृतिक गैस स्टार कार्यक्रम के भाग के रूप में गेल की विभिन्न संस्थापनाओं में भी अपनी कार्बन–फुट–प्रिंटिंग पहल का विस्तार करने जा रहे हैं। ऊर्जा के नए स्रोतों का विकास करने और कुशतलापूर्वक ऊर्जा की सुपुर्दगी करने के लिए हमने गेल में अनुसंधान एवं विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है और उसके लिए परिव्यय का प्रावधान किया है। हम ऐसी प्रक्रियाओं को अपनाते हैं जो उचित और पारदर्शी तरीके से व्यापार करने में मदद करती हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर कम–से–कम असर डालती हैं।

हम कार्मिकों और हमारे प्रचालनों के नजदीक रहने वाले समुदायों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को एक उच्च प्राथमिकता देते हैं, इस उद्देश्य के लिए हमने निदेशक मंडल की स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण संबंधी उप–समिति का गठन किया है जो एचएसई की तत्परता तथा कंपनी के कार्य–निष्पादन की समीक्षा करती है। एक प्रगतिशील समाज का निर्माण करने के अपने प्रयासों में गेल ने पिछले वित्तीय वर्ष के अपने कर पश्चात् लाभ में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) परियोजनाओं के लिए 2% का आबंटन किया है। यह प्रतिबद्धता वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान लगभग 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी।

सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते गेल ने अपने वाणिज्यिक लक्ष्यों की प्राप्ति में स्थायित्व के जनसमूह और और ग्रह संबंधी पहलुओं के साथ सदैव सामंजस्य रखा है। इसके साथ–साथ हम यह महसूस करते हैं कि गेल की यह पहली स्थायित्व रिपोर्ट जिम्मेदारीपूर्वक आगे बढ़ने और बाहरी विश्व को अपनी विश्वसनीयता बेहतर ढंग से समझाने के लिए एक नई अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी। गेल में कारोबार स्थायित्व को और अधिक गति देने के लिए हमने वर्ष 2011–12 में बोर्ड स्तर की एक उप समिति गठित की है। स्थायित्व नीति बनाने और प्रयासों पर ध्यान देने के लिए गठित इस उप–समिति की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। समग्र कारोबार नीति के अनुरूप इन प्रयासों का कार्यान्वयन करने के लिए एक स्थायित्व नीति तैयार की जा रही है।

अंत में, मैं अपने स्टेकहोल्डरों को हममें लगातार विश्वास बनाए रखने और हमें समर्थन देने के लिए धन्यवाद देता हूं। हम आपकी आशाओं को और बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए गेल में स्थायित्व के कार्य में और सुधार लाने के प्रति वचनबद्ध रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(बी.सी. त्रिपाठी)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

“ गेल ने अपने वाणिज्यिक लक्ष्यों की उपलब्धि हमेशा से लोगों और ग्रह संबंधी पहलुओं के साथ सामंजस्य बनाते हुए हासिल की है।”

हमारे स्थायित्व का सिद्धांत

हमारे बाजार मूल्य को बढ़ाने, हमें प्रतिस्पर्धी लाभ दिलाने और गेल के सुरक्षित भविष्य की गारंटी देने में जिम्मेदारी, पारदर्शिता और स्थायित्व निर्णायक कारक रहेंगे। पहले हमारी 2012 की नीति के एक भाग के रूप में और अब हमारी आगामी 2020 नीति के भाग के रूप में स्थायित्व गेल की व्यापार प्रक्रियाओं का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। जैसे–जैसे हमने प्रगति की है, हमने गेल को और अधिक स्थायित्व देने की आवश्यकता महसूस की है। अपने प्रचालनों और भागीदारों के लिए आज हम क्या करते हैं और कल के लिए हमारी क्या योजना है, इस बात पर विचार करते हुए, हमारे लिए यह महत्वपूर्ण हो गया है कि साझा मूल्य का सृजन करने के लिए अपनी स्थायित्व आकांक्षाओं को प्रभावशाली कार्य का रूप दिया जाए। इन आकांक्षाओं का प्रबंधन करने और गेल के व्यापार के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं – परियोजना, मानव संसाधन, विपणन, वित्त और व्यापार विकास में इन्हें शामिल करने का दायित्व हमारे निदेशकों का है। इसके अलावा, गेल में सतत् व्यापार प्रक्रियाओं का सृजन करने के लिए उनके द्वारा एक रूपरेखा तैयार की गई है।

बाएं से: सर्व श्री एस वेंकटरमन, प्रभात सिंह, बी सी त्रिपाठी, एस एल रैना, पी के जैन, आर डी गोयल

प्राकृतिक गैस उद्योग में अपनी अग्रणी बाजार स्थिति पर हमें गर्व है और इसे बनाए रखने का प्रयास करते हुए, हम अपने प्रचालनों में पर्यावरण प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमारे पर्यावरण मिशन में ऊर्जा, सामग्री और जल खपत को इष्टतम करना, जलवायु परिवर्तन और वायु उत्सर्जन के प्रभाव को न्यूनतम करना, जैव–विविधता के प्रति संवेदनशीलता सुनिश्चित करना और पर्यावरण हितैषी प्रचालनों का प्रबंधन करना शामिल है। हमारी प्रचालन और रखरखाव प्रक्रियाओं के प्रचालनों में ऊर्जा कुशलता को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। हम अपशिष्ट पदार्थ की रिसाइकलिंग और पुनः उपयोग तथा वर्षा जल संचय करके व अन्य उपायों से जल की उपलब्धता में सुधार करने के अवसरों की लगातार तलाश में रहते हैं। हम देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा और पवन विद्युत सहित अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का भी पता लगा रहे हैं। गेल में हम पर्यावरण और समाज की भलाई को भली–भांति ध्यान में रखते हुए प्रचालन दक्षता हासिल करने का निरंतर प्रयास करते हैं। प्लैट्स की शीर्ष 250 ऊर्जा कंपनियों की रैंकिंग में हमारा शीर्ष स्थान पर बने रहना और विभिन्न भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निकायों जैसे नेशनल सेफ्टी काउंसिल, ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल, ग्रीनटेक, ओआईएसडी, टीईआरआई आदि से सम्मान एवं प्रशस्ति–पत्र प्राप्त करना हमारे चहुंमुखी कार्य–निष्पादन और वैश्विक ऊर्जा उद्योग में हमारी अग्रणी स्थिति को दर्शाता है।

आर. डी. गोयल
निदेशक (परियोजना)

यह हमारा दृढ़ विश्वास है कि मानव संसाधन हमारी सबसे महत्वपूर्ण परिसंपत्ति है और प्रतिस्पर्धा की ओर ले जाने का सर्वोत्तम स्रोत है। हमारी मानव संसाधन नीतियां और कार्मिक पद्धति व्यापार लक्ष्यों के अनुरूप रणनीतिक रूप से तैयार की गई हैं और इसका उद्देश्य अपने कर्मचारियों के उच्च प्रेरणा स्तर को बनाए रखना है। मानव संसाधन निदेशालय अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित तीन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है:

संस्कृति को सशक्त बनाना: हम एक जीवंत और गतिशील संस्कृति का विकास करने का प्रयास करते हैं जो प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पूरी क्षमता का आभास कराती है। हमारा उद्देश्य कर्मचारियों में अपनेपन और गर्व का भाव पैदा करना है। वर्षों से हमने प्रगतिशील नीतियों और सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन पद्धतियों के जरिए एक समर्थक ढांचा तैयार किया है और एक सुरक्षित कार्यस्थल का विकास करने और कर्मचारियों का स्वास्थ्य बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारा प्रयास ऐसा कार्यस्थल विकसित करने का रहा है जो एक सहयोगपूर्ण, ध्यान रखने वाला, खुला और सामाजिक रूप से मित्रतापूर्वक कार्य करने के वातावरण को प्रोत्साहित करता है। हम बिना किसी लिंग, धर्म, जाति और समुदाय के भेदभाव में सभी को समान अवसर उपलब्ध कराकर कार्यस्थल पर विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं। हमारी समावेशी नीतियां अशक्त कर्मचारियों पर विशेष बल देती हैं। हम यूएनजीसी सिद्धातों के समर्थक हैं और अगले वर्ष यूएनजीसी के हस्ताक्षरकर्ता बनना चाहते हैं। नैतिक व्यवहार और अच्छे आचरण की अपनी नीतियों और पद्धतियों के जरिए हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे प्रचालन व्यावसायिक मामलों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, बाल श्रम, बलात श्रम अथवा किसी प्रकार के भेदभाव के किसी भी जोखिम से दूर रहें।

जन विकास: हम अपने कर्मचारियों का निरंतर विकास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि उन्हें समृद्ध और संतोषप्रद रोगजार का अनुभव मिल सके। हमारे व्यक्ति विकास सिद्धांत में एक व्यापक ढांचे को अपनाया गया है जिसमें अनुभव से लिया गया ज्ञान (कार्य में बारी–बारी से परिवर्तन करना, विशेष कार्य सौंपना, आदि के जरिए), संबंध आधारित ज्ञान (जैसे परामर्श, वरिष्ठ लोगों से अनौपचारिक फीडबैक आदि), औपचारिक ज्ञान (विशिष्ट प्रशिक्षण के जरिए) और लीडरशिप विकास शामिल है। अपनी महत्वाकांक्षी विकास योजनाएं तैयार करते समय प्रत्येक व्यक्ति को करियर के अवसर प्रदान करने पर हम मुख्य रूप से बल देते हैं।

समुदाय विकास: अपने समुदाय के प्रति हमारी वचनबद्धता हमारे सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों के जरिए प्रतिबिंबित होती है जो निम्नतम स्तर पर आवश्यकता की पहचान और मूल्यांकन प्रणाली की अनवरत प्रक्रिया के माध्यम से सावधानीपूर्वक तैयार की जाती है। हमारे कार्यक्रमों की पहचान सात व्यापक 'प्रमुख क्षेत्रों' में की जाती है – समुदाय विकास, आधारभूत ढांचा, जल एवं स्वच्छता, साक्षरता विस्तार, शैक्षणिक सहायता, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य। अपने सामाजिक कार्य–निष्पादन का उच्चतम स्तर पर नियंत्रण करने के लिए हमने सीएसआर बोर्ड उप–समिति गठित की है। सीएसआर उप–समिति के अंतर्गत कार्य–केन्द्रों की प्रत्येक सिफारिश का मूल्यांकन करने के लिए हमने निगमित कार्यालय में वरिष्ठतम स्तर पर एक क्रास–कार्यात्मक समिति गठित की है। प्रत्येक कार्यकेन्द्र में भी मध्यम और वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों की क्रास–कार्यात्मक समिति द्वारा सिफारिशें की जाती हैं।

व्यक्ति विकास और समाज, जिससे हम जुड़े हैं, के सभी क्षेत्रों में निवेश को जारी रखना हमारी प्रतिबद्धता है ताकि सतत विकास प्राप्त किया जा सके।

एस.एल. रैना
निदेशक (मा. सं.)

हमारे प्राकृतिक संसाधनों में नियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप की भरपाई करने की अंतर्निहित क्षमता है। गेल ने हमेशा से एक ऐसी प्रणाली विकसित करने का प्रयास किया है जो हमारे पर्यावरण से कुदरती तालमेल रखती हो। इसलिए हम प्राकृतिक गैस का उपयोग उच्च कैलोरी शक्ति, न्यूनतम प्रदूषण और अपेक्षाकृत कम–कार्बन ईंधन वाले ऊर्जा स्रोत के रूप में करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा, न्यून कार्बन ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित करने से हमारा आशय यह है कि हम पवन और सौर जैसे अन्य नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों का अन्वेषण जारी रखें।

गेल के कारोबार का एक महत्वपूर्ण पहलू ऐसे उत्पाद तैयार करना है जो कंपनी और इसके भागीदारों के लिए मूल्य का सृजन करते हैं। इस संदर्भ में नए डिजाइन तैयार किए गए हैं ताकि विभिन्न बाजार खंडों में पता लगाई गई प्रक्रियाओं की दक्षता में सुधार तथा आवश्यकताओं की पूर्ति व्यवस्थित ढंग से और समय पर निरंतर की जा सके। हम अपने उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं के साथ उनकी अपेक्षाओं और समस्याओं का पता लगाने और उन्हें दूर करने के लिए नियमित रूप से चर्चा सत्रों का आयोजन करते हैं। हम इन सत्रों का उपयोग अपने ग्राहकों और आम जनता को प्राकृतिक गैस के विभिन्न उपयोगों की जानकारी देने के लिए करते हैं जिन्हें हमारे उत्पादों का उपयोग करते समय अपनाया जा सकता है। उत्पाद उत्तरदायित्व बढ़ाने और निचली आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करने का हमारा सिद्धांत हमारे ग्राहकों की समस्याओं को सुनने पर आधारित है। इसके अलावा, हम बाजार जरूरतों का पूर्वानुमान भी लगाते हैं और बेहतर निष्पादन व कम पर्यावरण प्रभाव वाले उत्पाद पेश करते हैं। हमारा उद्देश्य ऐसे उत्पाद बनाना है जो देश, समाज और पर्यावरण के लिए अच्छे हैं और सभी संबंधित उत्पाद तथा विपणन संबंधी विनियमों के अनुसार है।

हमारे स्थायित्व का सिद्धांत

गेल यह जानता है कि उसकी प्रगति और विकास न केवल कंपनी की दीर्घावधि संभावनाओं, बल्कि समाज और राष्ट्र को भी प्रभावित करेगी। इसका अंतिम उद्देश्य जिस बाजार में हम प्रचालन करते हैं वहां पारदर्शिता और जिम्मेदार निगम के रूप में नेतृत्व का दर्जा हासिल करना है। हमे आशा है कि विकास के परिणामस्वरूप सृजित आय से न केवल कारोबार सुदृढ़ होगा बल्कि इसका पर्यावरण के संरक्षण और समृद्धि में दोबारा निवेश किया जाएगा।

श्री प्रभात सिंह
निदेशक (विपणन)

वर्ष के दौरान, गेल ने देश भर में पाइपलाइन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गैस ढांचे में योगदान दिया है और अगले वर्ष तक 14,500 कि.मी. का पाइपलाइन नेटवर्क तैयार करने के लिए कार्य कर रहा है। हमने अपने संयुक्त उद्यमों, सहायक कंपनियों के जरिए अपस्ट्रीम प्रचालनों में अपनी भागीदारी में भी वृद्धि की है और गैस की अबाधित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत निवेश किया है। बोर्ड स्तर पर संचालित सुदृढ़ नियंत्रण प्रणाली की सहायता से स्वास्थ्य और सुरक्षा पर बल देना सभी प्रचालनों में उच्च सुरक्षा सूचकांक हासिल करने में प्रभावी रहा है। हम अपने सुरक्षा निष्पादन में सुधार करने के लिए बाहरी लेखा–परीक्षा और आंतरिक जानकारी का आदान–प्रदान करते रहते हैं। हमने अनुसंधान एवं विकास पर अपना ध्यान बढ़ाया है और वर्तमान में हम अपने आरएण्डडी कार्यकलापों के लिए एक नीति तैयार कर रहे हैं। हम हाइड्रोजन के भंडारण, लैंडफिल गैस का उपयोग, कोयला गैसीकरण और नए पॉलिमर ग्रेड के विकास की महत्वपूर्ण परियोजनाएं लगा रहे हैं। इन परियोजनाओं की सफलता और अपने पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार को देखते हुए हम निकट भविष्य में एक समृद्ध आर्थिक विकास की आशा रखते हैं।

श्री एस. वेंकटरमन
निदेशक (व्यापार विकास)

पर्यावरण से समझौता किए बिना और साथ ही समाज कल्याण सुनिश्चित करते हुए सदा बढ़ती रहने वाली ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए भरोसेमंद, सुरक्षित और सस्ती ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करना विश्वभर में तेल और गैस कंपनियों द्वारा सामना की जा रही सबसे बड़ी चुनौती है। इन कंपनियों की सफलता नए वैश्विक सामाजिक आर्थिक परिदृश्य के अनुसार अपने व्यापार मॉडल अपनाने की क्षमता पर निर्भर है जो न्यूनतम कार्बन ऊर्जा स्रोत और सामाजिक संतुलन के महत्व को समझते हैं। अतः यह तेल और गैस कंपनियों के हित में है कि वे ऐसी रणनीतियां बनाएं जो तीन प्रमुख घटकों–आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक स्थिरता के लिए कार्य करें।

गेल एशिया में गैस उपयोगिता कारोबार में बाजार लीडर है। हमने वित्त वर्ष 2010–11 में 32,4590 मिलियन रुपए का कारोबार किया है और 35,610 मिलियन रुपए का कर पश्चात लाभ अर्जित किया है। यह प्राकृतिक गैस और तरल हाइड्रोकार्बन बिक्री में हुई वृद्धि से संभव हो पाया है। एक ओर हम अपने मूल कारोबार पर ध्यान केंद्रित रख रहे हैं तो दूसरी ओर तेल और गैस मूल्य श्रृंखला तथा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश के विभिन्न नए क्षेत्र तेज गति से उभर कर सामने आ रहे हैं। हमने पिछले कुछ वर्षों में अत्यधिक आर्थिक विकास देखा है और अपने राष्ट्र तथा समुदायों की भलाई के लिए अपनी सफलता के परिणामों को बांटने के एक अवसर के रूप में देखते हैं। हमारा उद्देश्य सकारात्मक परिवर्तन और सब की भलाई के लिए आने वाली कठिनाइयों को दूर करने हेतु पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष बल देना है।

श्री पी.के. जैन
निदेशक (वित्त)

गेल का यात्रा वृत्तांत

गेल के बारे में मुख्य तथ्यः–

- भारत में प्राकृतिक गैस की कुल मात्रा में से ¾मात्रा का पाइपलाइन द्वारा परिवहन
- भारत में आधी से ज्यादा मात्रा में प्राकृतिक गैस की बिक्री की गई
- देश के हर 10वें सिलेंडर के लिए एलपीजी का उत्पादन
- देश की कुल एलपीजी के लगभग एक–चौथाई भाग का पाइपलाइन द्वारा परिवहन
- देश में उत्पादित कुल उर्वरकों के लगभग आधे के उत्पादन के लिए गैस की आपूर्ति
- देश में लगभग आधे गैस आधारित बिजली उत्पादन के लिए गैस की आपूर्ति
- संयुक्त उद्यमों के जरिए देश के दो–तिहाई से अधिक सीएनजी स्टेशनों का प्रचालन
- जामनगर लोनी पाइपलाइनः विश्व की सबसे लम्बी विशिष्ट एलपीजी पाइपलाइन
- गैस संचरण में 74% शेयर बाजार

गेल का यात्रा वृत्तांत

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय देश में प्राकृतिक गैस का उत्पादन नगण्य था। उस समय से आज के दिन तक देश ने गैस के उत्पादन में विकास किया है और वित्त वर्ष 2009–10 में प्राकृतिक गैस का उत्पादन 50,240 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) हो गया है। 1984 में भारत सरकार द्वारा एक प्रमुख गैस संचरण और विपणन कंपनी के रूप में स्थापित किए जाने के बाद हम सम्पूर्ण प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में वैश्विक उपस्थिति के साथ एक प्रमुख एकीकृत गैस कंपनी के रूप में उभर कर आए हैं। 1987 में हजीरा–विजयपुर–जगदीशपुर (एचवीजे) पाइपलाइन से शुरू करके हमने एक लम्बा सफर तय किया है और आज हम भारत के कई राज्यों में प्राकृतिक गैस ढांचों का स्वामित्व और प्रचालन कर रहे हैं तथा अपने पाइपलाइन नेटवर्क और सुविधाओं में लगातार वृद्धि कर रहे हैं।

1980 का दशक – उल्लेखनीय शुरुआत

यद्यपि 20वीं सदी की शुरुआत से भारत में प्राकृतिक गैस का उत्पादन और उपयोग किया जा रहा था तथापि, समग्र–ऊर्जा खपत में प्राकृतिक गैस का योगदान काफी कम था। 1970 के दशक के मध्य में पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य में काफी वृद्धि हुई। उस अवधि में, भारत में प्राकृतिक गैस के उपयोग के लिए योजना तैयार करने हेतु कई सरकारी समितियों का गठन किया गया। प्राकृतिक गैस के महत्व को स्वीकार करते हुए और देश में परिवहन और वितरण सुविधाएं स्थापित करते हुए सरकार ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ गेल की स्थापना की है:

- प्राकृतिक गैस के उपयोग के लिए मूलभूत ढांचे की स्थापना और विस्तार करना।
- प्राकृतिक गैस के अंशों का परिवहन, उपचार, प्रभाजन, शुद्धिकरण और विपणन करना।
- सरकार और औद्योगिक प्रयोक्ताओं सहित संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय से प्राकृतिक गैस के अंशों के उचित प्रयोग के लिए योजना तैयार करना।
- प्राकृतिक गैस के अंशों के एकत्रण, उपचार, प्रभाजन और विपणन के लिए पाइपलाइनों, प्रणालियों तथा संबंधित सुविधाओं की योजना, डिजाइन तैयार करना एवं उनका निर्माण करना।
- प्राकृतिक गैस के संचरण, उपचार और प्रसंस्करण में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।

एचवीजे पाइपलाइन का शुभारंभ, जो भारत के गैस संचरण आधारभूत ढांचे का सबसे अहम हिस्सा है, गेल के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है। देश के कुछ सबसे बड़े उर्वरक संयंत्रों और गैस आधारित बिजली संयंत्रों को जोड़ने के लिए इस पाइपलाइन को बिछाने का प्रस्ताव 1984 के आरंभ में अनुमोदित किया गया था। इस संपूर्ण परियोजना में पाइपलाइन प्रचालनों की सुरक्षा और नियंत्रण बनाए रखने के लिए उसके मार्ग पर चार कंप्रैसर स्टेशन, क्षरण से बचाव हेतु कैथौडिक सुरक्षा प्रणाली, और टेली–सुपरवाइजरी तथा दूरसंचार प्रणाली की स्थापना शामिल थी। गेल ने पाइपलाइन बिछाते समय 204 नहर क्रासिंग, 241 सड़क क्रासिंग, 24 रेल क्रासिंग और 14 वन क्रासिंग पर लाइन बिछाते समय अत्यधिक सावधानी और प्रचालनगत सटीकता का परिचय दिया है। पाइप बिछाने का कार्य जून, 1987 में पूरा हो गया था और जुलाई, 1987 के अंत तक उसे सक्रिय कर दिया गया था। अपने आरंभिक वर्षों में एचवीजे (भूतपूर्व एचबीजे) पाइपलाइन से उत्तरी और पश्चिमी भारत के प्रमुख उर्वरक और गैस आधारित बिजली संयंत्रों को प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराई गई।

[1] वित्त वर्ष 2009–10 की वार्षिक रिपोर्ट – पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी), भारत सरकार

एचबीजे गैस पाइपलाइन, भारत के गैस आधारभूत ढांचे का आधार

1990 का दशकः समेकन और विविधीकरण

यह दौर हमारे पाइपलाइन नेटवर्क के समेकन और वर्धन का दौर था। मई 1992 में ओएनजीसी ने सभी गैस पाइपलाइनें और प्राकृतिक गैस संबंधी विपणन कार्य गेल को सौंप दिया। 1990 के दशक की शुरुआत में गेल ने दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के आसपास वितरण नेटवर्क स्थापित करके अपने नेटवर्क को मजबूत किया।

गैस और एलपीजी का संचरणः मार्च 1994 में, सरकार ने 23,760 मिलियन रुपए की कुल लागत से एचवीजे उन्नयन परियोजना का अनुमोदन किया जिसका उद्देश्य हजीरा और झाबुआ स्थित स्टेशनों के मौजूदा कंप्रैसरों की क्षमता में वृद्धि करके पाइपलाइन प्रवाह क्षमता को मौजूदा 18.2 एमएमएससीएमडी से बढ़ाकर 33 एमएमएससीएमडी करना और विजयपुर तथा दादरी के बीच 505 कि.मी. लम्बी पाइपलाइन बिछाने के साथ–साथ वाघोडिया और खेड़ा में दो नए कंप्रैसर स्टेशनों की स्थापना करना था। एलपीजी के परिवहन में गेल ने 12,400 मिलियन रुपए की लागत पर अक्तूबर, 1999 में एलपीजी परिवहन हेतु 1,269 कि.मी. की विश्व की सबसे लम्बी जामनगर–लोनी पाइपलाइन के निर्माण का कार्य शुरू किया। यद्यपि गेल ने पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार के लिए कई परियोजनाएं शुरू की, तथापि, पर्यावरण के सुधार के लिए भी सजग रह कर प्रयास किए। 1990 के दशक के उत्तरार्द्ध में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पर्यावरण में सुधार करने और ताजमहल, जो विश्व के सात अजूबों में से एक है, को प्रदूषण से बचाने के लिए आगरा और फिरोजाबाद स्थित उद्योगों को आपूर्ति करने हेतु 0.6 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस का आबंटन किया था।

गैस प्रोसेसिंगः 1980 के दशक के अंत तक गेल का प्रमुख कारोबार गैस के परिवहन का था, तथापि, गेल ने एलपीजी और प्रोपेन का उत्पादन करने के लिए रिच गैस से प्रोपेन और ब्यूटेन अंशों के निष्कर्षण के लिए विजयपुर में अपनी गैस प्रोसेसिंग सुविधाओं की स्थापना की। विजयपुर स्थित एलपीजी संयंत्र 1990–91 और 1991–92 में दो चरणों में शुरू हुआ था। 1993–94 में सरकार ने गेल को भारत में प्रोपेन का विपणन करने की अनुमति दी। बाद के वर्षों में गेल ने गैस प्रोसेसिंग सुविधाओं में विस्तार करने के लिए वाघोडिया, लकवा और उसर में अन्य एलपीजी संयंत्र भी स्थापित किए।

पेट्रोकेमिकल में पहला कदमः पाता

पेट्रोकैमिकलः विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन और उपलब्ध तकनीक की समीक्षा करने के बाद सरकार ने गैस क्रैकर इकाई स्थापित करने के लिए सितम्बर 1989 में आशय–पत्र दिया। सितम्बर 1991 तक गेल ने उत्तर प्रदेश पेट्रोकैमिकल कॉम्पलेक्स के लिए 215 हेक्टेयर भूमि अर्जित की और गैस क्रैकर एवं स्वीटनिंग संयंत्र के लिए तकनीक का चयन किया। अंततः मार्च 1999 में 24,040 मिलियन रुपए की लागत से कॉम्पलेक्स की शुरुआत हुई जिसकी 260,000 टन एचडीपीई और एलएलडीपीई का उत्पादन करने के लिए 300,000 टन इथिलीन की डिजाइन क्षमता थी।

शहर गैस वितरणः मुम्बई, दिल्ली और वडोदरा में परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी के प्रयोग हेतु गेल को आधारभूत ढांचे की स्थापना करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। गेल ने इन तीनों शहरों में कंप्रैसर स्टेशन और खुदरा केन्द्रों की स्थापना की। गेल ने वित्त वर्ष 1994–95 में ब्रिटिश गैस के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित करके मुम्बई में अपना सीजीडी प्रचालन शुरू किया। उसके बाद, गेल ने 1998 में बीपीसीएल और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित करके घरेलू, परिवहन और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को सीएनजी/पीएनजी की आपूर्ति करने हेतु दिल्ली में सीजीडी का प्रचालन शुरू किया।

अन्वेषण एवं उत्पादनः प्रमुख ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति में वृद्धि करने की आवश्यकता को देखते हुए गेल ने 1995–96 में प्रमुख ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति में वृद्धि करने के लिए विभिन्न परियोजनाएं शुरू कीं। 1996 के मध्य तक गेल ने संसाधन मूल्यांकन और तकनीकी–आर्थिक अध्ययन पूरा करने के बाद कोल–बेड मीथेन अन्वेषण और उपयोग कार्यक्रम की योजना बनाई। 1997 के मध्य तक तेल और गैस क्षेत्रों में परित्यक्त और बंद कर दिए गए कुओं का उपयोग करके सीबीएम संसाधनों का आरंभिक मूल्यांकन करने हेतु गेल ने गुजरात क्षेत्र में संयुक्त प्रचालन की संभावना के लिए ओएनजीसी से चर्चा करनी आरंभ की। 1999–2000 के दौरान गेल ने इन–सीटू लिग्नाइट गैसीकरण की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए राजस्थान सरकार के साथ एक समझौता–ज्ञापन किया।

गेल का यात्रा वृत्तांत

वर्ष 2000 – नेतृत्व स्थापना
यह अवधि गेल द्वारा अपने कारोबार में नेतृत्व कायम करने तथा नए कारोबारी अवसरों का पता लगाने के प्रयास के रूप में जानी जाती है।

एलपीजी और गैस संचरण – जामनगर – लोनी एलपीजी पाइपलाइन, विश्व की सबसे लम्बी और भारत की पहली क्रास–कंट्री एलपीजी पाइपलाइन, वित्त वर्ष 2000–01 के दौरान चालू हुई थी। 1269 कि.मी. लंबी यह पाइपलाइन गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्यों से होकर गुज़रती है। पहले चरण में इस पाइपलाइन की क्षमता 1.7 एमएमटीपीए थी, वित्त वर्ष 2002–03 में कांडला–समाखियाली संपर्क शुरू कर इसकी क्षमता को 2.5 एमएमटीपीए तक बढ़ा दिया गया था। निदेशक मंडल ने फरवरी 2001 में 4,900 मिलियन रुपए की अनुमानित लागत पर विजाग से सिकंदराबाद तक 600 कि.मी. लम्बी एलपीजी पाइपलाइन बिछाने की परियोजना को मंजूरी दी। गेल ने विजाग से सिकंदराबाद तक एलपीजी पाइपलाइन को जून 2003 में पूरा किया जो विजाग–सिकंदराबाद एलपीजी पाइपलाइन तक अधिकतम 1.16 एमएमटीपीए एलपीजी का संवहन करने के लिए तैयार की गई थी। वर्षों से गेल 8600 कि.मी. लम्बी प्राकृतिक गैस ट्रंक पाइपलाइन और 2000 कि.मी. लम्बी एलपीजी पाइपलाइन का नेटवर्क तैयार करके आर्गेनिक रूप से प्रगति कर रहा है। 2000 के दशक के पूर्वार्द्ध के अंत तक गेल ने अपनी समर्पित पाइपलाइनों के जरिए प्रतिदिन 118 एमएमएससीएमडी से अधिक गैस का परिवहन किया और गैस परिवहन में 74% बाजार शेयर हासिल किया।

गैस प्रोसेसिंग – वर्ष 2000 में पाता और गंधार में वर्ष 2001 में एलपीजी संयंत्र के प्रचालन शुरू होने के साथ ही गेल ने प्रति वर्ष 1.1 एमएमटी एलपीजी की डिजाइन उत्पादन क्षमता हासिल कर ली थी।

पेट्रोकेमिकल – गेल ने अनुप्रवाह के प्रमुख संयंत्रों की डीबोटलनेकिंग की जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2005 में उत्पादन क्षमता एथीलीन 260,000 टीपीए से बढ़कर 300,000 टीपीए हो गई। इसने वित्त वर्ष 2006–07 में नई क्रैकर भट्ठी लगाकर अपनी क्षमता भी 300,000 टीपीए से बढ़ाकर 400,000 टीपीए कर ली।

अन्वेषण और उत्पादन – वर्ष 2002–03 तक गेल के अन्वेषण एवं उत्पादन कंपनियों जैसे ओएनजीसी, ओआईएल, जीएसपीसी, हार्डी, गजप्रॉम और डेवू इंटरनेशनल के कंसोर्शियम में 10 अन्वेषण ब्लॉकों में भागीदारी हित हैं। इस पोर्टफोलियों में 8 एनईएलपी और 2 फार्म–इन–ब्लॉक शामिल थे। वर्ष 2003–04 में म्यांमार में ए 1 ब्लॉक में गैस की खोज और कैम्बे ब्लॉक में तेल और गैस की खोज से गेल को अपने अन्वेषण और उत्पादन कार्यकलापों में पहली सफलता मिली। गेल की 11 अन्वेषण और उत्पादन ब्लॉकों में भागीदारी थी जिसमें वर्ष 2004–05 तक 67,000 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र शामिल था। पहली बार गेल ने 6 सितम्बर 2005 से अपने कैम्बे तेल बेसिन में कच्चे तेल का उत्पादन शुरू किया जिसका अन्वेषण सितम्बर 2004 में हुआ था। गेल की इस ब्लॉक में 50 प्रतिशत की भागीदारी हित है।

शहर गैस वितरण – गेल ने आठ संयुक्त उद्यम कंपनियों के जरिए कानपुर, आगरा, लखनऊ, पुणे और आंध्र प्रदेश तथा त्रिपुरा के शहरों सहित विभिन्न शहरों में अपने पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार करके अपने शहर गैस वितरण कारोबार को बढ़ाया है। गेल ने शहर गैस वितरण (सीजीडी) और सीएनजी कोरिडोर व्यापार के लिए एक 100% अनुषंगी कंपनी – गेल गैस लिमिटेड (जीजीएल) की स्थापना भी की है। जीजीएल का गठन भारत के विभिन्न शहरों और विदेश में वाहनों हेतु ईंधन के रूप में सीएनजी, घरेलू/वाणिज्यिक/औद्योगिक उद्देश्यों के लिए पाइप्ड प्राकृतिक गैस तथा परिवहन वाहनों के लिए ईंधन के रूप में ऑटो एलपीजी के वितरण और विपणन हेतु किया गया था। जीजीएल ने सीएनजी कोरिडार के सृजन हेतु राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ–साथ भारत के विभिन्न शहरों में ढांचा स्थापित करने में भी निवेश किया है।

पाइपलाइन के जरिए एलपीजी परिसंचरण

आज – एक अग्रणी एकीकृत गैस कंपनी

वर्ष 2010–11 में हमारी कुल बिक्री में 30% की अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है और पिछले वर्ष की तुलना में कर पश्चात् लाभ में 13.5% की वृद्धि हुई है। यह हमारे प्रचालनों में वृद्धि करने और नए व्यापार अवसरों का अनुसरण करने के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप संभव हुआ है।

गैस और एलपीजी परिवहन – वर्ष में हमने 498 कि.मी. लम्बी विजयपुर–दादरी पाइपलाइन, 175 कि.मी. लम्बी सुल्तानपुर – नीमराणा पाइपलाइन और 88 कि.मी. फोकस एनर्जी पाइपलाइन सफलतापूर्वक शुरू की है। क्रास–कंट्री पाइपलाइन ढांचा निर्मित करने के लिए हमारी प्रगत्यधीन परियोजनाओं का निष्पादन हो जाने से आने वाले वर्षों में 15000 कि.मी. के कुल पाइपलाइन नेटवर्क के साथ अपनी अखिल–भारतीय उपस्थिति को बढ़ाने की योजना है।

पेट्रोकेमिकल – वर्षों के दौरान भारत में 17% का बाजार शेयर हासिल करके हमने पेट्रोकेमिकल में अपनी दक्षता विकसित की हैं। भारत में ग्राहकों की सेवा करने के साथ–साथ हमने चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया, फिलीपींस, इजराइल और संयुक्त अरब अमीरात में अपने पेट्रोरसायन उत्पादों हेतु ग्राहकों का दायरा बढ़ाया है। वर्ष के दौरान दहेज, गुजरात, भारत में ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित की जा रही 1.1 एमएमटीपीए की पेट्रोकेमिकल परियोजना में 17% इक्विटी हासिल की है। इसके अलावा हम 450,000 टीपीए गैस क्रैकर इकाई लगाकर और 400,000 टीपीए डाउनस्ट्रीम पॉलिमर इकाई लगाकर पाता में अपने पेट्रोकेमिकल संयंत्र की क्षमता को दोगुना कर रहे हैं। इस निवेश से हमें वह मजबूत विकास हासिल करने में मदद मिलेगी जिसकी हमने इस कारोबार में अभिकल्पना की है।

गेल, असम में 'ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल)' नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी को प्रवर्तित कर रहा है जो रसायन और उर्वरक मंत्रालय के अंतर्गत एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में गठित हुई थी। गेल 70% इक्विटी भागीदारी के साथ प्रमुख प्रवर्तक है और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल), नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल), असम सरकार प्रत्येक की 10% की इक्विटी भागीदारी है। बीसीपीएल 89,200 मिलियन रुपए के निवेश से 2,80,000 मी.टन प्रति वर्ष क्षमता का एक पालीमर संयंत्र स्थापित कर रहा है। यह देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र का एकमात्र सबसे बड़ा निवेश है। इस परियोजना से बड़े पैमाने पर रोजगार, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होने की संभावना है और पूर्वोत्तर में डाउनस्ट्रीम प्लास्टिक प्रोसेसिंग उद्योग लगाने के लिए यह काफी अधिक निवेश आकर्षित करेगा। भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 9 अप्रैल 2007 में लेपेटकटा, डिब्रूगढ़, असम में इस परियोजना की नींव रखी थी।

अन्वेषण और उत्पादन – वर्ष 2000 में प्राकृतिक गैस क्षेत्र में उदारीकरण के बाद अन्वेषण और उत्पादन व्यवसाय में हमारी भूमिका ने हमारे कारोबार के लिए विभिन्न अवसर खोल दिए हैं और इससे गेल को आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण के जरिए मांग के अनुसार आपूर्ति करने में मदद मिलेगी। इस समय हम महानदी, मुम्बई, कैम्बे, असम–अराकान, त्रिपुरा फोल्ड बेल्ट, कृष्णा गोदावरी, कावेरी और कावेरी पलार बेसिन में 27 अन्वेषण ब्लॉकों में भागीदारी कर रहे हैं। ये ब्लॉक अन्वेषण, समीक्षा, विकास के विभिन्न चरणों में हैं और सात ब्लाकों में हाइड्रोकार्बन की खोज हो चुकी है।

पाता में गैस क्रैकर यूनिट

गेल की रजत जयंती के अवसर पर जारी विशेष डाक टिकट

गेल का यात्रा वृत्तांत

पाइपलाइन बिछाने का कार्य

शहर गैस वितरण – शहर गैस वितरण में हमारे प्रवेश से खुदरा ग्राहकों की हमारे उत्पादों तक पहुंच बढ़ी है। फलस्वरूप सीएनजी एवं पीएनजी के रूप में प्राकृतिक गैस आधारित उत्पादों की खपत बढ़ने के साथ–साथ डाउन स्ट्रीम प्रचालनों में हमारी उपस्थिति बढ़ी है। इस समय गेल और इसके संयुक्त उद्यमों के सीएनजी खुदरा केन्द्र दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश राज्यों में उपलब्ध हैं जिनमें 400 से अधिक सीएनजी खुदरा केन्द्र हैं जो लगभग 6,80,000 वाहनों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। अपने संयुक्त उद्यमों के जरिए हमने शहर गैस वितरण प्रणाली भी स्थापित की है जिसमें ग्राहकों को विविध प्रयोग हेतु प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करने के लिए शहरों में भूमिगत पाइपलाइन वितरण नेटवर्क भी शामिल है।

नवीकरण योग्य ऊर्जा – इस नवीकरण योग्य ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित करके पर्यावरण पर प्रभाव को न्यूनतम करने की नीति बना रहे हैं। हमने सिनोई, गुजरात में 4.5 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना सफलतापूर्वक शुरू की है जो मुख्यतः केप्टिव खपत के लिए है। वर्तमान में हम गुजरात, भारत में उपयोग हेतु 15 केप्टिव मेगावाट की दूसरी पवन ऊर्जा विद्युत परियोजना स्थापित कर रहे हैं और एक 100 मेगावाट की वाणिज्यिक पवन ऊर्जा परियोजना लगाने पर कार्य कर रहे हैं। पवन ऊर्जा उत्पादन के अलावा हम सौर ऊर्जा में भी अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

टेलीकॉम – वर्ष 2001 में शुरुआत करके हमारे टेलीकॉम व्यापार गेलटेल की पहुंच भारत भर में आप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क के जरिए लगभग 13,000 कि.मी. तक हो गई है जो 10 भारतीय राज्यों के 150 कस्बों और शहरों को जोड़ता है। गेलटेल नेटवर्क मुख्य रूप से हमारी उच्च सुरक्षा वाले क्रास–कंट्री पाइपलाइन कॉरिडार के साथ–साथ बना है ताकि अपने ग्राहकों को अत्यधिक विश्वसनीय और त्रुटि रहित सेवा सुनिश्चित की जा सके।

विजयपुर, म.प्र. में गैस प्रोसेसिंग प्रसुविधा का रात्रि का दृश्य

कारोबार से इतर मूल्य सृजन

समस्त स्टेकधारकों के लिए मूल्य का सृजन और पर्यावरण के प्रति हमारे उत्तरदायित्व का निर्वाह करने के विज़न के अनुसार हमने वर्षों से विभिन्न पहल और व्यावसायिक निर्णय लिए हैं ताकि अर्थव्यवस्था और हमारे भागीदारों पर हमारे व्यापार और प्रचालनों का अधिकतम प्रभाव सुनिश्चित हो सके।

भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं में योगदान – भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा ऊर्जा की खपत करने वाला देश है और भारत की प्राथमिक ऊर्जा खपत में लगभग 11% हिस्सा गैस का है। देश में वित्त वर्ष 2010–11 के दौरान विपणन की गई 162.11 एमएमएससीएमडी गैस में से गेल ने लगभग 83.23 एमएमएससीएमडी गैस का विपणन किया जो प्राथमिक ऊर्जा खपत का 5.6% है। वर्तमान में, भारत की आधी से ज्यादा प्राकृतिक गैस का कारोबार गेल द्वारा किया जाता है जो देश के दो–तिहाई हिस्से से अधिक सीएनजी स्टेशनों का प्रचालन करता है, भारत की कुल पॉलीइथिलीन का 25% उत्पादन करता है और देश में हर 10वें सिलेण्डर के लिए एलपीजी का उत्पादन करता है।

उच्च ग्रेड के इस्पात उद्योग का विकास – गेल के प्रचालनों के शुरुआती वर्षों के दौरान इस्पात पाइपों का मुख्यतः विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से आयात किया जाता था और एचवीजे का निर्माण पूर्णतः आयातित पाइपों का उपयोग कर किया गया था क्योंकि भारत में उस समय विशेष ग्रेड के इस्पात के आपूर्तिकर्ता उपलब्ध नहीं थे। वर्ष 1985 से, एचवीजे पाइपलाइन के निर्माण के दौरान गेल के प्रचालनों ने भारत के इस्पात पाइप विनिर्माण उद्योग के विकास में योगदान दिया है जिसमें काफी प्रगति हुई है और भारत में एक्स–70 इस्पात ग्रेड पाइप उपलब्ध कराने वाले दस से अधिक आपूर्तिकर्ता हैं जो अपने कुल उत्पादन का 30% निर्यात भी कर रहे हैं। वर्ष 2011–15 की अवधि में 10,000 कि.मी. से भी अधिक लम्बी पाइपलाइन का निर्माण करने की योजना है, इसलिए इस विस्तार से उद्योग को 2.5 मिलियन टन इस्पात पाइपों की एक बहुत बड़ी मांग पैदा होने का अनुमान है।

वित्त वर्ष 2010–11 में भारत में गैस आपूर्ति में गेल का योगदान

	अखिल भारतीय आपूर्ति (एमएमएससीएमडी)	गेल द्वारा की गई आपूर्ति (एमएमएससीएमडी)	गेल द्वारा आपूर्ति का %
बिजली	63.59	31.20	49
उर्वरक	38.52	21.29	55
सीजीडी	13.31	6.07	46
स्पांज आयरन	8.03	2.89	36
लघु उद्योग	5.34	5.34	100
अन्य (रिफाइनरियां, पेट्रोरसायन आदि)	24.45	10.12	41
आंतरिक खपत/संकुचन	8.87	6.32	71
कुल आपूर्ति	162.11	83.23	51

एलपीजी के सड़क परिवहन का विकल्प देना – देश के विभिन्न भागों में एलपीजी परिवहन के लिए विशेष पाइपलाइन बिछाकर गेल ने एलपीजी को उत्पादन सुविधाओं से विभिन्न ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपेक्षित सड़क परिवहन पद्धति को बदलने में योगदान दिया है। वित्त वर्ष 2010–11 के दौरान एलपीजी के सड़क परिवहन को पाइपलाइन में परिवर्तित करके, हमारी पाइपलाइन ने 9,656 टन सीओ$_2$ई (आंतरिक गणना आधारित) जीएचजी उत्सर्जन कम किया है।

प्रज्ज्वलन से होने वाले जीएचजी उत्सर्जन को कम करना – भारत के अन्वेषण और उत्पादन कार्यकलापों में प्राकृतिक गैस का प्रज्ज्वलन होता है जिसका उपयोग प्रौद्योगिकी और आर्थिक व्यवहार्यता के कारण 1980 के दशक तक नहीं किया जा सका था। गेल के प्रचालन शुरू होने और वर्षों से हुई प्रगति के साथ गेल ने अन्वेषण और उत्पादन कार्यकलापों से गैस के प्रज्ज्वलन को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 1987–88 में एचवीजे पाइपलाइन के शुरू होने के समय भारत में 3,445 मिलियन घन मी. गैस का प्रज्जवलन होता था परन्तु वित्त वर्ष 2010–11 में भारत में गैस का प्रज्ज्वलन कम होकर 993 मिलियन घन मी. हो गया है।

[2] स्रोतः इस्पात मंत्रालय की वेबसाइट और आंतरिक सूचना।

[3] स्रोतः "एमओपीएंडएनजी द्वारा इंडियन पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस 2009–10 पर मूल आंकड़े"

वर्षों के दौरान गैस का प्रज्ज्वलन (मिलियन एम^3)

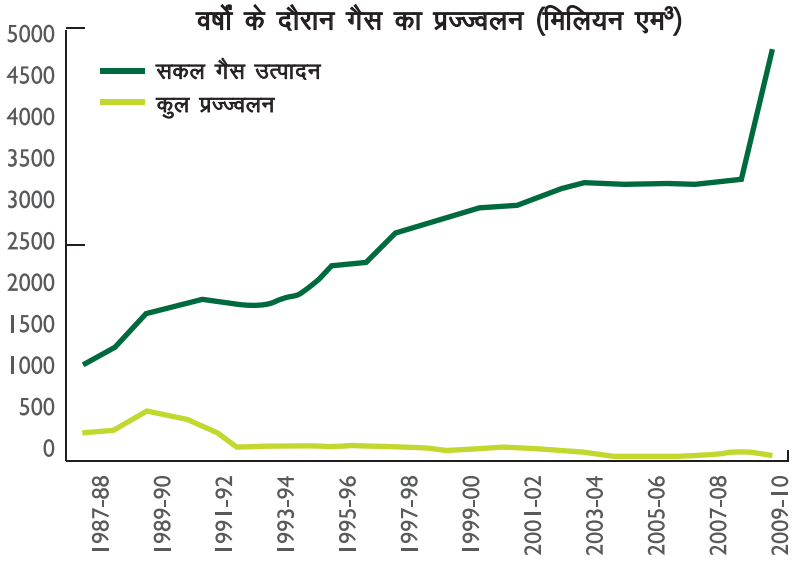

एकजुटता की

शुभारम्भ
HORITY OF INDIA LIMITED
CAMP
w Delhi

MOU FOR JOINT VE
DELHI CITY GAS DIS
September 9,1
ICWAI 8th NATIONAL AWARD FOR
CELLENCE IN COST MANAGEME

भावना का प्रदर्शन

September 7, 1999

Dun & Bradstreet - Rolta
India's
Oil & Gas Industry Awards
Chief Guest
Shri S. Jaipal Reddy
Guest of Honour
Shri R. P. N. Singh

हमारा कारोबार, उत्पाद और ब्रांड

औद्योगिक और घरेलू उपभोक्ता

रत्नगिरी गैस प्राइवेट लिमिटेड

विद्युत

औद्योगिक और उपभोक्ता

PNG CNG

शहर गैस वितरण

एलपीजी परिवहन

गेल चाइना गैस ग्लोबल एनर्जी होलडिंग्स लिमिटेड गेल ग्लोबल (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड

अन्वेषण और उत्पादन

प्रचालनगत इकाइयां
27 ईएंडपी ब्लॉक
(भारत में 25, विदेशों में 2)

कुल उत्पादन
420 टीएमटी (वित्त वर्ष 10–11)

मुख्य उत्पाद/सेवाएं
आयात से गैस, स्वदेशी स्रोतों से गैस

क्रास कंट्री पाइपलाइनों के जरिए 13000 कि.मी. लंबा ओएफसी नेटवर्क (5681 कि.मी.) और राज्य/राष्ट्रीय राजमार्ग (7346 कि.मी.)

एंड पॉवर
(आरजीपीपीएल)

RGPPL
RATNAGIRI GAS & POWER
आरजीपीपीएल

घरेलू

गैस परिसंचरण: 6 एनजी कंप्रेशन स्टेशन (वित्तीय वर्ष 10–11 में 117.91 एमएमएससीएमडी)

(वित्तीय वर्ष 10–11 में 3337 टीएमटी)

एलपीजी पंपिंग/प्रापण स्टेशन (संख्या 9)

औद्योगिक और घरेलू उपभोक्ता

गैस प्रोसेसिंग इकाइयां

प्रचालनरत इकाइयां
7 (विजयपुर(2), औरैया, वाघोडिया, ऊसर, लकवा, गंधार)

कुल उत्पादन
301 टीएमटी (वित्त वर्ष 10–11)

मुख्य उत्पाद/सेवाएं
पेंटेन, प्रोपेन, एसबीपी विलायक, नाफ्था

PENTANE
PROPANE

पेट्रोकेमिकल

प्रचालन इकाइयां
1 (पाता)

कुल उत्पादन
420 टीएमटी (वित्त वर्ष 10–11)

मुख्य उत्पाद/सेवाएं
एचडीपीई/एलएलडीपीई पेलेट, एलपी फलेक्स, पीई श्रेड्स

G-Lex

G-Lene

गेल की समग्र भारत उपस्थिति

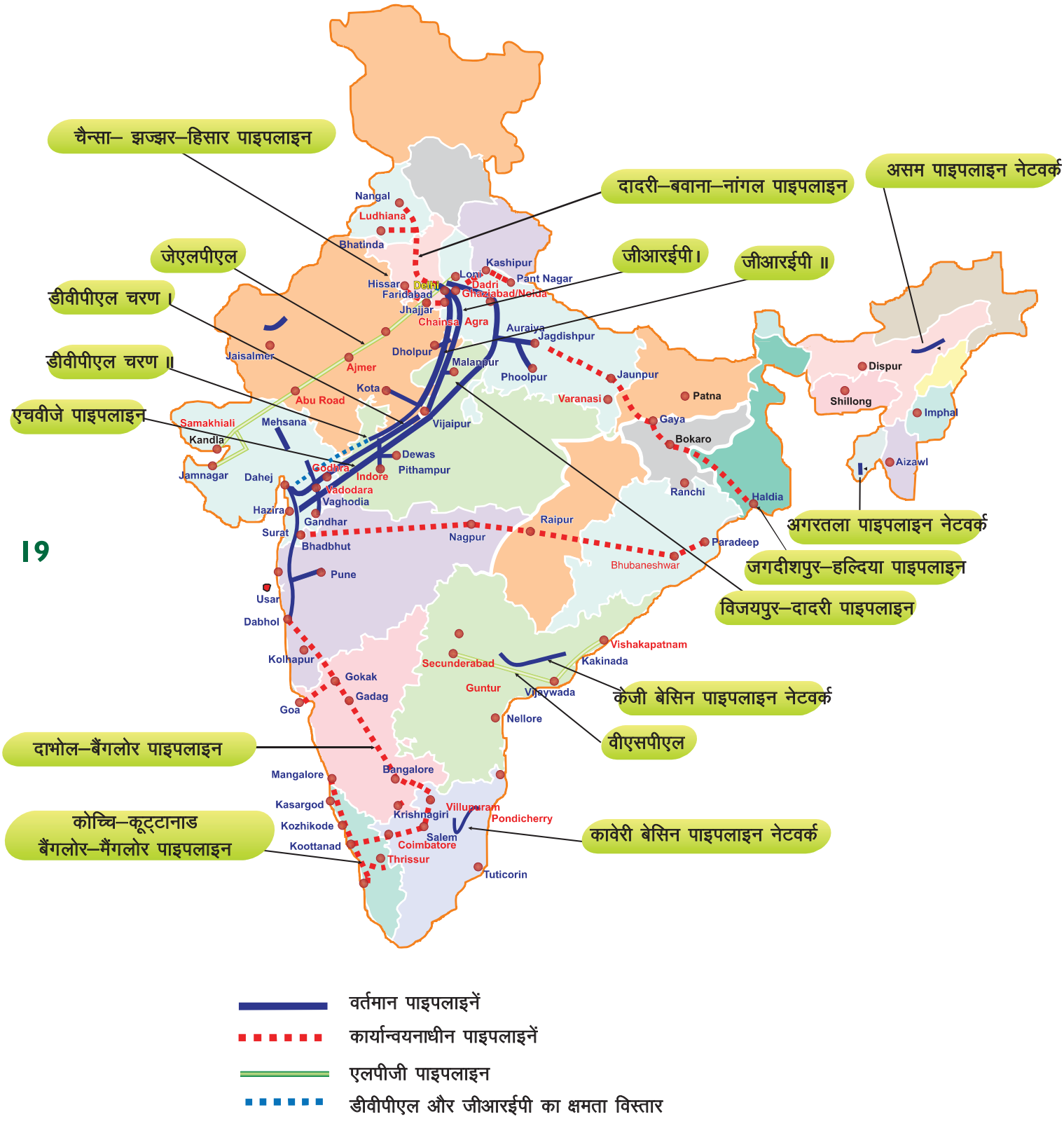

वर्तमान पाइपलाइनें

कार्यान्वयनाधीन पाइपलाइनें

एलपीजी पाइपलाइन

डीवीपीएल और जीआरईपी का क्षमता विस्तार

अन्वेषण एवं विकास परिसंपत्ति जिसमें गेल ऑपरेटर है
बीसीपीएल क्षमता 2,80,000 टीपीए
दहेज एलएनजी टर्मिनल क्षमता 10 एमएमटीपी
कच्चे तेल का उत्पादन करने वाली अन्वेषण एवं उत्पादन परिसंपत्ति
दाभोल एलएनजी टर्मिनल क्षमता 5 एमएमटीपी
ईएंडपी परिसंपत्ति जिसमें गेल ऑपरेटर है
कोच्चि एलएनजी टर्मिनल क्षमता 5 एमएमटीपी
Chandigarh
Bhatinda
Delhi
Dadri
Agra
Auraiya
Pata
Lucknow
Jaipur
Jaisalmer
BCPL
Lakwa
Dispur
Shillong
Imphal
Aizawl
Patna
Varanasi
Samakhiali
Ahmedabad
Bhopal
Jamnagar
Dahej
Vaghodia
Gandhar
Kolkata
Ranchi
Mumbai
Usar
Hyderabad
Guntur
Nellore
Chennai
Pondicherry
Coimbatore
Tuticorin
Kochi
पाता संयंत्र
एलपीजी संयंत्र
एलएनजी टर्मिनल
जोनल कार्यालय

पुरस्कार और सम्मान

निगमित नियंत्रण 2010 में उत्कृष्टता के लिए 10वां आईसीएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार – निगमित नियंत्रण में उत्कृष्टता के लिए मान्यता प्रमाण–पत्र
भारतीय कंपनी सचिव संस्थान

ऊर्जा कंपनियों में प्लैट्स टॉप 250 ग्लोबल रैंकिंग द्वारा
गैस उपयोगिताओं में रैंक नं.1 कंपनी

गैस–प्रोसेसिंग, परिसंचरण, और विपणन में निगमित पुरस्कार
डून एंड ब्राडस्ट्रीट – रोल्टा

ग्रीनटेक पर्यावरण उत्कृष्ट (स्वर्ण) पुरस्कार 2010 – पाता, विजयपुर, वाघोडिया, झाबुआ, हजीरा, एनसीआर और मुंबई
ग्रीनटेक फाउंडेशन

एशिया का सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता – कारोबार के अनुसार उत्कृष्ट एचआर नीति
वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस

केजी बेसिन और एनसीआर इकाइयों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार
ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल (यूके)

उत्कृष्ट पीएसयू के लिए 'भारत प्रबंधन पुरस्कार'
ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए)

उत्पादन क्षेत्र में ग्राहक जवाबदेही पुरस्कार, 2010
इकोनोमिक टाइम्स और अवाया ग्लोबल कनेक्ट

तेल उद्योग संरक्षा पुरस्कार
(हमारी एचवीजे पाइपलाइन के लिए 14वीं बार, विजयपुर इकाई के लिए 7वीं बार)
ओआईएसडी

संरक्षा अभिनवता पुरस्कार – आगरा, खेड़ा, लकवा, नसीराबाद
इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स दिल्ली स्टेट केंद्र

सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार – विजयपुर के लिए एमपी अध्याय
राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद

हमारे प्रचालन का नियंत्रण

हमारा नियंत्रण ढांचा नैतिक आचरण, पारदर्शिता, व्यवसायिकता और जबावदेही के सिद्धांतों पर आधारित है। हम अपनी रणनीति बनाने और अन्य संबंधित कार्यकलाप करते समय शासकीय आदेशों का पूरी तरह पालन करते हैं तथा जवाबदेह कारोबार कार्यकलापों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर बल देते हैं।

हमारे प्रचालन का नियंत्रण

हमारी कंपनी में विविध प्रकार की नीतियां हैं जो गेल के कारोबार निष्पादन और कार्य क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं पर नियंत्रण में वृद्धि करती हैं। ये नीतियां विज्ञापन और संचार हेतु मानक प्रक्रिया तय करने से लेकर प्रचालन और रखरखाव के कड़े नियम एवं प्रक्रिया बनाने तक हैं। पिछले दो वर्षों से हमने बदलती व्यापार आवश्यकताओं और उद्योग में प्रचलित पद्धतियों के अनुरूप एचआर, सीएसआर और एचएसई जैसी प्रमुख नीतियों की समीक्षा की है। गेल (इंडिया) लिमिटेड, सार्वजनिक क्षेत्र का एक नवरत्न उद्यम है जो बम्बई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध है तथा इसकी जीडीआर भी लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध है। यह एनएसई और बीएसई के क्रमशः निफ्टी सेंसेक्स की बेंचमार्क सूची का भी एक हिस्सा है। भारत सरकार, कंपनी में 57.35% की इक्विटी के साथ प्रमुख शेयरधारी है। शेयरधारक पद्धति के लिए वित्त वर्ष 2010–11 की हमारी वार्षिक रिपोर्ट के हमारे निगमित नियंत्रण के पृष्ठ 51 का संदर्भ लें।

गेल में नेतृत्व

निदेशक मंडल हमारी निगमित नियंत्रण और कंपनी के समग्र कार्य निष्पादन की निगरानी करता है। उनकी तार्किक निर्णय शक्ति और योग्य नेतृत्व का हमारी सफलता में प्रमुख योगदान रहा है। 31 मार्च 2011 को निदेशक मंडल में 14 निदेशक थे जिनमें छह पूर्णकालिक निदेशक, एक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित, भारत सरकार द्वारा नामित किए गए दो अंशकालिक निदेशक और छह अंशकालिक स्वतंत्र निदेशक हैं।
हमारा निदेशक मंडल की विभिन्न उप समितियों के जरिए कंपनी की रणनीति और विशिष्ट कार्यकलापों का संचालन करता है। ये समितियां, व्यावहारिक निर्णयों को गति देने के अलावा कंपनी के सतत् कार्य निष्पादन के प्रशासन में बोर्ड की सहायता भी करती हैं। स्थायित्व पर कड़ा ध्यान सुनिश्चित करने के लिए हमने स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण कर्मचारी अनुशासन तथा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहित स्थायित्व के विभिन्न पहलुओं की जांच करने हेतु समितियों का गठन किया है।

[4]हमारी वार्षिक रिपोर्ट में प्रत्येक बोर्ड समिति के कार्य और जिम्मेवारियों का ब्यौरा दिया गया है। कृपया हमारी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट देखने के लिए निम्नलिखित लिंक पर जाएं – http://gailonline.com/final_site/pdf/GAIL_AR_2010_11.pdf

निदेशक (मानव संसाधन)
- मानव संसाधन
- एचआरडी
- प्रशिक्षण
- सीएमआर
- विधि
- सुरक्षा
- आरटीआई
- समन्वयन

निदेशक (परियोजना)
- परियोजना
  - पाइपलाइन
  - पेट्रोकेमिकल संयंत्र
- ओ एवं एम
  - एनजीएमसी एवं
  - पाइपलाइन नेटवर्क
  - गैस प्रोसेसिंग यूनिट
  - पेट्रोकेमिकल संयंत्र पाता
- गेल टेल एवं टेलीमीटरिंग
- संविदा एवं प्रापण
- व्यवसाय सूचना प्रणाली
- निगमित मामले

निदेशक मंडल की संरचना

कार्यात्मक निदेशक	सरकारी नामित निदेशक	स्वतंत्र निदेशक
• बी.सी. त्रिपाठी	• सुधीर भार्गव	• प्रो. ए.क्यू कंट्रेक्टर
• आर.डी. गोयल	• अपूर्व चंद्रा	• महेश शाह
• एस.एल. रैना		• आर.एम. सेठी
• प्रभात सिंह		• डा. विनयशील गौतम
• एस. वेंकटरमन		• अरूण अग्रवाल
• पी.के. जैन		

कार्यात्मक ढांचा

बोर्ड की उप–समिति

01 लेखा–परीक्षा समिति
प्रो. ए.क्यू. कंट्रेक्टर (अध्यक्ष) – महेश शाह – अरुण अग्रवाल

02 व्यवसाय विकास और विपणन समिति
आर.एम. सेठी (अध्यक्ष) – प्रभात सिंह – एस. वेंकटरमन
पी.के. जैन – अपूर्व चंद्र – अरुण अग्रवाल

03 निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति
बी.सी. त्रिपाठी (अध्यक्ष) – एस.एल. रैना – अपूर्व चंद्र
प्रो. ए.क्यू. कंट्रेक्टर

04 कर्मचारी अनुशासन समिति
बी.सी. त्रिपाठी (अध्यक्ष) – आर.डी. गोयल – एस.एल. रैना
डा. विनयशील गौतम

05 शक्ति संपन्न सीएंडपी समिति
बी.सी. त्रिपाठी (अध्यक्ष) – आर.डी. गोयल – एस.एल. रैना
प्रभात सिंह – एस. वेंकटरमन – पी.के. जैन

06 नीति–शास्त्र समिति
महेश शाह – प्रो. ए.क्यू. कंट्रेक्टर (अध्यक्ष) – अरुण अग्रवाल

07 मानव संसाधन समिति
बी.सी. त्रिपाठी (अध्यक्ष) – आर.डी. गोयल – अरुण अग्रवाल
एस.एल. रैना – प्रभात सिंह – एस. वेंकटरमन – पी.के. जैन
महेश शाह – डॉ. विनयशील गौतम

08 एचएसई समिति
प्रो. ए.क्यू. कंट्रेक्टर (अध्यक्ष) – आर.डी. गोयल – एस. वेंकटरमन

09 परियोजना मूल्यांकन समिति
बी.सी. त्रिपाठी (अध्यक्ष) – पी.के. जैन – अपूर्व चंद्र
डा. विनयशील गौतम – अरुण अग्रवाल

10 पारिश्रमिक समिति
आर.एम. सेठी (अध्यक्ष) – एस.एल. रैना – पी.के. जैन
प्रो. ए.क्यू. कंट्रेक्टर (अध्यक्ष) – अरुण अग्रवाल

11 शेयरधारक/निवेशकर्ता शिकायत समिति
महेश शाह (अध्यक्ष) – एस.एल. रैना – प्रभात सिंह

12 शेयर अंतरण समिति
कार्यपालक निदेशक (वित्त)/वित्त प्रमुख
कंपनी सचिव/वरिष्ठतम अधिकारी सरकारी कंपनी सचिवालय

13 शेयरधारक शिकायत निवारण समिति
प्रो. ए.क्यू. कंट्रेक्टर (अध्यक्ष) – पी.के. जैन

हमारे प्रचालन का नियंत्रण

गेल में जोखिम प्रबंधन

गेल में जोखिम प्रबंधन, बोर्ड स्तर से लेकर व्यैक्तिक जोखिम, अधिकारियों की जवाबदेही और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से परिभाषित की गई है। लेखा–परीक्षा समिति, निगमित स्तर और कार्य स्थल स्तर की जोखिम मार्गदर्शन समितियां जोखिम प्रबंधन कार्यकलापों की समीक्षा करने में मदद करती हैं जिनका निष्पादन जोखिम स्वामियों द्वारा स्थल और निगमित स्तर पर किया जाता है। वर्षों से हमारी जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया ने जोखिम को आंकने, कम करने, और जागरुकता पैदा करने से नवीनतम तरीके तैयार करने में मदद की है। इस वर्ष, हमने गेल के लिए निगमित और स्थल स्तर की निगरानी किए जाने वाले सात प्रमुख कारोबारी जोखिमों की पहचान की है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैः

- अतिरिक्त स्रोत व्यवस्था के अभाव में प्राकृतिक गैस/आरएलएनजी (रि–गैसीफाइड तरल प्राकृतिक गैस) के मौजूदा स्रोत का प्रयोग करना और मौजूदा पॉलीमर उत्पादन क्षमता के विस्तार से बढ़ती गैस आवश्यकता को पूरा करना।
- गैस कम आपूर्ति से प्रभावित परिवहन कारोबार का विकास और निजी कंपनियों द्वारा स्वयं के स्वामित्व वाली घरेलू गैस पाइपलाइनें बिछाना।
- विनियमन के कारण बाजार में नई कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा।
- सीमित उत्पाद रेंज जिसके परिणामस्वरूप बाजार अंश के बारे में आशंका मिलती है।
- एमएफओ, सी4 मिक्स, पॉलीप्रापिलीन जैसे उप–उत्पादों के लिए भंडारण स्थान की कमी जिसके कारण संयंत्र कम लोड पर चलता है।
- गैर–अनुपालन की पहचान करना और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई की ओर ध्यान दिलाने के लिए अनुपालन मामलों संबंधी नियंत्रण प्रणाली में सुधार करना।
- परिभाषित जोखिम सहनशीलता क्षमता के साथ प्रचालनों और निष्पादन के मानक निर्धारित करके भारत और विदेश में अन्वेषण एवं उत्पादन ईएण्डपी परियाजनाएं लगाने के लिए निर्णयों में एकरूपता लाना।

अपने निष्पादन को स्थायी बनाना

निदेशक मण्डल सीएसआर, कर्मचारी अनुशासन, स्वास्थ्य, सुरक्षा व पर्यावरण जैसे लगातार ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों के लिए समर्पित उप–समितियों के माध्यम से अपने त्रि–आयामी बुनियादी निष्पादन की निगरानी करता है। ये समितियां वार्षिक योजनाएं तैयार करने, शुरू की जाने वाली पहलों का अनुमोदन एवं निर्धारण करने तथा निगमित कार्यालय की प्रत्येक इकाई के निष्पादन की निगरानी एवं समीक्षा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं। हमारी सभी इकाइयों को अपने एचएसई और सीएसआर निष्पादन की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से हर महीने भेजनी होती हैं। इन प्रगति रिपोर्टों की बोर्ड के साथ–साथ समिति के सदस्यों द्वारा तुलनात्मक जांच, समीक्षा और विचार–विमर्श किया जाता है। हमने अपनी सभी इकाइयों में अपनी समस्त प्रक्रियाओं, कार्यकलापों, उत्पादों व सेवाओं के लिए आईएसओ 9001:2008, आईएसओ 14001:2004, और ओएचएसएएस 18001:2007 की क्रमबद्ध आवश्यकताओं के आधार पर एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) की रूपरेखा तैयार की है। ये प्रणालियां हमें अपने निष्पादन का प्रभावी ढंग से नियंत्रण व प्रबंधन करने में मदद करती हैं।

गेल की वार्षिक आम बैठक में सीएमडी और निदेशक मंडल

सक्रिय सतर्कता द्वारा आचार–नीति व पारदर्शिता लागू करना

हमने अपने सभी प्रचालनों में नीतिगत आचरण को बनाए रखने के कड़े उपाय किए हैं, भले ही वे ठेकेदार के कार्य–निष्पादन से संबंधित हों या कर्मचारी के आचरण से। भारत सरकार की कड़ी सतर्कता पद्धतियों के आधार पर हमने ऐसी प्रणालियां व नीतियां विकसित की हैं जो गेल के सभी प्रचालनों में आचार–नीति व पारदर्शिता के उच्च मानदण्डों को प्रोत्साहित और सुनिश्चित करती हैं। हमारी 'आचार संहिता' में निदेशक मंडल के सदस्यों सहित सभी कर्मचारियों के लिए सख्त हिदायतें दी हैं जिससे वे गेल में अपने कार्यकाल के दौरान सभी स्तरों पर जिम्मेदारी से काम करें।

हम मूल्य संवेदी सूचना की गोपनीयता को बनाए रखने व अन्य व्यक्ति द्वारा ऐसी सूचना का दुरुपयोग रोकने के लिए प्रयासरत रहते हैं। हम सभी भागीदारों से लेनदेन करने में पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने तथा सभी कानूनों व विनियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गेल के प्रत्येक कर्मचारी का यह नैतिक दायित्व है कि वह संवेदनशील सूचना की गोपनीयता को बनाए रखे और यह भी सुनिश्चित करे कि उसके पद या गेल के बारे में उसकी जानकारी का इस्तेमाल कोई व्यक्तिगत लाभ उठाने या किसी अन्य पक्ष को लाभ पहुंचाने के लिए न किया जाए। इसके लिए हमने आंतरिक कारोबार को रोकने के लिए एक आचार संहिता बनाई है जिससे यह जिम्मेदारी व जवाबदेही हमारे सभी लेनदेनों पर लागू होती है।

हमने निदेशक मण्डल के अंतर्गत एक आचार–नीति समिति का गठन किया है ताकि हमारी शासन पद्धतियों के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में आचार–नीति व पारदर्शिता की भावना पैदा करने पर और अधिक बल दिया जा सके। इस समिति के अध्यक्ष एक स्वतन्त्र निदेशक हैं जो इसका स्वतन्त्र व प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हैं। 'सूचीकरण करार' के खण्ड 49 की और हमारी 'आचार संहिता' की मूल भावना को बनाए रखते हुए आचार–नीति समिति परस्पर हित विवाद, निष्पक्ष प्रचालन, निष्ठा, जवाबदेही, सूचना देने में पारदर्शिता बरतने, अनुपालन, योग्यता, तथा गोपनीयता के संबंध में प्रक्रियाओं और निष्पादन की समीक्षा करती है। हमने कारोबारी आचार–नीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और बढ़ाने के लिए अपने आंतरिक लेखा–परीक्षा विभाग के लिए एक कड़ी आचार–नीति संहिता बनाई है। हमने अपने भागीदारियों द्वारा सतर्कता से संबंधित की गई शिकायतों से निपटने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने हेतु अपनी निगमित वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत पंजीकरण प्रणाली चालू की है।

गेल में हमने विक्रेता बिलों पर कार्रवाई करने में सुधार करने, भुगतान की स्थिति का पता लगाने के लिए विक्रेताओं को और अधिक पारदर्शिता प्रदान करने, और स्थापित प्रणाली की स्वतंत्र प्रकृति के माध्यम से विश्वास बढ़ाने के लिए बिल निगरानी प्रणाली (बीडब्ल्यूएस) लागू की है। इसी प्रकार, हमने गेल में फाइलों के संचलन पर निगरानी रखने के लिए अपनी फाइल प्रबंधन प्रणाली में भी सुधार किया है।

हमारे प्रचालन का नियंत्रण

हम अपनी आंतरिक पत्रिका 'जागरूक' के माध्यम से सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देते हैं; जिसमें सक्रिय सतर्कता के संबंध में सूचना दी जाती है और अनेक सफल विषय संबंधी अध्ययनों का उल्लेख किया जाता है। इसे सक्रिय सतर्कता व आचार–नीति की आवश्यकता के लिए हमारे कर्मचारियों व प्रमुख विक्रेताओं की जागरूकता बढ़ाने के लिए उचित उपायों के द्वारा समर्थन दिया जाता है। इस वर्ष हमने 25 अक्तूबर से 1 नबम्बर, 2010 तक 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' भी मनाया। इस सप्ताह के दौरान सभी कार्य केंद्रों में बैनर व पोस्टर लगाए गए और प्रमुख स्थानों पर सेमिनार आयोजित किए गए। इसके अलावा, हमने गेल में सूचना का अधिकार अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने का भी प्रयास किया। इस संबंध में वर्ष के दौरान, हमने इस अधिनियम के मुख्य पहलुओं और कार्यान्वित किए जाने वाले क्षेत्रों के बारे में 200 कर्मचारियों को जानकारी देने के लिए 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए।

गेल एक ऐसा संगठन बनाना चाहता है जो भ्रष्टाचार से मुक्त हो और यह आचार–नीति के उच्च मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रयासरत हो। इस प्रयोजन के लिए हमने आचार–नीति को प्रोत्साहित करने और भ्रष्टाचार–मुक्त कारोबारी माहौल पैदा करने के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के परामर्श से 'सत्यनिष्ठा समझौता कार्यक्रम' को लागू करने के लिए 2007 में ट्रांसपेरेन्सी इन्टरनेशनल (टीआई) के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर अनिवार्य रूप से उच्च मूल्य वाली सविदाएं प्राप्त करने वाले विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं द्वारा भी हस्ताक्षर किए जाते हैं। हम किसी बाहरी एजेंसी से लेखा–परीक्षा करवाने व 'निष्ठा समझौता कार्यक्रम' की प्रभावकारिता की सीधी व स्पष्ट समीक्षा करवाने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला उद्यम बन गए हैं। इससे हमें अपनी क्रय प्रक्रियाओं को आगे और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। गेल ने अपनी खरीद प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाने के लिए उच्च प्रतिष्ठा वाले स्वतन्त्र बाह्य मानीटर (आईईएम) नियुक्त किए हैं। आईईएम से विक्रेताओं के लिए पारदर्शी तरीका प्रदान करके संविदा व खरीद प्रक्रियाओं में हमारी सतर्कता सुदृढ़ होती है, जिससे विक्रेता अपने प्रश्न पूछ सकते हैं और उनका प्रभावी तरीके से समाधान करवा सकते हैं।

हालांकि हमने भ्रष्टाचार रोकने व अपने प्रचालनों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कड़े उपाय किए हैं, फिर भी वर्ष के दौरान भ्रष्टाचार के सात मामले प्रकाश में आए हैं। सतर्कता विभाग द्वारा की गई जांच के आधार पर आवश्यक कारवाई की गई है। चार मामलों में हमने साधारण दण्ड लगाया है जबकि शेष तीन मामले निपटान किए जाने के अलग–अलग चरणों में हैं। नए वर्ष में भी हम अपने सभी प्रचालनों में भ्रष्टाचार विरोधी उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए इसी तरह के उपाय करना जारी रखेंगे।

[5]ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशल एक गैर–सरकारी, गैर–दलीय, और लाभ अर्जित न करने वाला संगठन है जिसमें व्यावसायिक, सामाजिक, औद्योगिक या शैक्षणिक अनुभव रखने वाले नागरिक शामिल हैं जो पारदर्शी और नीतिगत शासन को प्रोत्साहित करने और भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए कार्य करते हैं।

सर्तकता जागरूकता सप्ताह (ऊपर बाएं) के अवसर पर जागरूक पत्रिका का लोकार्पण; विजयपुर में जागरूकता पद यात्रा; (नीचे बाएं) शपथ ग्रहण समारोह; (नीचे दाएं) जयपुर में जागरूकता पद यात्रा

अपने स्टेकधारकों का विश्वासवर्धन

"अपने सभी स्टेकधारकों के लिए मूल्य सृजन" हमेशा से हमारे विज़न का हिस्सा रहा है। हम दीर्घावधि मूल्य बनाए रखने और अपने कारोबार में भागीदारों का विश्वास बढ़ाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने में विश्वास करते हैं। हमारा सतत् विकास उन परस्पर क्रियाशील और संबंधों का परिणाम है जो हमने समय के साथ–साथ अपने भागीदारों के साथ स्थापित किए हैं।

अपने स्टेकधारकों का विश्वासवर्धन

हम अपने मुख्य स्टेकधारकों को हमारे कारोबार पर पड़ने वाले उनके प्रभाव तथा इसके बदले में उनके लिए सृजित किए गए मूल्यों को महत्व देते हैं। विभिन्न माध्यमों व कार्य प्रणालियों के माध्यम से उनके द्वारा पता लगाई गई समस्याएं हमारे कारोबार की गतिशीलता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। हमने इन समस्याओं का समाधान एवं निगरानी करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि इनका समयबद्ध व दक्ष तरीके से समाधान किया जाए, गेल में मुख्य विभागों की विशिष्ट भूमिकाएं व जिम्मेदारियां निर्धारित की हैं। हम भारत की कुछ उन गिनी–चुनी कंपनियों में से हैं जिन्होंने स्टेकधारक शिकायत निवारण समिति के जरिए सभी भागीदारों की शिकायतों को दूर करने के लिए एक केंद्रीय बोर्ड समिति का गठन किया है। इस समिति को भागीदारों द्वारा प्रस्तुत विवादों पर निर्णय लेने व उनका मैत्रीपूर्ण समाधान करने की शक्तियां दी गई हैं। समिति का गठन इस तरह से किया गया है कि इसकी कार्य प्रणाली में स्वतंत्रता रहे। हमारे स्टेकधारकों द्वारा समिति को सूचित किए गए विवाद या समस्याएं, यदि कोई हों, का समाधान हमारी 'निपटान सलाहकार समिति' द्वारा किया जाता है। निपटान सलाहकार समिति एक पक्ष के विचारों को दूसरे पक्ष को बताने, मुद्दों की पहचान करने, गलतफहमियां दूर करने, प्राथमिकताओं को स्पष्ट करने, समझौते वाले क्षेत्रों का पता लगाने तथा विवादों के समाधान के प्रयासों में विकल्प प्रस्तुत करने में सहायता करती है।

भारत सरकार तथा विनियामक प्राधिकरण

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई) होने की हैसियत से गेल अपने निष्पादन व कारोबार के उद्देश्य पूरे करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से भारत सरकार के प्रति जबावदेह है। सरकार हमारे वार्षिक कारोबारी उद्देश्य तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ये उद्देश्य स्पष्ट रूप से मंत्रालय के साथ समझौता–ज्ञापन के भाग के रूप में निर्धारित किए जाते हैं, जिनके बारे में प्रत्येक वित्तीय वर्ष की शुरुआत में परस्पर चर्चा की जाती है तथा सहमति बनाई जाती है। हम अपने अन्वेषण व उत्पादन कार्यकलापों के लिए हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) की भी सेवाएं लेते हैं, जो राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देते हैं। इसके अलावा, हम नियमित अंतराल पर मंत्रालय व अन्य सरकारी निकायों के साथ अपने वित्तीय निष्पादन, गैस आबंटन, गैस मूल्य–निर्धारण, ऊर्जा सुरक्षा, परियोजना आयोजन, सतर्कता मुद्दों, रक्षा व सुरक्षा, विस्तार व विस्तार योजनाओं के बारे में नियमित विचार–विमर्श भी करते हैं। इस वर्ष के दौरान हमने गैस उपयोग, प्राकृतिक गैस पूलिंग व विनिमय प्रणाली के संबंध में सरकार के साथ भी विचार–विमर्श किया था। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) हमारी पाइपलाइनों और शहर गैस वितरण के बुनियादी ढांचे की विकास योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका एक अनिवार्य दायित्व निकायों में उचित व्यापार और प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करके ग्राहकों के हितों की रक्षा करना तथा साथ ही देश में प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम व पेट्रोलियम उत्पादों की निरंतर और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। हम प्राकृतिक गैस की प्रोसेसिंग, भण्डारण, परिवहन, वितरण, विपणन व बिक्री के संबंध में किसी भी विस्तार परियोजना के लिए अनुमोदन प्राप्त करने हेतु पीएनजीआरबी के मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन करते हैं। हम विधिक व विनियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए अनेक विनियामक प्राधिकरणों के साथ भी सक्रिय रूप से मिलकर कार्य करते है। सूचीकरण करार के अनुसार वार्षिक रिपोर्टें प्रस्तुत करने और सांविधिक फाइलिंग करने सहित अपनी विनियामक आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा हम भारतीय तेल व गैस उद्योग के लिए नीतियां/विनियम बनाने हेतु उनके साथ मिलकर कार्य करते हैं।

गेल की वार्षिक आम बैठक में सीएमडी और निदेशक मंडल

गेल मानव संसाधन की समीक्षा बैठक

शेयरधारक[6] और निवेशक

हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने कारोबारी महत्व के मुद्दों के बारे में अपने शेयरधारकों और निवेशकों की प्राथमिकताओं को समझें। इससे हमें अपने निवेशकों/शेयरधारकों के लिए अधिकतम मूल्य सृजित करने हेतु अपने निष्पादन को और अधिक बढ़ाने में मदद मिलती है। हम वार्षिक आम बैठकों, निवेशक बैठकों, आदि सहित विभिन्न मंचों पर अनेक कारोबारी मुद्दों के संबंध में अपने शेयरधारकों और निवेशकों के साथ बातचीत करते हैं। हम उनका विश्वास जीतने के लिए उनको अपने वित्तीय निष्पादन, कारोबारी दृष्टिकोण, और भावी कारोबार योजनाओं की जानकारी देते हैं तथा अपनी दीर्घकालिक और अल्पकालिक कारोबार कार्यनीति में उनके पक्ष को शामिल करते हैं।

ग्राहक

बाजार की बदलती मांगों और ग्राहक की विशिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उत्पाद विकसित करने की हमारी क्षमता, हमारे वर्तमान और भावी कारोबारी विकास के लिए महत्वपूर्ण होती है। हम बाजार के उतार–चढ़ाव की स्थिति का जायजा लेने और समयबद्ध तरीके से विशिष्ट समस्याओं व अपेक्षाओं के निपटान के लिए विविध प्रणालियों के जरिए अपने ग्राहकों के साथ बातचीत करते हैं। उनकी मुख्य समस्याएं हमारे उत्पादों की गुणवत्ता, उपलब्धता व मूल्य निर्धारण पर केन्द्रित होती हैं। हमने ग्राहकों की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए ग्राहक सुझाव योजनाएं व निवारण प्रणाली मॉड्यूल विकसित किया है। ग्राहक हमारी कार्पोरेट वेबसाइट पर इन माध्यमों का आसानी से इस्तेमाल कर सकता है। हमें अपनी ग्राहक सन्तुष्टि सर्वेक्षण से उनकी सन्तुष्टि के स्तर व उनकी मुख्य अपेक्षाओं का मूल्यांकन करने में सहायता मिलती है। हम ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए ग्राहक सम्मेलन व सम्मान समारोह आयोजित करते हैं। हमारी उत्पाद पुस्तिकाएं, रोड–शो और अभियान हमारी विज्ञापन व विपणन पहलों को सुदृढ़ बनाते हैं।

कर्मचारी

हमारे कर्मचारी हमारी सफलता में सर्वाधिक मूल्यवान संसाधन हैं और महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यह जरूरी है कि हम अपने कारोबार के लिए उचित प्रतिभावान कार्मिकों की भर्ती पर ध्यान दें और उन्हें सीखने व संगठन में आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त अवसर दें। शहरों व कस्बों से दूर स्थित कुछ कार्य स्थलों में हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमने अपने कल्याणकारी कार्यकलापों व आंतरिक संचार के जरिए अपने कर्मचारियों को आकर्षक माहौल उपलब्ध कराया है। हम अपने कर्मचारियों को पर्याप्त अवसर प्रदान करके उनके विकास के प्रति अपनी वचनबद्धता पूरी करते हैं जिससे वे अपना तकनीकी और व्यक्तिगत निजी कौशल बढ़ा सकें। अपने वार्षिक निष्पादन समीक्षा कार्यक्रम, कर्मचारी सुझाव योजनाओं, कर्मचारी भागीदारी सर्वेक्षणों तथा आंतरिक समीक्षा बैठकों से हमें अपने कर्मचारियों की मुख्य समस्याओं का पता लगाने व उनका समाधान करने में सहायता मिलती है। हम आंतरिक पत्रिकाओं, न्यूजलेटरों तथा इंट्रानेट सहित बातचीत के मौजूदा माध्यमों से इन उपायों को समर्थन देते हैं। हमने कर्मचारी सम्मान पुरस्कारों व स्कीमों के माध्यम से तथा उत्सवों व सांस्कृतिक समारोह आयोजित करके अपने कर्मचारियों के साथ अपने रिश्तों को बढ़ाने की भी पहल की है।

[6]'शेयरधारक' का अर्थ भारत सरकार के अलावा सभी शेयरधारकों से है।

अपने स्टेकधारकों का विश्वासवर्धन

आपूर्तिकर्ता/संविदाकार

हम अपने कारोबार के लिए अपने विक्रेताओं, ठेकेदारों तथा अन्य कारोबारी भागीदारों के महत्वपूर्ण उत्पादों व सेवाओं के माध्यम से अपने प्रचालनों में सहायता के लिए उन पर निर्भर हैं। इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें समय पर भुगतान करें और स्वास्थ्य व सुरक्षा, सक्रिय सतर्कता व सेवा की गुणवत्ता संबंधी गेल के कई मानकों से उन्हें परिचित कराएं तथा साथ ही उनके कारोबारी हितों की रक्षा भी करें। हम विक्रेताओं की मुख्य समस्याओं के समाधान हेतु विक्रेता सम्मेलन व नियमित कारोबारी समीक्षा बैठकें आयोजित करते हैं। सतर्कता को ध्यान में रखते हुए हम विक्रेताओं के साथ उनकी सेवाओं के पूरे कार्यकाल में अपनी कड़ी संविदा व खरीद प्रक्रियाओं तथा प्रत्येक वर्ष सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम के भाग के रूप में परस्पर वार्तालाप कार्यक्रम के माध्यम से मेलजोल बढ़ाते हैं। हम, ''बिल निगरानी प्रणाली'' के माध्यम से अपने संबंधों में पारदर्शिता व जवाबदेही लाकर और अधिक नियोजित तरीके से संविदा की प्रगति पर निगरानी रखते हैं।

समुदाय

हम अपने कार्यकेन्द्रों के आसपास रहने वाले समुदायों के विकास में सहायता करने व उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करते हैं। हमारे प्रचालनों के आसपास स्थानीय समुदायों की विकास संबंधी कुछ मुख्य समस्याओं में आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं, शिक्षा और आजीविका सृजन के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना शामिल है। हम स्थानीय समुदायों के साथ गांव के प्रधानों, स्थानीय स्व–शासनों के अध्यक्षों के साथ बैठकें करते हैं, तथा सामुदायिक दौरों के द्वारा उनकी आवश्यकताओं को समझते हैं और उनका समाधान करने के लिए उपयुक्त उपाय करते हैं। हमारे सीएसआर कार्यक्रम उनके साथ हमारा संबंध बढ़ाते हैं और उनकी विकास संबंधी समस्याओं का समाधान करते हैं। हमारे व्यापक पाइपलाइन नेटवर्क की रक्षा और सुरक्षा के संबंध में समुदायों के साथ हमारे संबंध महत्वपूर्ण हैं। हम उनके साथ बैठकें करके पाइपलाइन सुरक्षा, आपदा और आपात स्थिति से निपटने के प्रति जागरूकता पैदा करते हैं।

मीडिया

हमने मीडिया के साथ मुक्त और पारदर्शी संचार माध्यम स्थापित किए हैं, परिणामस्वरूप पारस्परिक लाभप्रद संबंध संबंध कायम हुए हैं। संचार माध्यम रणनीतियों को अपनाया गया है ताकि शेयरधारक मूल्य सृजित करने, उच्च गुणवत्ता वाले लोगों को आकर्षित करने, उन्हें बनाए रखने व प्रेरित करने, सभी लोगों की प्रतिष्ठा बढ़ाने, भागीदारों का प्रबंधन करने, सार्वजनिक नीति का समर्थन प्राप्त करने, उत्पाद व सेवाओं के लिए ग्राहक की पसंद का ध्यान रखने और कंपनी की वित्तीय स्थिति और कारोबारी संभावनाओं पर किसी भी संकट के प्रभाव को दूर करने के मुख्य कारोबारी उद्देश्यों के साथ तालमेल सुनिश्चित किया जा सके। तेल व गैस क्षेत्र के तेजी से बदलते परिवेश, जिससे तरह–तरह की चुनौतियां पेश आ रही है, हम अपने भागीदारों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करने तथा निवेशकों और संपूर्ण जन समुदाय के दिलों में ब्रांड के प्रति अधिक से अधिक स्वीकार्यता बनाए रखने के उपाय कर रहे हैं। नियोजित मीडिया/संचार कार्यनीति में मीडिया के साथ संतुलित बातचीत करना और ब्रांडिंग अवसरों जैसे कंपनी में विभिन्न घटनाक्रम के संबंध में मुख्यालय व कार्यकेन्द्रों में प्रेस सम्मेलन, मीडिया के साथ औपचारिक व अनौपचारिक बातचीत, प्रिंट, वायर व इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथ विशेष साक्षात्कार, प्रेस रिलीज, कार्यक्रम प्रायोजित करना, उद्योग प्रदर्शनियों में भागीदारी करना, आदि शामिल हैं।

प्रेस सम्मेलन में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएमडी

भौतिकता

गेल की केन्द्रित और व्यापक स्थायित्व नीति बनाने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दों का पता लगाना अनिवार्य है। इसके लिए हमने कंपनी और इसके भागीदारों के लिए सामग्री के स्थायित्व से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों का पता लगाने के लिए कंपनी में एक सुदृढ़ प्रक्रिया स्थापित की है। इसका उद्देश्य स्थायित्व के मुद्दों पर विचार–विमर्श करना था, जो हमें प्रभावित करते हैं और जिनसे भविष्य में हमारा विकास तय होगा। हमारा उद्देश्य आने वाले वर्षों में प्रक्रिया को और अधिक परिष्कृत करना तथा मुख्य स्थायित्व क्षेत्रों, जो हमारे व हमारे भागीदारों के लिए महत्वपूर्ण है, के आधार पर संपूर्ण रणनीति विकसित करना है।

हमारी भौतिकता

हम आगामी वर्षों में सामग्री संबंधी मामलों के निर्धारण की प्रक्रिया को और अधिक संशोधित तथा मूल स्थायित्व वाले क्षेत्र जो हमारे तथा स्टेकधारकों के लिए महत्वपूर्ण हैं, के आधार पर समग्र नीति विकसित करना चाहते हैं।

हमने सामग्री संबंधी मामलों को परिभाषित करने के लिए दो चरणीय दृष्टिकोण अपनाया है जिसमें हमारी सभी प्रमुख इकाइयों (हमारे निगमित कार्यालय सहित) में मुख्य प्रबंधन कार्मिकों के विचारों को शामिल किया गया है तथा साथ ही इसमें वैश्विक तेल व गैस उद्योग के लिए विशिष्ट चुनौतियों की समीक्षा की है। इन विचारों से तैयार समूचे डोजियर की शीर्ष प्रबंधन द्वारा जांच व समीक्षा की गई है ताकि छः सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान किया जा सके। हालांकि प्रबंधन के दृष्टिकोण ने विशिष्ट स्थानीय स्थायित्व मुद्दों के साथ–साथ कारोबारी मुद्दों का पता लगाने में मदद की थी, फिर भी क्षेत्रीय चुनौतियों की समीक्षा ने तेल और गैस के क्षेत्र में वैश्विक रुझानों के अनुरूप प्रक्रिया में संतुलन उपलब्ध कराया।

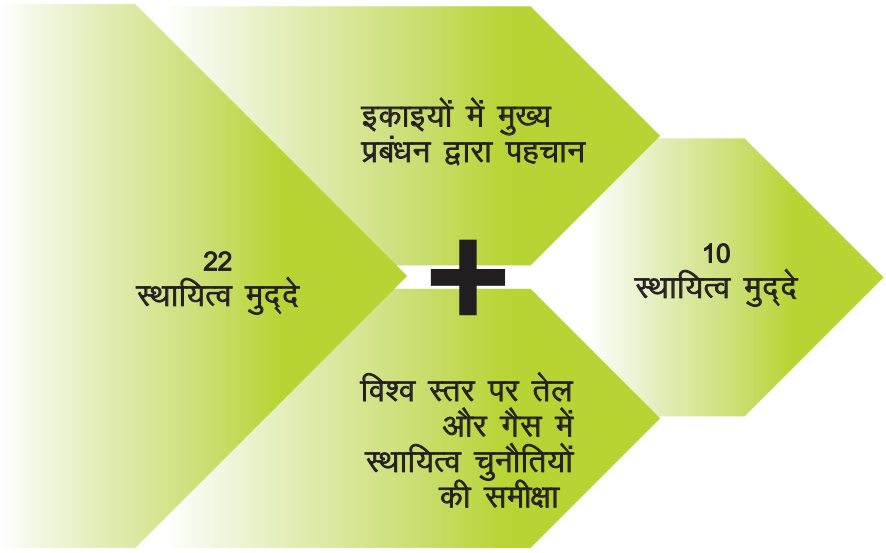

गैस स्रोत

भारत एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और तीव्रता से आगे बढ़ने के लिए ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। ऊर्जा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के पर्यावरणीय व आर्थिक लाभों के कारण प्राकृतिक गैस का महत्व पिछले कुछ वर्षों में काफी अधिक बढ़ गया है। भारत की राष्ट्रीय गैस कंपनी होने की हैसियत से, देश में गैस की लगातार बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गैस आपूर्तियां सुनिश्चित करना गेल के लिए काफी महत्व रखता है। हम भारत में और विश्व में अन्वेषण व उत्पादन के क्षेत्र में अपने निवेश को महत्वपूर्ण ढंग से बढ़ा रहे हैं। अपने कारोबार के लिए गैस की सतत् व लगातार आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हम धीरे–धीरे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में एलएनजी व प्राकृतिक गैस व्यापार में भी अपने कदम बढ़ा रहे हैं।

कारोबार में विकास

भारत के तेल और गैस क्षेत्र में सुधार लाने से बाजार को घरेलू और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए खोल दिया गया था जिससे प्रतिस्पर्धा बढ गई है। इससे हमारे प्रचालन संबंधी मुनाफे पर भी

अपतट अन्वेषण और उत्पादन कार्यकलाप

हमारे गैस पाइपलाइन आधारभूत ढांचे का विस्तार

निर्धारण प्रक्रिया

पर भी दवाब बढ़ा है और अपनी उच्च मूल्य की परिसम्पतियों व गैस के बुनियादी ढांचे में पूंजी लगाए जाने के कारण हमारे समक्ष चुनौतियों और कड़ी हो गई हैं। इन परिस्थितियों से हम अपने कारोबारी विकास को बढ़ाने के लिए नए माध्यमों की तलाश करने पर मजबूर हो गए हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान, हमने अपनी प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला को और अधिक एकीकृत बनाकर तथा नए उन्नत पेट्रोकेमिकल उत्पाद विकसित करके बाजार में अपनी पैठ बढ़ाई है। मौजूदा 2007–2012 की नीतिगत योजना के अनुसार नई परियोजनाओं व पहलों का कार्यान्वयन परिकल्पना के अनुसार चल रहा है। इसके अलावा, हम अपने दीर्घावधि विकास में तेजी लाने और पारंपरिक कारोबारी अवसरों और संबद्ध चुनौतियों के आगे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए 2020 की रणनीति बना रहे हैं।

कुशल जनशक्ति की उपलब्धता

हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में नए प्रौद्योगिकीय घटनाक्रम और कम्पनी में अभूतपूर्व विस्तार को देखते हुए इस बात की हमेशा आवश्यकता रहती है कि योग्य कार्मिकों की भर्ती की जाए जो ज्ञान, कौशल, मनोवृत्ति और उच्च विशेषज्ञता वाले कार्यों की व्यावहारिक जानकारी रखते हों। इस प्रकार, यह अनिवार्य है कि हम अपने विकास में वृद्धि करने के लिए उचित प्रतिभाशाली कार्मिकों की भर्ती करें और उनके समग्र विकास के लिए उन्हें उचित जानकारी और अवसर दें। इस दिशा में हमारे प्रयास भारत के चुनिंदा सर्वोत्तम शैक्षिक संस्थानों से कार्मिकों की भर्त्ती करने पर केन्द्रित हैं। हम देशभर में प्रतिभावान व्यक्तियों को पर्याप्त और पारदर्शी अवसर देने के लिए कड़ी अखिल भारतीय प्रतियोगिता भी आयोजित करते हैं और उन्हें जीटीआई (गेल प्रशिक्षण केन्द्र) की सहायता से अपने उच्च स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण देते हैं। हमारे अधिकांश प्रचालन दूर–दराज के इलाकों में प्रमाणित होते हैं जहां जीवन की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना एक समस्या होती है। अपने कर्मचारियों को कंपनी में बनाए रखने व उनमें संतुष्टि का भाव पैदा करने के लिए हमने पर्याप्त बुनियादी ढांचा और कल्याणकारी कार्यकलाप बनाने की दिशा में लगातार निवेश किया है।

ग्राहक संतुष्टि

भारत में अपने विकास और बाजार शेयर को कायम रखने के लिए ग्राहकों की अपेक्षाओं का ध्यान रखना अनिवार्य है।

गेल प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा में प्रशिक्षण सत्र

ग्राहकों और स्टॉकिस्टों के साथ चर्चा करते निदेशक (विपणन)

इस संबंध में यह जरूरी है कि हम अपने पाइपलाइन नेटवर्क को और अधिक कारगर बनाएं जिससे हम अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंच बना सकें, ग्राहकों को गैस की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित कर सकें और गैस की वांछित गुणवत्ता उपलब्ध कराएं जो उनकी आवश्यकता के अनुरूप हो। हमने अपनी पेट्रोकेमिकल विपणन प्रक्रिया में सशक्त ग्राहक संबंधी प्रबंधन दृष्टिकोण शामिल किया है। हमारे ग्राहकों की अपेक्षाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए गैस विपणन कारोबार में भी इसी तरह के उपाय दोहराए जा रहे हैं। हमने अपनी गैस प्रबंधन व मीटरिंग प्रणाली में नवीनतम प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया है। गेल हमेशा से गैस पूलिंग प्रणाली का अनुसरण करता आ रहा है। वर्ष के दौरान, हमने ग्राहकों के साथ संबंध कायम करके अपने प्रयास सुदृढ़ किए है और ग्राहक संबंधी पोर्टलों, संतुष्टि सर्वेक्षणों तथा भागीदारी के अन्य तरीकों के माध्यम से ग्राहकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया है।

संरक्षा और सुरक्षा

इस क्षेत्र और कारोबार की प्रकृति से स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम साथ–साथ रहते हैं। परिणामस्वरूप, स्वास्थ्य व सुरक्षा के प्रति हमारे दृष्टिकोण का लक्ष्य आम जनता, कर्मचारियों, संयंत्रों, परिसम्पत्तियों और उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। निदेशक मंडल की प्रत्येक बैठक में सभी प्रचालनों में एचएसई निष्पादन की समीक्षा की जाती है। एचएसई मुद्दों पर केन्द्रित दृष्टिकोण रखने के लिए हमने निदेशक मंडल स्तर पर निदेशकों की एक अलग एचएसई उप–समिति का गठन किया है ताकि हमारे निष्पादन तथा प्रचालनों की आपातकालीन तैयारी पर निगरानी रखी जा सके। स्वास्थ्य के प्रति हमारे विस्तृत दृष्टिकोण से, हमें हमारे प्रचालन के क्षेत्रों में पूर्व विद्यमान बीमारियों से उत्पन्न स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों व स्वास्थ्य जोखिमों से निपटने के लिए समुदायों के साथ मिलकर काम करने में मदद मिली है।

हमारे लिए जनता और सम्पत्तियों की सुरक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण महत्व रखती है। बढ़ती भू–राजनीतिक अस्थिरता के कारण किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना से निपटने व उसका प्रबंधन करने के लिए हमने कड़े सुरक्षा उपाय किए हैं। हमने प्रचालनों को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित सुरक्षा स्टाफ की सेवाएं भी ली हैं।

जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन को अब व्यापक रूप से स्वीकार कर लिया गया है, जिसकी गंभीरता को सरकारें और व्यापारिक प्रतिष्ठान दोनों ही भली–भांति समझते हैं। एक ऊर्जा कम्पनी होने के नाते हमारे कारोबार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम जलवायु परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं से उत्पन्न जोखिमों व अवसरों पर ध्यान दें। उत्सर्जन में कमी करने के कानूनी रूप से बाध्य लक्ष्यों को स्वीकार करने से जलवायु परिवर्तन से संबंधित भावी कानूनों से ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने और अक्षय ऊर्जा का सीमित इस्तेमाल से हमारे प्रचालनों के सामने चुनौतियां आएगी। इससे सबसे बड़ी बात यह होगी कि हमारा ध्यान ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की ओर होगा जिससे आने वाले वर्षों में पवन और सौर ऊर्जा क्षेत्रों का विकास होगा। नई पवन ऊर्जा इकाइयां स्थापित करने की हमारी योजना और जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन (जेएनएनएसएम) में हमारी सक्रिय भागीदारी से हम अपने सीमित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने व अक्षय स्रोतों से ऊर्जा की वाणिज्यिक बिक्री करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा, ग्राहक उत्सर्जन कम करने की अपनी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए स्वच्छ ईंधन का इस्तेमाल करना चाहता है, अतः हमें उम्मीद है कि इससे प्राकृतिक गैस की मांग बढ़ेगी, और हमें महत्वपूर्ण कारोबार अवसर उपलब्ध होगा।

अग्निशमन प्रशिक्षण

सौर फोटोवोल्टिक सेल्स का इस्तेमाल करते हुए

हमारी निगमित नीति

यद्यपि हम राष्ट्र के हित में प्राकृतिक गैस के प्रभावी, किफायती व दक्ष इस्तेमाल को बढ़ाने और इसे इष्टतम बनाना जारी रखे हुए हैं, फिर भी हमारी भावी योजनाएं, सतत कारोबारी मॉडल, पर्यावरण और निकटवर्ती समुदायों की समस्याओं पर आधारित हैं। इस पृष्ठभूमि में हमने 2012 तक के अपने महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किए हैं और 2020 तक विकास के अगले चरण की दिशा तय करने के लिए अपनी अपेक्षाएं और महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं व्यक्त करने के लिए 'नव तरंग' नामक परियोजना शुरू की है।

हमारी निगमित नीति

हमने सतत, लाभकारी और निरंतर विकास प्राप्त करने के लिए अपनी कारोबारी कार्यनीति को मूल आधार बनाया है। हमने प्रबंधन द्वारा सामूहिक विचार–विमर्श के बाद स्थायित्व सिद्धान्त को अपनाया है और स्थायित्व उत्पादों संबंधी मुख्य मुद्दों को प्राथमिकता दी है। गेल देश का स्थायी ऊर्जा भविष्य बनाने में मुख्य भूमिका निभाने के लिए वचनबद्ध है। प्राकृतिक गैस परिवहन के हमारे मूल कारोबार से हम ग्राहकों को अधिक स्वच्छ ईंधन सुलभ करवाने में कई अन्य ऊर्जा कम्पनियों से आगे हैं। यद्यपि हम राष्ट्र के लाभ के लिए प्राकृतिक गैस के प्रभावी, किफायती व दक्ष इस्तेमाल को बढ़ाने और इसे इष्टतम बनाना जारी रखे हुए हैं, फिर भी हमारी भावी योजनाएं, सतत कारोबारी मॉडल, पर्यावरण और निकटवर्ती समुदायों की समस्याओं पर आधारित हैं। इस पृष्ठभूमि में हमने 2012 तक के अपने महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किए हैं और 2020 तक विकास के अगले चरण की दिशा तय करने के लिए अपनी अपेक्षाएं और महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं व्यक्त करने के लिए 'नव तरंग' (नेक्स्ट वेव) नामक परियोजना शुरू की है।

हमने अपने आर्थिक, पर्यावरणीय व सामाजिक निष्पादन में सुधार पर ध्यान केन्द्रित करते हुए अपने स्थायित्व का सफर शुरू किया है। इस बात पर भी बल दिया जा रहा है कि स्थायी निष्पादन के लिए एक सशक्त प्रबंधन प्रणाली स्थापित की जाए। अपनाई गई प्रणालियों ने हमें अपनी स्थायी कार्यसूची पर ध्यान देने और मार्गदर्शन के लिए दिशा तय करने में मदद मिली है। हमने मूल पद्धति स्थापित की है और जोखिमों को दूर करने की आवश्यकता से प्रेरित होकर पर्यावरण और सामाजिक जोखिम मूल्यांकन शुरू करके सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है। इस दृष्टिकोण से हमें ध्यान दिए जाने वाले मुख्य क्षेत्रों जैसे गैस स्रोत, कारोबार विकास, कुशल जनशक्ति उपलब्धता, ग्राहक संतुष्टि, बचाव एवं सुरक्षा तथा जलवायु परिवर्तन का पता लगाने में सहायता मिली है। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि प्राकृतिक उत्पादों में निरन्तरता हमारी समग्र कारोबारी कार्यनीति का एक मुख्य भाग है और इससे हमारे मुख्य स्टेकधारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं की स्पष्ट समझ का संकेत मिलता है।

हमारी निगमित कार्यनीति को हमारी परिकल्पना व मिशन से दिशा मिलती है और ये कारोबार के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विस्तृत योजना निर्धारित करने में मदद करते हैं। हमारे अल्प व दीर्घकालिक उद्देश्यों और सम्बद्ध कार्य–योजनाओं में ऊर्जा क्षेत्र में कारोबार में सबसे आगे रहने पर ध्यान केन्द्रित किया है। हमने 2007–12 की कार्यनीति योजना में कारोबार की वर्तमान प्राथमिकताओं की पहचान की है और भारत के बाहर हमारी उपस्थिति दर्ज करने के लिए इसके विभिन्न कार्य बिंदुओं का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन कर रहे हैं। हमारी वर्तमान कार्यनीति में स्वच्छ व वहनीय ऊर्जा स्रोत, प्राकृतिक गैस को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सम्पूर्ण भारतीय जनसंख्या को सुलभ करवाने के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार पर प्रमुख बल दिया गया है। आर्थिक वृद्धि, सामाजिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाकर हम प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों की जगह सीएनजी का इस्तेमाल करने तथा पीएनजी को घरेलू और वाणिज्यिक ग्राहकों को उनके द्वार पर उपलब्ध करवाने के अपने खुदरा कारोबार को अधिक से अधिक शहरों व कस्बों तक पहुंचाना चाहते हैं।

आगे बढ़ते हुए हम यह चाहते हैं कि इस दशक में हमारी टॉपलाइन लगभग 16 प्रतिशत की दर से बढे। इसे हासिल करने के लिए हम 2020 तक हाइड्रोकार्बन मूल्य श्रृंखला के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम व डाउनस्ट्रीम में विकास के मुख्य क्षेत्रों व पहलों का पता लगाने के लिए ''नव तरंग'' (नेक्स्ट वेव) नामक परियोजना पर काम कर रहे हैं। इसमें कार्बन फुटप्रिंट कम करने और सतत विकास प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इसके लिए हम देश में प्राकृतिक गैस को अधिक मात्रा में लाने के लिए अन्य देशों से प्रापण व अधिग्रहण के अलावा अक्षय कारोबार (सौर, पवन आदि) के अपने पोर्टफोलियो को और सुदृढ़ करने के विकल्प की तलाश करेंगे। इन पहलों का पता लगाकर और इन पर कार्रवाई करके हमने समग्र ऊर्जा क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का संकल्प लिया है। हमारा प्रयास अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से संसाधन मूल्य को अधिकतम करना, प्रचालन के प्रत्येक स्तर पर ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए प्रयास करना और इस क्षेत्र में लगातार सर्वोत्तम निष्पादन प्रदान करना है। दीर्घावधि संसाधन की आवश्यकताओं और कर्मचारियों का विकास करने और उन्हें प्रशिक्षित करने की कार्यनीतियों को समझना, सतत कारोबार उद्यम का निर्माण करने के लिए ध्यान दिया जाने वाला एक अन्य क्षेत्र है। हमारा प्रयास ठोस पहलों और हस्तक्षेपों के माध्यम से समुदायों का स्थायी विकास करना है और अपने उद्यम को स्थिरता के उच्चतम मानक तक पहुंचाना है।

रत्नागिरी, महाराष्ट्र में आरजीपीपीएल का एलएनजी टर्मिनल और गैस आधारित विद्युत संयंत्र

स्थायी आर्थिक मूल्य का निरंतर सृजन

लाभप्रदता में वृद्धि से हम परियोजनाओं में निवेश कर पाए हैं तथा हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाकर, आंतरिक अर्थव्यवस्था विकसित करके कंपनी के पर्यावरणीय फुटप्रिंट के प्रबंधन से अपने कारोबार को बनाए रखने की दिशा में अपनी जिम्मेदारी पूरी कर पाए हैं।

आर्थिक मूल्य का निरंतर सृजन

पिछले पांच वर्षों में ऊर्जा और विशेषकर प्राकृतिक गैस के लिए घरेलू ईंधन की बढ़ती मांग, इसकी खपत में 13.5 प्रतिशत का प्रभावी सीएजीआर देखने में आया है, जिससे यह हमारे देश में इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे अहम ईंधन बन गया है। वर्तमान ऊर्जा बाजार परिदृश्य व ठोस घरेलू मांग से ऐसी उम्मीद है कि प्राकृतिक गैस की मांग 2011 में 154 एमएमएससीएमडी से चार गुना बढ़कर 2030 में 600 एमएमएससीएमडी हो जाएगी। प्राकृतिक गैस के साथ–साथ पेट्रोकेमिकल के कारोबार में भी हम बहुत आगे हैं। वर्ष के दौरान, हमारे पेट्रोकेमिकल कारोबार के कारोबार में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हमारे पाता संयंत्र ने इथिलीन क्षमता बढ़ाने के लिए गैस क्रैकर में अतिरिक्त फर्नेस को सफलतापूर्वक चालू किया है। हम अपनी सहायक कंपनी व संयुक्त उद्यम कम्पनी के माध्यम से क्रमशः असम में 280,000 टीपीए पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स तथा दहेज में 1.1 एमएमटीपीए पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स भी स्थापित कर रहे हैं। इसके अलावा, गैस क्रैकर यूनिट के 450,000 टीपीए व डाउनस्ट्रीम पालीमर यूनिट के 400,000 टीपीए की स्थापना करके पाता संयत्र की क्षमता को दो गुना किया जा रहा है। अपने पेट्रोकेमिकल प्रचालनों के विस्तार की योजना से हमारा निकट भविष्य में इस क्षेत्र में और अधिक कारोबार बढ़ने की उम्मीद है।

ऑनलाइन वापसी नीलामी से लागत में कटौती

अपनी क्रय प्रक्रियाओं में स्पष्टता व पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से हमने वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान उच्च मूल्य की खरीद के लिए वापसी नीलामी के जरिए खरीद शुरू की थी। हमने वापसी नीलामी के लिए एक पारदर्शी प्रक्रिया तैयार की है जिसे पहले स्टील मूल्यों में उतार–चढ़ाव की समस्या के कारण स्टील खरीद वाली निविदाओं पर लागू किया गया। वापसी नीलामी प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए पहली निविदा, पाइपलाइन परियोजना के लिए बेयर सीएस लाइन पाइप की खरीद हेतु आमंत्रित की गई थी जिससे भारतीय रुपयों में लगभग 400 मिलियन की बचत हुई।

विकास हेतु निवेश

लाभ में हुई अभूतपूर्व वृद्धि से हम परियोजनाओं में निवेश कर पाए हैं तथा हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाकर, आंतरिक अर्थव्यवस्था विकसित करके तथा कंपनी के पर्यावरणीय फुटप्रिंट का प्रबंधन करके अपने कारोबार को बनाए रखने की दिशा में अपनी जिम्मेदारी पूरी कर पाए हैं।

ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि

भारत ऊर्जा का पांचवा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और 2025 तक इसके तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता बन जाने की आशा है। स्वच्छ ईंधन की मांग में वृद्धि तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लिए हमने अपने प्रचालनों का व्यापक विस्तार किया है ताकि लगातार बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। इसे बढ़ाने के लिए हमारे प्रमुख विस्तारों व उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रगत्यधीन क्रॉस कन्ट्री गैस पाइपलाइन परियोजनाओं का विस्तार करना, जिससे समग्र भारत में हमारा प्रचालन बढ़ेगा और कुल पाइपलाइन नेटवर्क बढ़कर लगभग 14,500 किलोमीटर हो जाएगा।

[7]यह सांकेतिक निष्पादन तालिका है जो हमारे आर्थिक निष्पादन को दर्शाने वाले अनिवार्य घटक हैं। हमारे वित्तीय निष्पादन की पूर्ण समाप्ति के लिए कृपया वर्ष 2010–11 की हमारी वार्षिक रिपोर्ट लिंक देखें http://gailonline.com /final_site /pdf/GAIL_AR_2010_11.pdf

मानदण्ड[7]	वित्त वर्ष 08–09	वित्त वर्ष 09–10	वित्त वर्ष 10–11	पिछले वित्त वर्ष पर रुझान
कुल राजस्व	238,984	249,964	324,586	↑
प्रचालन लागत	276,544	208,891	204,040	↓
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	28,037	31,398	35,611	↑
कर्मचारियों को परिलब्धियां एवं हित लाभ	5,767	6,212	7,527	↑
पूंजी प्रदाताओं को भुगतान (लाभांश + ब्याज)	9,749	10,214	10,343	↑
सरकार को भुगतान (कर)	39,707	38,401	44,425	↑
ओएमसी को प्रदत्त सहायिकी	16,940	13,270	21,110	↑

- 81,400 मिलियन रुपए के निवेश से पार्टी में गैस आधारित पेट्रोकेमिकल संयंत्र की क्षमता को दो गुना करना।
- दीर्घकालिक गैस आपूर्ति प्राप्त करने के लिए भारत के बाहर दो और एक सीबीएम ब्लॉक सहित 27 ईएण्डपी ब्लॉकों में अपने भागीदारी हित सुनिश्चित करना।
- पेट्रोनेट एलएनजी व आरजीपीपीएल में इक्विटी भागीदारी के जरिए एलएनजी टर्मिनल में प्रवेश सुनिश्चित करना।
- दक्षिण पूर्व एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी में 4.17 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी प्राप्त करना, जो म्यांमार से चीन तक गैस पाइपलाइन परियोजना का निष्पादन कर रही है।
- विदेशी गैस आपूर्ति के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में एक प्रमुख पहल तुर्कमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान–भारत (टीएपीआई) प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना का विकास करना।
- गुजरात, कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों में 115 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना में निवेश।
- जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन के तहत भावी बोली में सक्रिय भागीदारी से सौर ऊर्जा में निवेश करना।
- ऊर्जा के नए स्रोतों जैसे हाइड्रोजन व लैण्डफिल गैस की तकनीकी व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू करना।

स्थानीय आजीविका का सृजन

हम स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं का विकास करने की आवश्यकता को समझते हैं। स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से हमारे प्रचालनों के लिए अनिवार्य स्थानीय माल की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित होती है और इससे पर्यावरण के लिए जोखिम भी कम होता है। इसके अलावा, इससे और अधिक रोजगार और आजीविका सृजित करके अधिक सशक्त स्थानीय समुदाय विकसित करने में भी योगदान मिलता है।

गेल द्वारा अल्प–वसूलियों को वहन करना

ऊर्जा मूल्यों में अत्यधिक उतार–चढ़ाव व मुद्रास्फीति से उपभोक्ता को बचाने के लिए भारत सरकार ग्राहकों को सहायिकी देकर इस चुनौती से सक्रिय रूप से निपट रही है। सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुरूप गेल घरों में प्रयोग होने वाली एलपीजी और केरोसिन पर हुई अल्प–वसूलियों के बोझ को वहन करने में सहायता कर रहा है और अपनी हिस्सेदारी दे रहा है। परिणामस्वरूप, हमने वित्तीय वर्ष 2010–11 में 21,110 मिलियन रुपए सहित 31 मार्च, 2011 तक 106,500 मिलियन रुपए की संचयी राशि में हिस्सेदारी की है।

स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से खरीद का अनुपात (%)

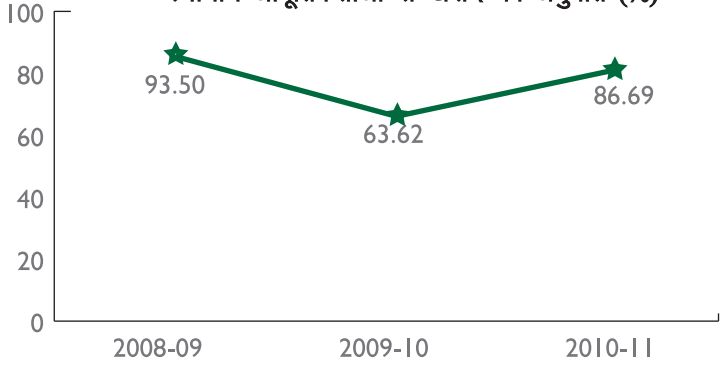

पाता, उत्तर प्रदेश में गेल के पेट्रोरसायन संयंत्र का एक दृश्य

आर्थिक मूल्य का निरंतर सृजन

पर्यावरण व सामाजिक कार्यों पर हमारे लाभ का व्यय

गेल के वार्षिक बजट का एक भाग हमारे सामुदायिक विकास कार्यक्रमों व पर्यावरण संरक्षण के लिए खर्च किया जाता है। इस वर्ष हमने समुदायों के लिए बुनियादी ढांचों का विकास करने और जनता को बेहतरीन सुविधा उपलब्ध कराने में सुधार करने के लिए 338.56 मिलियन रुपए का निवेश किया है। हमारे सीएसआर खर्चे में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने से हम अपने सीएसआर कार्यकलापों को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।

हमने सार्थक व सतत सीएसआर कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के माध्यम से अपना सीएसआर उद्देश्य प्राप्त करने के लिए गत वर्ष के कर पश्चात लाभ से अपने वार्षिक सीएसआर बजट को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत किया है। किसी वर्ष विशेष के किसी भी अप्रयुक्त सीएसआर बजट आबंटन को अगले वर्ष में ले जाया जा सकता है। इस वर्ष सीएसआर के लिए आबंटित बजट 695 मिलियन रुपए था जबकि 31 मार्च, 2011 की स्थिति के अनुसार सीएसआर व्यय पर 599 मिलियन रुपए खर्च किए गए।

हम विशेषकर अपने पर्यावरण फुटप्रिंट को कम करने व प्राकृतिक संसाधनों पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को दूर करने के लिए की गई कार्रवाइयों के संबंध में पर्यावरण की प्रबंधन पहलों पर अपने व्यय का आकलन और निगरानी करते हैं। वर्ष 2010–11 में हमने पर्यावरण संरक्षण पर कुल 42.94 मिलियन रुपए खर्च किए।

हमारा पर्यावरण प्रबंधन व्यय (मिलियन रुपए में)

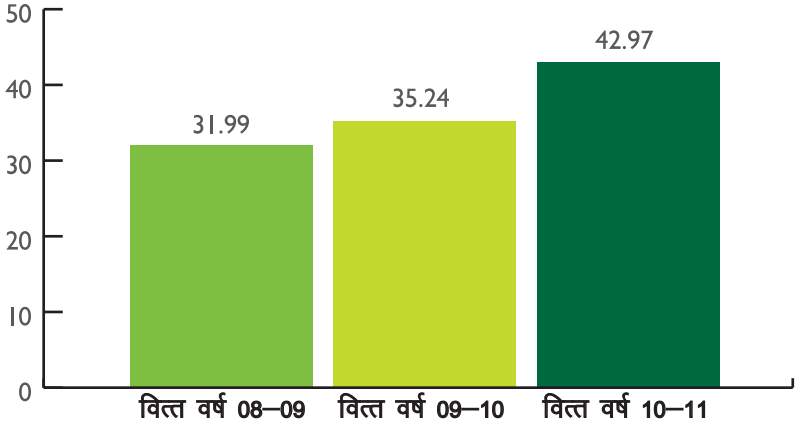

एलपीजी लोडिंग स्टेशन

अपने पर्यावरण प्रभाव का प्रबंधन

भारत में हमारा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क सबसे बड़ा है जो विविधतापूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसमें निहित पर्यावरणीय, सुरक्षा, रक्षा और सामाजिक जोखिमों के बावजूद गेल का इन जोखिमों को कम करने के लिए अपेक्षित उपाय करने का शानदार ट्रैक रिकार्ड रहा है।

अपने पर्यावरण प्रभाव का प्रबंधन

ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन

यद्यपि प्राकृतिक गैस, जो अपेक्षाकृत अधिक स्वच्छ ईंधन है, इसकी मांग विश्व स्तर पर लगातार बढ़ने की संभावना है, और गैस की अनुपलब्धता से यह भविष्य में हमारे कारोबार के लिए एक बड़ा खतरा बन सकती है। यह चुनौती गेल के लिए अपेक्षाकृत अधिक गंभीर है क्योंकि हमारा भारतीय प्राकृतिक गैस बाजार में काफी बड़ा बाजार शेयर है। हालांकि हमारे उत्पादों की उपलब्धता पर सीमित नियंत्रण है, फिर भी हम इस स्रोत का दक्षता से प्रबंधन करने और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की खोज करने के उपाय कर रहे हैं। हम अपने गंधार, कांडला और समाखियाली इकाइयों में पवन शक्ति तथा मुंबई, बड़ौदा और आबू रोड इकाइयों में सौर ऊर्जा का प्रयोग कर रहे हैं। हमने 2016 तक प्रतिवर्ष 100 मेगावाट पवन ऊर्जा का सृजन करने वाले आधारभूत ढांचे की स्थापना करने की योजना बनाई है। इस प्रकार हम आंतरिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने और दूर–दराज के इलाकों, जहां हमारी इकाइयां और पाइपलाइनें स्थित हैं, में अपना नवीकरणीय ऊर्जा का दायरा बढ़ा पाएंगे।

अपने प्रचालनों में पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए हम अपनी प्रक्रियाओं की दक्षता में सुधार करने के लिए उपाय कर रहे हैं। इससे ऊर्जा संसाधनों का अधिकतम उपयोग भी सुनिश्चित होगा। बढ़ी हुई ऊर्जा दक्षता से लागत कम होगी, जिसका जलवायु परिवर्तन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा

हमारी ऊर्जा खपत (मिलियन जीजे में)

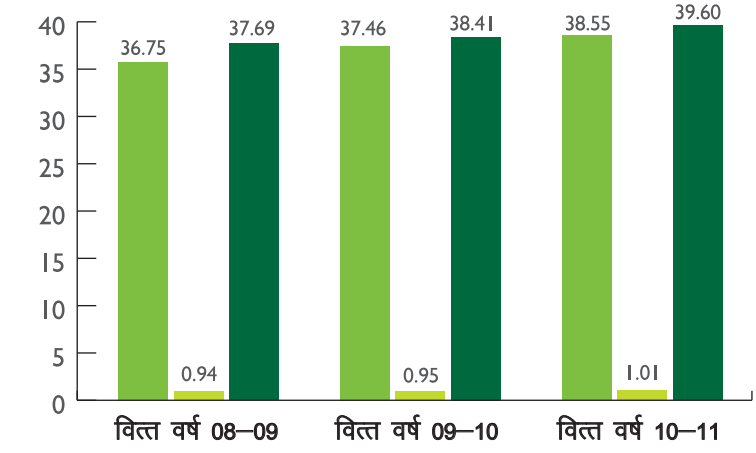

और प्रचालनों में नयापन आएगा, जिससे हमें बेहतर कार्य–निष्पादन करने में मदद मिलेगी। वित्तीय वर्ष 10–11 में हमारी कुल ऊर्जा खपत 39.59 मिलियन जीजे थी। वित्तीय वर्ष 09–10 में 3.1% की मामूली वृद्धि मुख्यतः गैस और एलपीजी परिवहन कारोबार में हुई बढ़ोत्तरी के कारण थी। हम कैप्टिव खपत के लिए पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्रोतों पर भी ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 10–11 के दौरान, हमने ऐसे नवीकरणीय स्रोतों से 31,749 जीजे ऊर्जा का उपयोग किया है।

अपने सभी प्रचालनों में हमने समर्पित ऊर्जा संरक्षण दल बनाए हैं जो ऊर्जा संरक्षण पर केन्द्रित हैं। हमने अपने सभी संयंत्रों और अन्य प्रचालनों में बिजली की खपत को कम करके मुख्यतः 685,771 जीजे की बचत की है। हमारे कुछ अन्य प्रमुख ऊर्जा सुधार पहलों का नीचे उल्लेख किया गया है:

- गंधार में हमने वाल्व और सोलोनोक्स प्रणाली प्रचालन की री–ट्यूनिंग करके ब्लीड वाल्व प्रचालन को अनुकूल बनाया है जिसके कारण विशिष्ट ईंधन खपत 1.93% से घटकर 1.80% रह गई है। इससे वर्ष में लगभग 1.09 एमएमएससीएम की बचत हुई है।
- पाता में हमने हीट रिकवरी वाष्प जेनरेटर (एचआरएसजी) में एक स्वचालित ब्लो डाउन प्रणाली स्थापित की है जिसके कारण टीडीएस की ऑनलाइन निगरानी द्वारा ब्लो डाउन मात्रा में कमी हुई है। इससे वर्ष में लगभग 0.18 एमएमएससीएम की बचत हुई है।
- गंधार में हमने फीड गैस ड्रायर में तकनीकी रूप से उन्नत मॉलीक्यूलर सीव का इस्तेमाल किया है जिसके परिणामस्वरूप रिजेनरेशन चक्र में 12 से 36 घंटों तक की कमी होने से ईंधन गैस खपत में बचत हुई है। इससे वर्ष में 0.52 एमएमएससीएम की प्राकृतिक गैस की कुल बचत हुई है।

उच्च दक्षता वाली वीएसडी मोटर

- उसर में हमने एलपीजी वाष्प को रिकवर करने की पहल शुरू की है जो माउंटेड भण्डारण टैंकों के निरीक्षण के दौरान उत्सर्जित हो जाती थी। इस पहल से वाष्प के पुनः परिचालन होने से इस वर्ष 96 मी.टन एलपीजी की बचत हुई है।
- पाता में, हमने डाउनस्ट्रीम पॉलीमर संयंत्र में ठंडी गैस का अपवर्तन करने के लिए एक पुनरुद्धार किए गए बीओसी कंप्रेसर की स्थापना की है, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष के अंत तक 762 मी.टन वीएचपी वाष्प की बचत हुई है।

हालांकि यह बात व्यापक तौर पर स्वीकार्य है कि प्राकृतिक गैस कार्बन तत्व के कम होने के कारण यह अन्य जीवाश्म ईंधनों की तुलना में जलवायु परिवर्तन प्रभावों को कम प्रभावित करती है। हम अपने प्रचालनों में कार्बन प्रभाव कम करने के प्रति कटिबद्ध हैं। वित्तीय वर्ष 10–11 में हमारे समस्त प्रचालनों में जीएचजी उत्सर्जन 2.889 मिलियन टन सीओ$_2$ई था। हमने अपने ऊर्जा दक्षता उपायों के कारण 7948.12 टन सीओ$_2$ई जैसे अन्य वायु उत्सर्जनों का प्रबंधन करने और उसमें कमी लाने पर ध्यान केन्द्रित किया। हम एसओएक्स, एनओक्स, एसपीएम, सीओ एवं ओडीएस जैसे उच्च वायु उत्सर्जनों में कमी लाने एवं उनके प्रबंधन पद पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। हमारे पूरे प्रचालनों में न्यून एनओएक्स बर्नरों के बढ़ते उपयोग ने पिछले वर्ष की तुलना में हमारे एनओएक्स उत्सर्जनों को लगभग 12% कम करने में मदद की है। वर्ष के दौरान, हमने 72.42 कि.ग्रा. सीएफसी–11 ईक्यू. मात्रा ओजोन को कम करने वाले पदार्थों का उत्सर्जन किया। यद्यपि हम ओजोन को कम करने वाले पदार्थों के महत्वपूर्ण प्रयोक्ता नहीं हैं, फिर भी हम अपने रेफ्रिजरेशन और एयर कंडिशनिंग उपकरणों की दक्षता की निगरानी करते हैं ताकि इनसे निकलने वाला उत्सर्जन न्यूनतम हो।

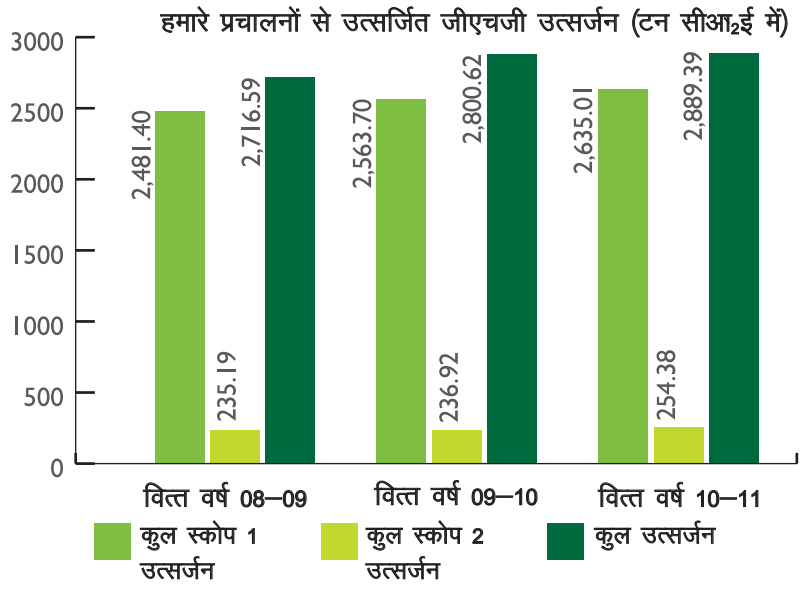

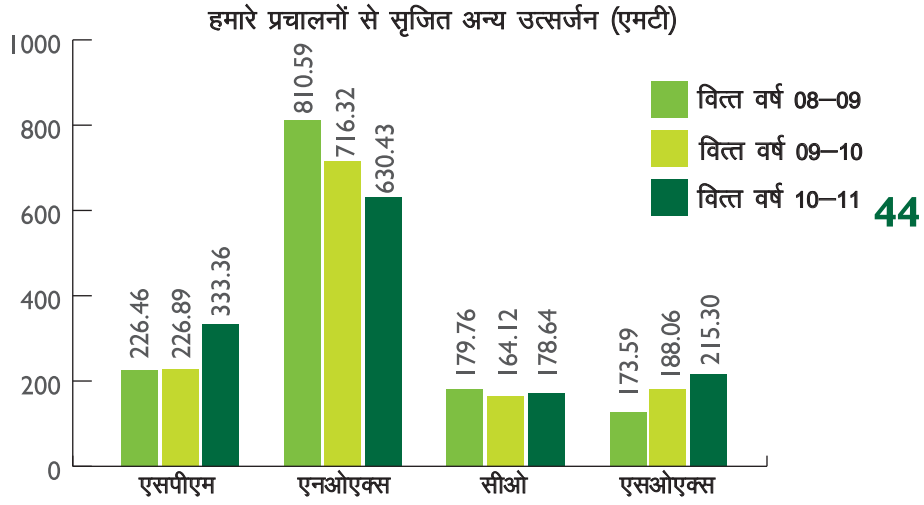

उच्च दक्षता वाली वीएसडी मोटर

हमारे प्रचालनों में प्राकृतिक गैस (एनजी) प्रोसेसिंग (एमएमएससीएम)

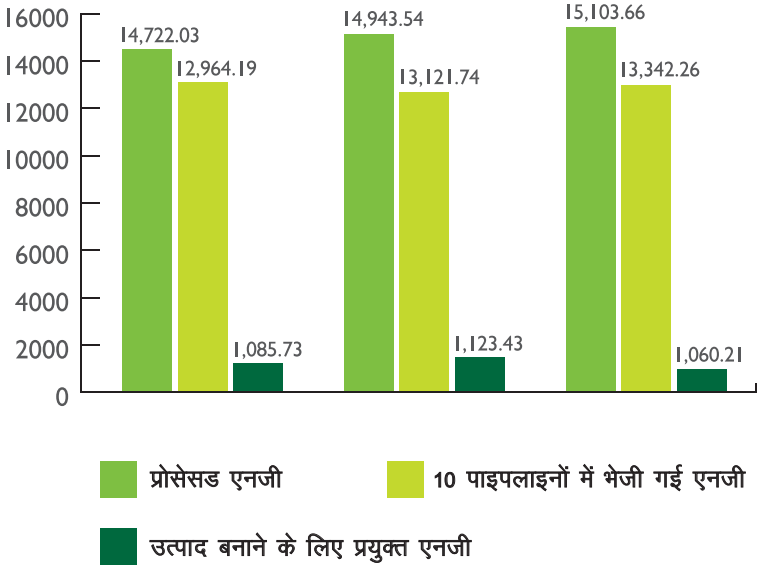

हमारे प्रचालनों में सामग्री उपयोग (मी.टन)

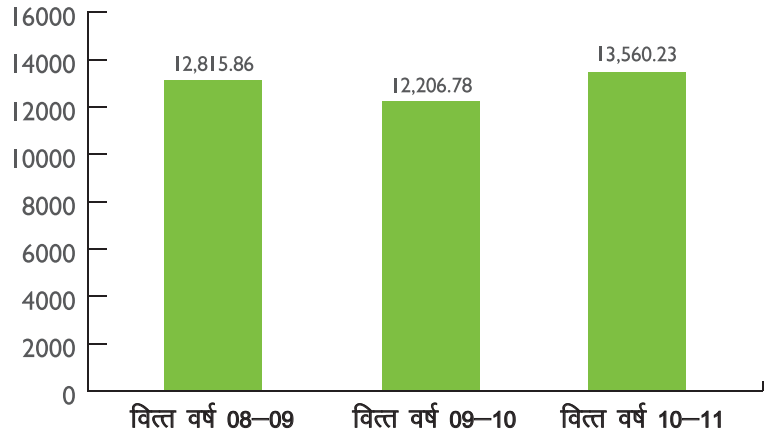

संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग

इस वर्ष हमारे प्रचालनों का स्तर 15,000 एमएमएससीएम[8] गैस प्रोसेसिंग, 43,037 एमएमएससीएम गैस परिवहन तथा 420,000 मी.टन पॉलीमर उत्पादन के स्तर तक पहुंच गया है। प्रचालनों में इस वृद्धि से प्रोसेस सामग्री की खपत में भी वृद्धि हुई है। हमारे प्राकृतिक गैस प्रचालनों की तुलना में हमारा पेट्रोकेमिकल व्यवसाय सामग्री आधारित है और दक्षता संसाधन प्रयोग के अनुसार सुधार की गुंजाइश है। हमने अपने संसाधनों के उपयोग को अधिकतम करके और अपनी प्रचालनात्मक दक्षता में सुधार करके सामग्री का जिम्मेदारीपूर्व उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं।

हमारे सभी कार्य स्थलों पर हमारी सुव्यवस्थित पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली और उत्कृष्ट प्रबंधन पद्धतियों ने हमें अपना अधिकतम संसाधन उपयोग करने में मदद की है। इससे उपकरण के प्रचालन और ऊर्जा खपत में कमी आई है। इसके अलावा, हमारी एक प्रचालन और अनुरक्षण नीति है, जिसमें हमारे समस्त प्रचालनों के रखरखाव के लिए उद्देश्य, लक्ष्य, दर्शन और दिशा–निर्देशों का उल्लेख किया गया है। यह नीति संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रोसेस दक्षता को बढ़ाने और प्रचालन समय को कम करने पर केन्द्रित है।

[8] कुल एनजी प्रोसेसिंग आंकड़ों में रिपोर्ट के कार्यक्षेत्र में सभी प्रचालन शामिल हैं। इन आंकड़ों में लकवा में हमारे जीपीयू द्वारा प्रोसेस्ड प्रचालन एनजी शामिल नहीं होती।

सृजित खतरनाक अपशिष्ट

खतरनाक अपशिष्ट का प्रकार	मात्रा	वित्त वर्ष 08–09	वित्त वर्ष 09–10	वित्त वर्ष 10–11
प्रयुक्त तेल	मी.टन	149.83	137.05	173.23
प्रयुक्त बैटरियां	संख्या	0	15	15
	मी.टन	0.18	5.34	1.1575
बास्केट फिल्टर अपशिष्ट	मी.टन	120	120	120
आणविक छलनी	मी.टन	0.5	0	100
टार	मी.टन	2.6	3.35	19.5
टार राख	मी.टन	0	0	15.2
तैलीय कीचड़	मी.टन	300	300	282

अपने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए हमने खतरनाक अपशिष्ट की हैंडलिंग और निपटान में सुधार के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इस्तेमाल किए गए तेल, ल्यूब ऑयल और तैलीय कीचड़ हमारे प्रचालनों से सृजित होने वाले सबसे अधिक खतरनाक अपशिष्ट है। हमने सीपीसीबी–प्राधिकृत अपशिष्ट हैण्डलरों के जरिए खतरनाक अपशिष्ट का उचित निपटान सुनिश्चित किया है जो इन अपशिष्टों को प्रोसेस करते हैं और उनके निपटान से पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करते हैं। हम अपने प्रमुख अपशिष्टों; पाता में हमारे पेट्रोकेमिकल के प्रचालनों से स्लोप ऑयल और स्पेंट अलुमिनिया में से दो की रिसाइक्लिंग कर रहे हैं। इससे हमारी सामग्री लागत को कम करने, अपशिष्ट की मात्रा को लैंडफिलिंग में जाने से रोकने तथा अपशिष्ट को लैंडफिल तक ले जाने की परिवहन लागत को कम करने में मदद मिली है। इन सामग्रियों की रिसाइकलिंग वित्तीय वर्ष 2010–11 में हमारी कुल सामग्री खपत का 9% बैठती है।

निकटवर्ती जैव–विविधता पर पड़ने वाले प्रभाव का प्रबंधन

हमारे अधिकांश प्रचालन विशेषकर पाइपलाइनें सुदूर स्थलों में हैं जहां प्राकृतिक परिस्थितिकी प्रणाली के अस्तव्यस्त होने की अत्यधिक संभावना है। हम इन संवेदनशीलताओं के प्रति काफी जागरुक हैं जो हमारे कार्यकलापों को नियंत्रित करते हैं ताकि निकटवर्ती क्षेत्र को कम से कम क्षति पहुंचे। हमारे कुछ प्रयासों का उल्लेख करना प्रासंगिक होगा जैसे पाता और समाखियाली में हमारे जैव–विविध प्रबंधन कार्यकलाप। पाता में स्थल स्थितियां किसी भी वनस्पति को लगाने के लिए अत्यधिक प्रतिकूल थीं क्योंकि मिट्टी का पीएच मान काफी अधिक लगभग 11वां और इसकी चालकता लगभग 6.5 थी। व्यापक मृदा उपचार करके हमने इसके खारेपन में सुधार किया और मिट्टी के संतुलन को बहाल किया, परिणामस्वरूप हरियाली में वृद्धि हुई। चूंकि समाखियाली इकाई कच्छ जिले की बंजर भूमि में स्थित है, अतः गर्म और आर्द्र पर्यावरण तथा मिट्टी में मौजद खारापन कुछेक घास और शुष्क कांटेदार झाड़ियों को छोड़कर किसी वनस्पति को पनपने नहीं देती। हमारे कर्मचारियों ने 2009 में लगभग 10,000 और 2010 में 7500 पौध लगाने का संकल्प लिया था। संपूर्ण क्षेत्र को छोटे खण्डों में बांटा गया था और प्रत्येक कर्मचारी ने पौधों को बचाने के लिए एक - एक के क्षेत्र का चयन किया। हमारा हरित पट्टी क्षेत्र हमारी कुल भूमि का लगभग 41% है जो लगभग 17.2 मिलियन वर्ग मीटर है।

हरित पट्टी क्षेत्र

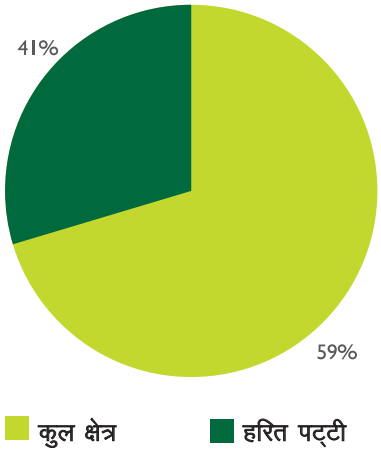

वार्षिक शट डाउन 2010 के दौरान प्रोपीलीन के मुक्त बहाव पर रोक

पाता में हमारी पेट्रोकेमिकल इकाई में एलपीजी रिकवरी यूनिट, गैस क्रैकर यूनिट और एलएलडीपीई रिकवरी यूनिट में प्रशीतन आवश्यकताओं के लिए प्रोपीलीन रेफ्रिजरेशन प्रणाली का प्रयोग किया जाता है। बड़ी मात्रा में प्रोपीलीन के ज्वलन को रोकने के लिए विगत में इस प्रोपीलीन को उसके भण्डारण में वापस पहुंचाने के प्रावधान किए गए थे। तथापि, इसे उलटने के लिए लाइन में भरे तरल प्रोपीलीन की निकासी करने, आसपास के क्षेत्र में पर्यावरण जोखिम से सुरक्षा करने की आवश्यकता होगी। हमारे प्रचालन दल ने लाइन में दबाव की जांच करने के लिए प्रोपीलीन की मेकअप लाइन के डाउनस्ट्रीम में दबाव गेज की स्थापना की है। एकुमुलेटर में मेकअप लाइन की डाउनस्ट्रीम में दबाव गेज की स्थापना ने हमें लाइन को दबावमुक्त करने में सक्षम बनाया है। इससे दबाव घटकर 0.4 कि.ग्रा./से.मी^{2} रह गया। इससे प्रोपीलीन की खुली निकासी से बचने में मदद मिली, जिससे सामग्री की बचत हुई और जोखिम से बचा जा सका।

हरित पट्टी

अपने पर्यावरण प्रभाव का प्रबंधन

जल संसाधन प्रबंधन

हम अपने सभी प्रचालनों में पानी की खपत का बड़ी समझदारी से उपयोग कर रहे हैं और आसपास के समुदायों के लिए पानी को आसानी से उपलब्ध कराने का प्रावधान भी कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 10–11 के दौरान, पानी की हमारी कुल खपत 13.78 मिलियन[9] घन मी थी। इसमें से 96% खपत भूजल से पूरी की जा रही थी। रिसाइकलिंग और अपशिष्ट जल के दोबारा इस्तेमाल जैसी पहलों के जरिए हमने पानी के पुनः इस्तेमाल से पानी की अपनी कुल खपत में 0.73 मिलियन एम³ की कमी की है। इससे हमें अपनी इकाइयों से निकलने वाले कुल अपशिष्ट जल को 45.19% कम करने में मदद मिली है। हमने अपने प्रचालनों के आसपास के क्षेत्र में पानी की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। इस मामले में एक प्रमुख उदाहरण हमारी गंधार इकाई है, जहां वर्षाजल एकत्रीकरण ऐसे स्थान पर किया गया था जहां से निर्माण कार्य के लिए बड़ी मात्रा में मिट्टी निकाली गई थी। सेटेलाइट इमेजिंग और कनटूरिंग का इस्तेमाल करके बहने वाले पानी को कारगर ढंग से तालाब में एकत्र करने की एक योजना बनाई गई थी। इस प्रकार बनाए गए वर्षाजल एकत्रीकरण तालाब का प्रयोग 2010 के केवल मानसून मौसम के दौरान 6000 घन मी. वर्षाजल एकत्र करने के लिए किया गया था। हमने अपनी उसर इकाई के आसपास गांववासियों को वर्षाजल एकत्र करने की पारंपरिक और आधुनिक पद्धतियों पर जागरुकता पैदा करने वाले सत्रों का आयोजन करके पानी की उपलब्धता को और बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी की है। गांववासियों को पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने के लिए तकनीकी सहायता भी दी गई थी।

हमारे आसपास के क्षेत्रों में पानी की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए हम उपचार किए गए अपशिष्ट जल का जिम्मेदार ढंग से निर्वहन कर रहे हैं। उपचार किए गए अधिकांश जल का दोबारा इस्तेमाल किया जाता है। हमारी अधिकांश इकाइयों[10] में अधिक पानी उपलब्ध नहीं है और हमें पर्याप्त अपशिष्ट जल भी प्राप्त नहीं होता। वित्तीय वर्ष 10–11 के दौरान हमारी प्रचालन सीमा के बाहर 854,255 घन मी. उपचारित पानी को बाहर निकाला गया था।

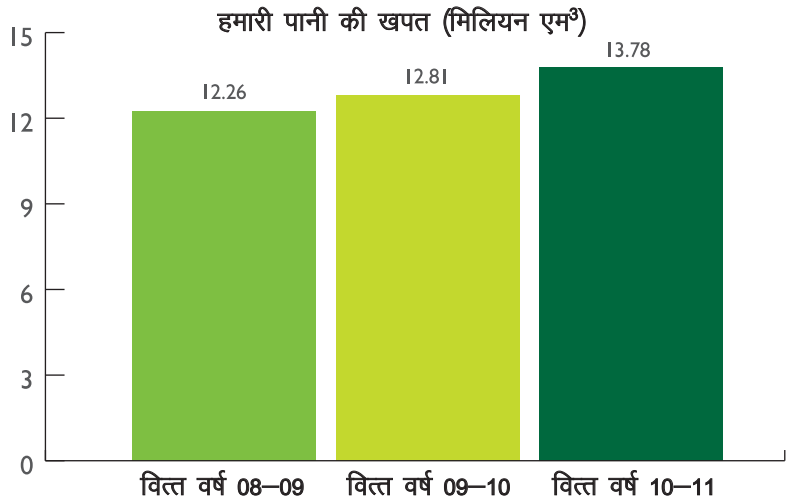

पाइपलाइन नेटवर्क विस्तार और प्रचालनों के दौरान पर्यावरण प्रभावों का प्रबंधन करना

भारत में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का हमारा सबसे बड़ा नेटवर्क है जो विविध भौगोलिक क्षेत्रों में व्याप्त है। पर्यावरण, बचाव, सुरक्षा और सामाजिक जोखिम के बावजूद गेल का इन जोखिमों को कम करने में अपेक्षित उपाय करने का शानदार ट्रैक रिकार्ड रहा है। हमारी पाइपलाइनें एएसएमई, एपीआई, डीआईएन, आईएसओ जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों और ओआईएसडी जैस राष्ट्रीय मानकों की अपेक्षानुसार डिजाइन, निर्माण और रखरखाव किया जाता है। पाइपलाइन नेटवर्क का डिजाइन व्यापक पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन करने और पर्यावरण और वन मंत्रालय से अनेक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद तैयार किया जाता है। पाइपलाइन के सामंजस्य का चयन इस तरह से किया जाता है कि लंबाई इष्टतम हो ताकि पारिस्थि. तिकी संवेदनशील और संरक्षित क्षेत्रों/भौगोलिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों/एनएच/एसएच/रेलवे जैसे चौराहों/प्रतिबंधित/रिजर्व वन क्षेत्र/तटीय विनियामक क्षेत्र (सीआरजेड) कम से कम बाधक बनें।

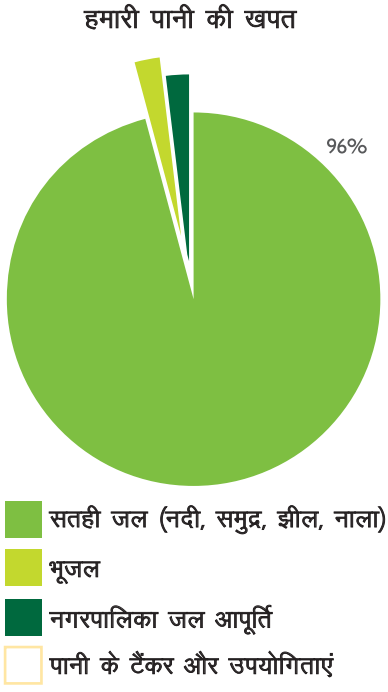

[9]पानी की हमारी खपत के आंकड़ों में आगरा क्षेत्र में इकाइयों द्वारा उपयोग किया गया पानी शामिल नहीं हैं। हम क्षेत्र में अपनी निगरानी प्रणालियों को बढ़ा रहे हैं और इनके बारे में सूचना अपनी अगली रिपोर्ट में देंगे।

[10]पाता और विजाग इकाइयों को छोड़कर अन्य सभी इकाइयो से उनके सीमा क्षेत्र के बाहर कोई गंदा पानी नहीं छोड़ा जाता। इसके अलावा, आगरा क्षेत्र स्थित इकाइयों द्वारा सृजित या छोड़े गए गंदे पानी के बारे में हमारी गंदे पानी के छोड़े जाने संबंधी सूचना शामिल नहीं होती। हम इस क्षेत्र में अपनी निगरानी प्रणालियों को बढ़ा रहे हैं और इसके बारे में सूचना अपनी अगली रिपोर्ट में देंगे।

एक बेहतर कार्यस्थल का सृजन

हमारी सफलता के पीछे ज्ञानवान, दक्ष, प्रतिबद्ध और उत्साही जनशक्ति प्रेरणा का स्रोत रही है। हम भली–भांति जानते हैं कि सही प्रतिभा और दक्षता को बनाए रखना सफलता की कुंजी है जो अगले दशक में हमारे विकास की दिशा तय करेगी। कारोबार की सफलता के उपाय के रूप में हम प्रत्येक कर्मचारी की क्षमता को लगातार बढ़ा रहे हैं – जो कंपनी के कर्मचारियों के प्रयासों का लेखा–जोखा होता है ताकि उन्हें उपलब्ध संसाधनों का उत्कृष्ट और सर्वाधिक उत्पादक प्रयोग किया जा सके।

एक बेहतर कार्यस्थल का सृजन

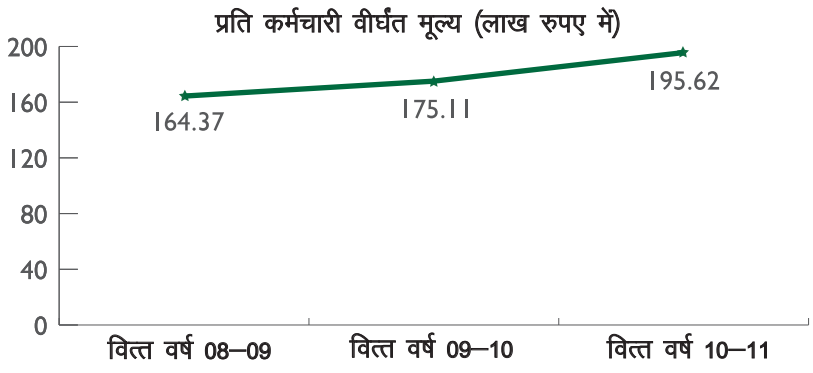

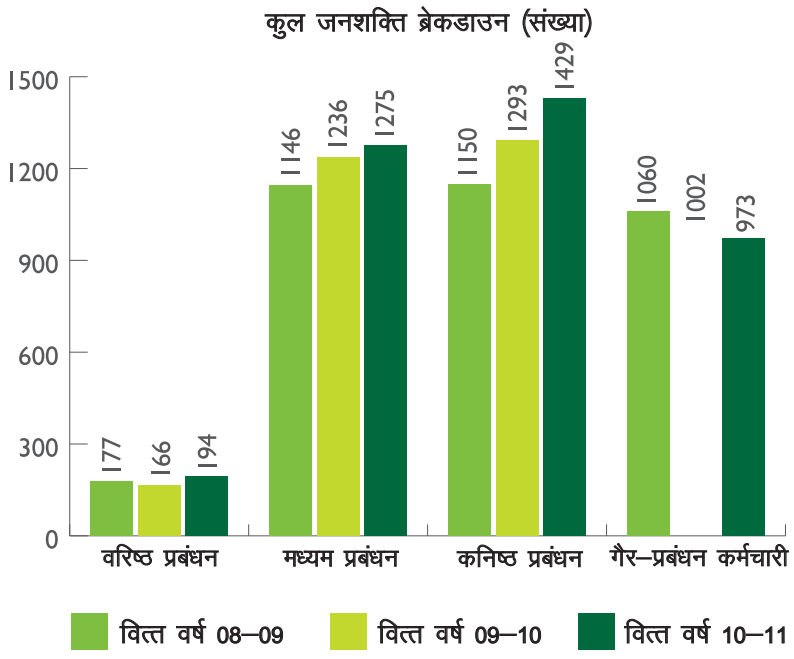

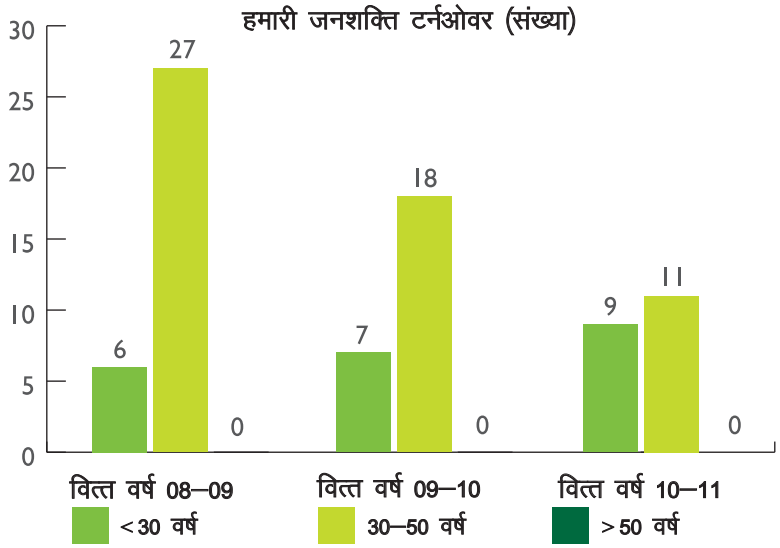

मानव संसाधन का समग्र प्रबंधन हमारी व्यापक एचआर नीति से संचालित होता है जिसमें कर्मचारी के विकास से लेकर उनकी शिकायत निवारण तक के अनेक अनिवार्य पहलू शामिल होते हैं। निदेशक (मा.संसा.) की यह प्रमुख जिम्मेदारी होती है कि वह मानव संसाधन नीतियों और प्रक्रियाओं का संगठन में लगातार कार्यान्वयन करे। पिछले कुछ वर्षों में असाधारण कारोबार वृद्धि को देखते हुए मानव संसाधन नीति और शासन ढांचा गेल में सभी स्तरों पर पहले से उपलब्ध प्रतिभा पूल के जरिए इसे समर्थन देने में सक्षम रहा है।

हमारी मानव संसाधन नीतियां और प्रक्रियाएं पूर्ण व्यक्तिगत विकास, कैरियर विकास और कल्याण से संबंधित हमारे कर्मचारियों की प्रमुख समस्याओं का समाधान करने के अनुसार बनाई गई हैं। हम अपनी जनशक्ति को चुनौतीपूर्ण कार्य अनुभव प्रदान करते हैं जिससे वे बेहतर निष्पादन कर सकें ओर बदले में अपना और हमारा विकास कर सकें। यही मुख्य कारण है कि हम अपने प्रतिभाशाली व्यावसायिकों को लम्बी अवधि तक रोक सकने में कामयाब हुए हैं। वित्तीय वर्ष 2010–11 में हमारी जनशक्ति के पलायन की दर केवल 0.52%[11] है, जो हमारे संगठन में सही प्रतिभा को बनाए रखने की हमारी उपलब्धि को दर्शाती है।

हमारा विश्वास है कि लोगों को सम्मिलित करने और अधिकार देने से वे और अधिक रचनात्मक और उपयोगी बनेंगे। हम अपने कर्मचारियों के प्रेरणा स्तर को बढ़ाने और उन्हें हर समय दक्ष बनाए रखने के लिए उनकी समस्याओं ओर अपेक्षाओं को समझने पर बल देते हैं। उनकी अपेक्षाओं को कर्मचारी विनियोजन सर्वेक्षण और कर्मचारी सुझाव योजनाओं के माध्यम से उनकी समस्याओं का पता लगाकर पूरा किया जाता है।

[11]वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान, 20 लोग संगठन छोड़कर गए, जिनमें से दो महिला कर्मचारी थीं।

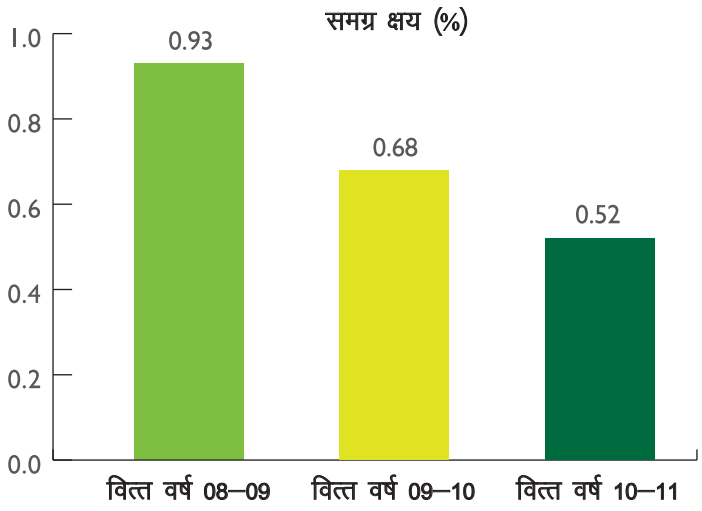

संगठन से कर्मचारियों की एक अपेक्षा यह होती है कि उन्हें कार्य करने के लिए अनूकुल माहौल प्रदान किया जाए, विशेषकर ऐसे दूर–दराज के स्थानों पर जहां जीवन जीने की उच्च स्तरीय सुविधाएं कम उपलब्ध होती हैं। हमने ऐसे इलाकों में आवासीय और वाणिज्यिक स्थलों, खेल–कूद संबंधी सुविधाओं, क्लबों, विद्यालयों और चिकित्सा सुविधाओं का विकास करने में निवेश किया है। हमने कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाने के लिए प्रमुख त्यौहारों तथा महत्वपूर्ण अवसरों के दौरान कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के लिए कार्यक्रम और गतिविधियों का आयोजन करने जैसे कई प्रयास किए हैं। एक विशेष खेलकूद प्रोत्साहन योजना आरंभ की गई है जो हमारे कर्मचारियों और उनके परिवारों में मौजूद संभावित प्रतिभा को पहचाने और उसे निखारने में मदद करती है। हमने अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए पर्याप्त खेल–कूद आधारभूत सुविधाएं भी विकसित की हैं और उन्हें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा कंपनी स्तर पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए तैयार किया जाता है।

कर्मचारी विनियोजन सर्वेक्षण

यह सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान कर्मचारियों के अनुबंध स्तर का जायजा लेने के लिए किया गया था क्योंकि हमारा मानना है कि विनियोजित कर्मचारी ही विनियोजन उत्कृष्ट परिणाम दिला सकता है। लगभग 60% गेल कर्मचारियों ने इस सर्वेक्षण में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। कर्मचारियों से जन व्यवहार पर बहुमूल्य फीडबैक प्राप्त हुआ, और गेल में कर्मचारियों के समग्र अनुभव में सुधार करने के लिए सुझाव भी मांगे गए थे। विश्लेषण के आधार पर समग्र 'विनियोजन स्कोर' 71% था जो गेल को हेविट के उत्कृष्ट नियोक्ता की श्रेणी में रखता है। इसका अर्थ है कि हमारी अधिकतर जनशक्ति को संगठन में कारगर ढंग से विनियोजित किया गया है। इसके अतिरिक्त, महत्वपूर्ण निष्कर्षों के आधार पर सुधार के मुख्य क्षेत्रों के लिए एक कार्य–योजना तैयार की जा रही है।

सुझाव योजना

गेल यह बात जानता है कि किसी व्यक्ति की प्रतिभा, रचनात्मकता और पहल का कर्मचारियों को प्रोत्साहित करके, उनका उत्साह बढ़ाकर और उन्हें प्रेरित करके उनके द्वारा सर्वोत्तम उपयोग किया जा सकता है। इसको पाने के लिए हमने एक 'सुझाव योजना' शुरू की है जिसमें हम संगठनात्मक श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों को अपने सुझाव देने के लिए प्रेरित करते हैं। यह गेल को संगठन में एक सकारात्मक और स्वच्छंद कार्य संस्कृति बनाने में भी मदद करता है जो परिवर्तन के इस दौर के अनुकूल है। इस योजना में एक संगठित प्रणाली है जिसमें सुझाव, प्राप्त एवं रिकार्ड किए जाते हैं और फिर उनका निपटान किया जाता है। इस प्रणाली में कर्मचारियों के रचनात्मक विचारों को स्वीकार करने और उनका मूल्यांकन करने में मदद मिलती है। यह सुझाव योजना गेल इन्ट्रानेट के माध्यम से कर्मचारियों को सीधे तौर पर उपलब्ध कराई गई है। सर्वश्रेष्ठ सुझाव को पुरस्कृत किया जाता है तथा कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा सराहा भी जाता है।

एक बेहतर कार्यस्थल का सृजन

प्रशिक्षण एवं विकास

हमारे पास अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए संरचनात्मक प्रणाली है ताकि एक ऐसा कार्यबल सुनिश्चित किया जा सके जिसके पास उच्चतर विशेषज्ञता वाले कार्यों के लिए उचित ज्ञान, कौशल दृष्टिकोण और व्यावहारिक अनुभव हो। नोएडा में वर्ष 1997 में स्थापित हमारा गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) आईएसओ 9001 प्रमाणित संस्थान है जो कर्मचारियों को सभी प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए संसाधन और सुविधाएं प्रदान करता है। इस प्रक्रिया में अधिकतम कर्मचारियों को शामिल करने के लिए हमने वर्ष 2005 में जयपुर में एक अन्य जीटीआई की स्थापना करके अपनी मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि की है। वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान 14,000 के लक्ष्य की तुलना में जीटीआई द्वारा 14,298 मानव प्रशिक्षण दिवस प्रदान किए गए। जीटीआई को जनवरी 2011 में इंडियन सोसायटी ऑफ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) से अभिनव प्रशिक्षण तरीकों के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। बाह्य संगठनों को उच्च गुणवत्ता प्रशिक्षण उपलब्ध करवाकर अपने आप को एक राजस्व अर्जित करने वाले केन्द्र में परिवर्तन करने के अपने उद्देश्य हेतु जीटीआई ने अन्य मान्यताप्राप्त संगठनों जैसे आईओसीएल, बीपीसीएल, आईजीएल, सिटी एनजी, ओपेल, होंडा स्कूटर्स एंड मोटर साईकिल्स लिमिटेड सहित अन्यों के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं।

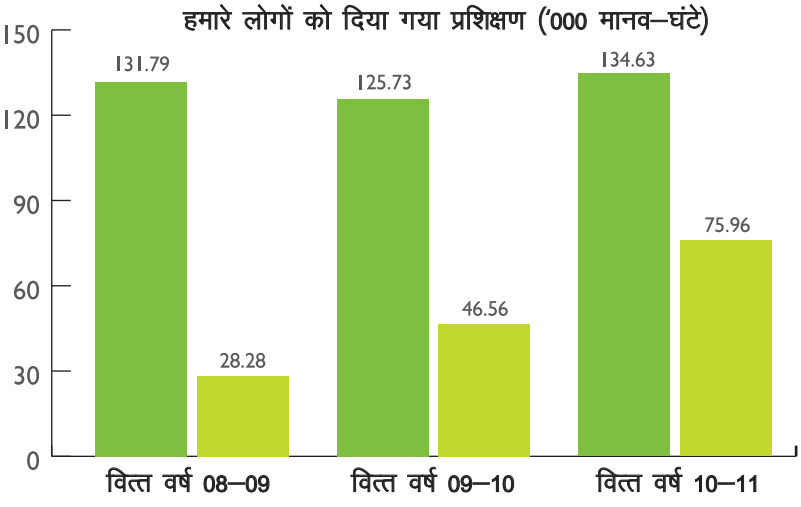

नोएडा में गेल प्रशिक्षण संस्थान

जीटीआई की सफलता में प्रभावी प्रशिक्षण देना एक महत्वपूर्ण कारणों में से एक है। संस्थान ने चार मूल मापदंडों – प्रतिक्रिया, सीखना, व्यवहार और प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के निवेश पर प्रतिलाभ को मापने के लिए परिणाम के आधार पर अपनी प्रशिक्षण मूल्यांकन प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली में पाठ्यक्रम के बारे में प्रतिभागियों के अनुभव, उन्होंने पाठ्यक्रम के उद्देश्य को कितना पूरा किया, पाठ्यक्रम से प्राप्त ज्ञान, कौशल, और/अथवा मूल्यों को किस स्तर तक प्रयोग किया तथा प्रशिक्षण के परिणाम के तौर पर कार्य–निष्पादन, सुधार, गुणवत्ता सुधार और लागत में बचत कैसे की गई, पर प्रतिभागियों से राय प्राप्त की जाती है।

बढ़ रही जनशक्ति की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हम लगातार अपने शिक्षण और विकास प्रयासों को बढ़ा रहे हैं तथा अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उच्चतम गुणवत्ता और प्रभाव लाने के लिए नए मॉडलों का पता लगा रहे हैं। कंपनी मौजूदा प्रतिभा समूह में नेतृत्व को निखारने के एक प्रयास के रूप में हमने एक नेतृत्व विकास कार्यक्रम तैयार किया है जिसे वरिष्ठ प्रबंधन विकास केन्द्र (एसएमडीसी) के नाम से जाना जाता है। यह कार्यक्रम नीतिगत स्तर पर सक्षम व्यक्तियों की नियुक्ति करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ कार्यपालकों की विकास संबंधी आवश्यकताओं का पता लगाता है और किसी भी अंतर को पूरा करने के लिए विकास कार्यक्रम तैयार करता है।

निदेशक मानव संसाधन कर्मचारियों को संबोधित करते हुए

शिक्षण और विकास हेतु प्रयास

हमारी कंपनी के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा वर्ष 2010–11 में किए गए कुछ महत्वपूर्ण प्रयास निम्नवत हैं:–

- एएसएमई के प्राधिकृत प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में जीटीआई नोएडा में एएसएमई (अमेरिकन सोसायटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग) प्रमाणित पाठ्यक्रम प्रारंभ करना। एएसएमई द्वारा गेल के चार संकाय सदस्यों को इन पाठ्यक्रमों को चलाने के लिए प्राधिकृत प्रशिक्षण अनुदेशकों के रूप में प्रमाणित किया गया है।
- जीटीआई नोएडा ने अप्रैल और मई, 2010 में हाल ही में प्रोन्नत उप महाप्रबंधकों, महाप्रबंधकों और कार्यकारी निदेशकों के लिए नए कार्यक्रम जैसे प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमपीपी), जनवरी 2011 में प्रभारी अधिकारियों के लिए व्यवहार आधारित सुरक्षा पर कार्यशाला और दिसम्बर 2010 से मार्च 2011 के दौरान गैर–कार्यपालकों के लिए वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रभावी संवाद कौशल कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- गेल ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के पानीपत पेट्रोकेमिकल संयंत्र की शुरुआत करने में सहायता प्रदान की और उनके कर्मचारियों को प्रचालन संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया।
- जीटीआई ने राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) के एमबीए के छात्रों के लिए प्राकृतिक गैस व्यवसाय प्रबंधन पर एक पाठ्यक्रम की रूपरेखा बनाई और उसे सफलतापूर्वक चलाया।

गेल में नए सदस्यों का मार्गदर्शन

हमने विगत दो वर्षों में लगभग 200 कार्यपालक प्रशिक्षुओं की भर्ती की है। नेतृत्व के गुणों का पता लगाने और उन्हें निखारने के लिए परामर्श को एक कारगर साधन के रूप में प्रयोग किया गया है। इसके साथ–साथ इसने उनकी शुरुआती संवाद संबंधी बाधाओं को दूर करने में भी मदद की जिनका एक व्यावसायिक संस्थान में सभी को सामना करना पड़ता है। इस प्रयास को जीटीआई नोएडा, जीटीआई जयपुर, गेल पाता और गेल विजयपुर में अगस्त 2010 के दौरान परामर्शदाताओं और परामर्शियों के लिए कार्यशाला की एक श्रृंखला के माध्यम से आयोजित किया गया जिसमें 144 नव प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने कर्मचारियों की कार्य संबंधी विषयों के साथ प्रशासनिक मुद्दों पर उपयोगी तथा खुला विचार–विमर्श करने में सहायता की, उनके विश्वास स्तर को बढ़ाया और प्रशिक्षण कार्य के दौरान प्रशिक्षण चरण में उनकी ऊर्जा को परस्पर क्रियाशील बनाने में सहायता की।

गेल प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा में कार्यशाला

एक बेहतर कार्यस्थल का सृजन

मानव अधिकारों की रक्षा करना

गेल यूएनजीसी के सिद्धांतों और मूल्यों का प्रबल समर्थक है जो हमारे समस्त प्रचालनों में मानव अधिकारों की रक्षा करने में सहायता प्रदान करते हैं। गेल की नीतियां मानव अधिकार सिद्धांतों, भारत के संविधान, श्रम विधि इत्यादि को ध्यान में रखकर उचित रूप से तैयार की गई हैं और उनका अनुसरण भी किया जाता है। गेल में कर्मचारियों तथा स्टेकधारकों की शिकायतों के निपटान के लिए एक सुस्थापित नीति है। सभी स्तरों पर इस प्रकार के उल्लंघन की घटनाओं का पता लगाने तथा उन्हें रोकने के लिए नियंत्रण और जांच का पर्याप्त प्रावधान मौजूद है। हम समाज के अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के विकास के लिए भारत सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं। हमने अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए अपनी जनशक्ति का एक निश्चित प्रतिशत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों से भर्ती करने के लिए प्रावधान किया है। हमारे क्षेत्र में मौजूदा चुनौतियों के बावजूद हमने महिला कर्मचारियों की भर्ती और उनको बनाए रखने के एक अनुकूल माहौल बनाने के प्रयासों पर अपना ध्यान केन्द्रित किया है। गेल में एक विशेष महिला प्रकोष्ठ के माध्यम से महिला जनशक्ति तक पहुंच बनाने, विचार–विमर्श करने और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न सहित सभी समस्याओं का पर्याप्त रूप से समाधान करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त हमने अपने प्रचालन स्तरों पर महिला क्लबों की स्थापना की है और उनकी सहभागिता और संतुष्टि बढ़ाने के लिए गेल महिला पुरस्कारों की स्थापना भी की है।

स्वास्थ्य और संरक्षा

गेल में एक सुस्थापित स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (एचएसईएमएस) स्थापित की है जो ओआईएसडी जीडीएन–206 पर आधारित है। हमारी एचएसईएम प्रणाली में 18 घटक शामिल हैं जिसमें समस्त कारोबारी प्रचालन और जोखिम रूपरेखा शामिल की गई है। निगमित एचएसई नीति इस प्रणाली का शीर्ष दस्तावेज है तथा इसका अनुमोदन और इस पर सीएमडी द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं। कार्यान्वित प्रणाली की प्रभावकारिता भी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की लेखा–परीक्षा के अधीन होती हैं। ऐसी लेखा परीक्षाओं के दौरान पाए गए अंतराल को पूरा करने के लिए समयबद्ध तरीके से उचित सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

कार्यस्थलों में एचएसई कार्य–निष्पादनों की प्रति मास आधार पर आवश्यक और पूर्व निर्धारित घटकों के अनुसार लगातार निगरानी की जाती है। ये पूर्व निर्धारित अवयव हैं: नेतृत्व क्षमता और प्रतिबद्धता, एचएसई प्रशिक्षण; घटना की रिपोर्टिंग, जांच और विश्लेषण, कर्मचारियों की प्रतिभागिता; पराजय नियंत्रण और महत्वपूर्ण प्रणालियों एवं उपकरणों की विश्वसनीयता; प्रक्रिया संरक्षा सूचना; प्रचालन और रखरखाव; आपातकालीन योजना और प्रतिक्रिया; अनुपालन लेखा–परीक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य, पर्यावरण प्रबंधन और रखरखाव;

जोखिम विश्लेषण और प्रबंधन। स्थल के कार्यनिष्पादन के आधार पर एक एचएसई सूचकांक उस कार्य स्थल के साथ–साथ गेल के समस्त प्रचालन के लिए दे दिया जाता है। एचएसई कार्यनिष्पादन गेल के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता–ज्ञापन का एक भाग है। विगत पांच वर्षों के दौरान हमने लगातार एमओयू में वर्णित लक्ष्यों से अधिक स्तर प्राप्त किया है। स्थापित और कार्यान्वित एचएसई प्रणालियों की बोर्ड स्तर की एचएसई उपसमिति समीक्षा की जाती है जो गेल में एचएसई कार्य–निष्पादन संगठन की आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा के लिए एक सर्वोच्च निकाय है।

पूरे प्रतिष्ठान में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन राहत योजना लागू है। ये आपातकालीन राहत योजनाएं संबंधित प्रतिष्ठान की जोखिम संबंधी जानकारी पर आधारित हैं और इनकी प्रभाविता के लिए समय–समय पर समीक्षा की जाती है।

एचएसई सूचकांक रुझान

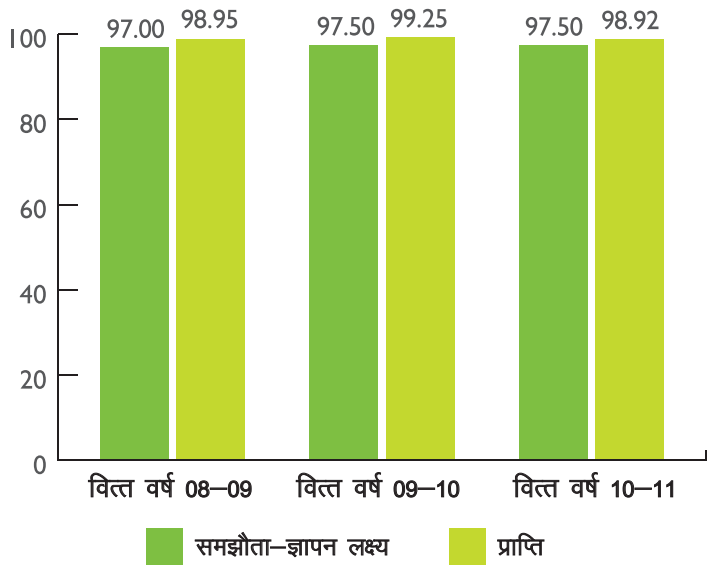

हम लागू पर्यावरण नियमों और सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार संगठन में पर्यावरण प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमारा सुरक्षा कार्य–निष्पादन

विवरण	इकाइयां	कार्यदल वर्ग	वित्त वर्ष 08–09	वित्त वर्ष 09–10	वित्त वर्ष 10–11
बाह्य सुरक्षा लेखा परीक्षा	संख्या	लागू नहीं	15	18	20
एचएसई पुरस्कार	संख्या	लागू नहीं	26	36	31
बाल–बाल बचना	संख्या	कर्मचारी	142	174	176
		ठेकेदार	162	180	183
हल्की चोट	संख्या	कर्मचारी	1	5	2
		ठेकेदार	3	8	17
रिपोर्ट करने योग्य चोट	संख्या	कर्मचारी	1	0	2
		ठेकेदार	1	0	1
रिपोर्ट करने योग्य चोटों के कारण दिनों की क्षति	संख्या	कर्मचारी	45	0	115
		ठेकेदार	75	0	32
घायल	संख्या	कर्मचारी	0	0	1
		ठेकेदार	0	1	3
समय क्षति चोट आवर्ती दर	रिपोर्ट करने योग्य चोटें प्रति मिलियन	कर्मचारी	0.16	0	0.32
		ठेकेदार	0.06	0	0.07
गंभीरता दर	प्रति मिलियन जन कार्य घंटे दिनों की हानि	कर्मचारी	7.36	0	18.21
		ठेकेदार	4.66	0	2.29
मृत्यु दर	प्रति मिलियन जन कार्य घंटे मृत्यु	कर्मचारी	0	0	0.16
		ठेकेदार	0	0.08	0.22

एक बेहतर कार्यस्थल का सृजन

गेल स्वयं, अपने स्टेकधारकों के लिए पर्यावरण निष्पादन में सुधार के लिए लगातार प्रयास करने पर ध्यान केन्द्रित करके श्रेष्ठता के साथ प्रचालन और शेयरधारकों की आवश्यकताओं के अनुसार सुस्थिर पर्यावरणीय वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

व्यावसायिक स्वास्थ्य हमारे एचएसईएमएस का अभिन्न भाग है। हमने सभी कर्मचारियों की चिकित्सीय जांच और स्वास्थ्य जागरुकता बढ़ाने के लिए चिकित्सा उपचार नियम बनाए हैं। इन नियमों के अनुसार, सभी 35 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु वर्ग के सभी कर्मचारी दो वर्षों में एक बार नियत समय पर चिकित्सा जांच करवाने के पात्र हैं। हमारे कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए हमने देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों के साथ संपर्क स्थापित किए हैं।

सुरक्षा

गैस पाइपलाइन की सुरक्षा और किसी तोड़–फोड़ को रोकना कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। हमारी जनशक्ति को ऐसी घटनाओं और जोखिमों का शीघ्र पता लगाने में विशेषज्ञता प्राप्त है और प्रभावी प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। हम सभी प्रचालनों में लगे सुरक्षा अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देते हैं और आपातकालीन तैयारियों के लिए प्रभावी प्रशिक्षण और पूर्व अभ्यास भी करवाते हैं। सुरक्षा अधिकारियों को बड़ी संख्या में रक्षा सेनाओं से भर्ती किया जाता है। हमने तेल और गैस क्षेत्र में मुख्य बचाव और सुरक्षा के मुख्य तरीकों को आपस में साझा करने के लिए एक आन्तरिक मैगजीन 'रक्षक' भी आरम्भ की हैं।

समर्पित आपात प्रतिक्रिया वैन

सुरक्षा जागरूकता सप्ताह में सुरक्षा पुरस्कार देते हुए

ड्राइवरों के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र

अपने ग्राहकों हेतु मूल्य सृजन

हमारे उत्पादों या सेवाओं में सुधार करने से संबंधित ग्राहकों की समस्याओं और शिकायतों का निपटान गेल के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। हमने वैधानिक और स्वैच्छिक प्रयासों के संयोजन से लम्बे समय में अपनी ग्राहक संबंध प्रणाली को सशक्त बनाया है।

अपने ग्राहकों हेतु मूल्य सृजन

इस वर्ष हमने ग्राहकों की संतुष्टि स्तर में सुधार करने के लिए कुछ नए उपाय लागू किए हैं और मौजूदा प्रयासों को सुदृढ़ किया है। हम तक आसानी से पहुंच बनाने के लिए हमने अपने ग्राहकों के लिए एक सुझाव पद्धति स्थापित की है ताकि वे हमें हमारे उत्पादों तथा सेवाओं में सुधार करने के लिए फीडबैक दे सकें। हमारे ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में ग्राहक के दृष्टिकोण से प्रमुख क्षेत्रों और सुधार अवसरों का पता लगाने के लिए ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) की गणना की जाती है। हमारा ग्राहक संबंध प्रबंधन मापदंड सूचनापरक है और ग्राहकों को सेवा अथवा उत्पाद के लिए ऑनलाइन अनुरोध आसानी से करने का विकल्प प्रदान करता है जबकि प्राप्त अनुरोधों की एक ऑनलाइन जानकारी रखी जाती है।

अपने ग्राहकों के साथ हमारे संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू उनके साथ बार–बार होने वाली बातचीत की बारंबारता है। यह बेहद आवश्यक है कि हमारे ग्राहकों को हमारे उत्पादों तथा उनके प्रयोग के संबंध में होने वाले नवीनतम विकास के बारे में सूचना प्रदान की जाती रहे। इसके अतिरिक्त यह भी महत्वपूर्ण है कि हम उनके प्रश्नों और समस्याओं को जानें। इस संवाद का अवसर उपलब्ध कराने के लिए हम पूरे देश में अपने विपणन कार्यालयों के माध्यम से ग्राहक सम्पर्क कार्यक्रम आयोजित करते हैं। वित्तीय वर्ष 2010–11 में विभिन्न उत्पाद वर्गों जैसे गैस, पेट्रोकेमिकल इत्यादि के लिए भोपाल, कोटा, कोलकाता, लखनऊ, गोवा एवं नई दिल्ली के साथ अन्य शहरों में कई बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों ने उत्पादों के प्रयोग के कई पहलुओं को उजागर किया जैसे कि गेल के उत्पादों (विशेषकर पेट्रोकेमिकल) के संभावित प्रयोग के संबंध में सूचना, मौजूदा बाजार स्थितियों, उत्पाद के प्रयोग को प्रभावित करने वाले स्थानीय

सीएनजी स्टेशन

विकास उत्पाद सुरक्षा, मूल्य निर्धारण, छूट और उपलब्धता। ये सत्र हमारे व्यवसाय में हमारे ग्राहकों का विश्वास बढ़ाने में अत्यधिक लाभदायक हैं। हम उनके साथ त्यौहार मनाकर तथा संपर्क बैठकों के आयोजन के माध्यम से भी जुड़ते हैं।

सतर्कता की सिफारिश पर आगरा में हुई हमारी बैठक में ग्राहकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के हमारे द्वारा उत्तर दिए जाने का एक आदर्श उदाहरण है। ग्लास निर्माता एसोसिशनों और जिला प्रशासन के साथ आयोजित इस बैठक ने हमारे समक्ष पारदर्शिता तथा आरएलएनजी का फॉल–बैक आधार पर अतिरिक्त आबंटन करने में प्राथमिकता निर्धारित करने संबंधी मुद्दों को प्रस्तुत किया। इस बैठक की अनुवर्ती कार्रवाई के तौर पर हमारी टीम ने फिरोजाबाद सिटी गैस स्टेशन की ओएसएम गतिविधियों की समीक्षा की और इस क्षेत्र की छह कंपनियों का अचानक निरीक्षण किया। पर्यवेक्षणों के आधार पर हमने फिरोजाबाद क्षेत्र में अपने ग्राहकों को पारदर्शी रूप से गैस आबंटन करने के लिए स्काडा का कार्यान्वयन आरम्भ किया है। दो चरणों में इस पद्धति को सभी 182 ग्राहकों के लिए कार्यान्वित करने की योजना है।

वर्ष के दौरान हमें गैस मापन और केलीब्रेशन संबंधी अशुद्धियों के संबंध में ग्राहकों से फीडबैक प्राप्त हुए। अपने सतर्कता अनुभाग की सिफारिशों के आधार पर हमने अपनी गैस मापन प्रणाली में सुधार के लिए कई उपाय किए हैं, जिनमें शामिल हैं:

- मापी जाने वाली गैस की मात्रा के अनुरूप विशेषताओं के साथ डिफरेंशियल दबाव ट्रांसमीटरों और ओरिफिस मीटरों की स्थापना करना।
- कार्यस्थलों को लेखा–परीक्षा निष्कर्षों के रिकार्ड रखने; कनफिगुरेशन लॉग, अनुरक्षण लॉग तथा गलत लॉग मापने और अंशशोधन लॉग रखने के अनुदेश देना।
- हेराफरी को रोकने के लिए कनफिगुरेशन पोर्ट को सील करने के लिए मुद्रित संख्या, प्लास्टिक सील टेप और प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षरों का प्रयोग करना।
- अशुद्धियों से बचने के लिए गैस क्रोमोटोग्राफ और फ्लो कंप्यूटर के बीच गुरुत्वाकर्षण और तापमान संबंधी आंकड़े मापने के लिए डिजीटल संचार का प्रयोग करना।

हमारे उत्पादों के प्रति ग्राहकों में विश्वास का पता लगाना

प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल में आगे बढ़ने और ग्राहकों को अच्छी सेवा प्रदान करने के लिए गेल ने ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) वित्त वर्ष 2006–07 से लागू किया था। इस सर्वेक्षण और उसके परिणामों ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ हमारे विचार–विमर्श में अपनी उपयोगिता सिद्ध की और इस प्रकार यह उस कार्य–निष्पादन समझौता–ज्ञापन का हिस्सा बन गया, जिस पर हम प्रतिवर्ष पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ हस्ताक्षर करते हैं। इस मूल्यांकन में प्रयुक्त प्रश्नावली को हमारे समग्र गुणवत्ता प्रबंधन विभाग के निगमित स्तर के साथ क्षेत्रीय कार्यालयों तथा प्रतिष्ठित परामर्शदाताओं की अच्छी सलाह के बाद तैयार किया गया था। अधिकतम प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नावली को ऑनलाइन तथा पुस्तक के रूप में उपलब्ध करवाया गया है। हमारी प्रश्नावली उत्पाद उत्तरदायित्व के महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करती हैं जैसे उत्पाद गुणवत्ता, तकनीकी सहायता, पैकिंग, सामग्री वितरण, सेवा की गुणवत्ता और ग्राहक की चिन्ताएं/समस्याएं। वार्षिक सीएसआई मूल्यांकन के दौरान अभ्यास में हमारे कारोबार के सभी पहलू शामिल हैं। ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर प्रत्येक तिमाही के लिए सीएसआई की गणना की जाती है। सीएसआई को संगठन के विभिन्न स्तरों पर उनके एकल कार्यनिष्पादन को जानने के लिए मापा जाता है जैसे व्यवसाय भाग, क्षेत्रीय कार्यालय, और समस्त भाग। सीएसआई स्कोर के संबंध में आंतरिक कार्रवाई और निर्णय लिए जाते हैं और इसे 88ः तक बढ़ाने के लिए उपाय किए जाते हैं।

ग्राहक जागरुकता वर्धन

प्राकृतिक गैस के विभिन्न उपयोगों के संबंध में ग्राहकों की जागरुकता बढ़ाने के लिए हम विशेष जागरुकता सत्र और अभियान चलाते हैं। इसका दोहरा लाभ है, यह जहां एक ओर ग्राहकों की जागरुकता बढ़ाता है वहीं दूसरी ओर कंपनी के लिए विपणन का एक माध्यम है। अलीबाग, महाराष्ट्र में हमारा पीयूसी कैंप आयोजित करने का प्रयास इस संबंध में सफलता की कहानी बयान करता है। वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान हमारी उसर इकाई ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी राज्यों की परिवहन बसों के लिए निःशुल्क पीयूसी कैंप का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कार्यशाला कार्मिकों, बस चालकों, और परिचालकों, पत्रकारों तथा आम जनता ने भाग लिया। इस कार्य के परिणामस्वरूप राज्य परिवहन की बसों और उनके प्रदूषण स्तर के संबंध में आंकड़े एकत्रित हो गए। इस प्रयास से राज्य परिवहन निगम के अनुरक्षण, विभागों को उन वाहनों पर अपना ध्यान केन्द्रित करने में मदद मिली जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। इस तरह अच्छे रखरखाव के साथ–साथ पर्यावरण के प्रति जागरुकता में भी सुधार आया।

उत्पाद मूल्य निर्धारण में अपना योगदान देना

गेल भारतीय बाजार में तरल हाइड्रोकार्बन (एलएचसी) उत्पादों का महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है। अपनी स्थिति को जानते हुए और अपने ग्राहकों को वहनीय उत्पादों की आपूर्ति में अपनी भूमिका के महत्व को समझते हुए हमने एलएचसी उत्पादों के मूल्य निर्धारण के लिए प्रक्रिया तैयार करने तथा गेल में मूल्य निर्धारण पद्धति में सुधार करने के लिए एक पारदर्शी 'एलएचसी उत्पाद मूल्य निर्धारण नीति' विकसित की है। इस नीति के भाग के तौर पर एलएचसी उत्पादों के सभी मूल्यों को उचित स्तर पर मूल्य निर्धारण समिति द्वारा प्रस्तावित किया जाता है। हमारी एलएचसी उत्पाद मूल्य निर्धारण नीति के साथ–साथ पॉलीमर मूल्य निर्धारण नीति हमारे उत्पादों का मूल्य सुनिश्चित करती हैं जो ग्राहकों को सस्ते उत्पाद प्रदान करने के लिए गतिशील बाजार स्थितियों के अनुरूप होती है।

ग्राहकों के साथ वार्तालाप

अपने ग्राहकों हेतु मूल्य सृजन

अभिनव परिवर्तन लाना

गेल अपने प्रचालनों में अभिनव परिवर्तन लाने की आवश्यकताओं पर अत्यधिक बल देता है। अभिनवता हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, भले ही इससे प्रचालन लागत में कमी आए, दक्षता बढ़े, बाजार से कुछ अलग बने अथवा एक प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता प्रदान हो। यह भारत की स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए नए ऊर्जा संसाधनों का पता लगाने में सहायता प्रदान करता है। वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान हमने ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार पॉलीमर ग्रेडों की विशेषताओं जैसे मेल्ट फ्लो इंडैक्स, प्रोसेस योग्यता और सतही चिकनाहट इत्यादि में सुधार करके सफलतापूर्वक विकास/संशोधन किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप हमारे ग्राहकों की प्रक्रिया में सुधार और बचत हुई है। चूंकि हम भारत में पहले दो पेट्रोकेमिकल उत्पादक में से एक बनने का प्रयास कर रहे हैं इसलिए हम अनुसंधान एवं विकास द्वारा यह सुनिश्चित करने में निभाई जाने वाली भूमिका को देख सकते हैं कि हमारे उत्पाद बाजार में उपलब्ध उसी प्रकार के उत्पादों से निश्चित रूप से अलग हों तथा हमारे उत्पादों में गुणात्मक सुधार हो। हम इस क्षेत्र में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए एक अनुसंधान एवं विकास नीति बनाने की प्रक्रिया में लगे हैं। वर्तमान में हमारा अनुसंधान एवं विकास अनुभाग निम्नलिखित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कार्य कर रहा है:

- हाइड्रोजन के उत्पादन, भण्डारण और अनुप्रयोग में अनुसंधान प्रयास
- भूमिगत कोयला गैसीकरण
- कचरा गैस से सीएनजी
- अपशिष्ट प्लास्टिक को मूल्य संवर्धित हाइड्रोकार्बन में बदलना
- प्राकृतिक गैस के अवशोषक का विकास
- हाइड्रोकार्बन के गैर–परपंरागत उपयोग
- नए पोलीमर ग्रेडों का विकास

एलएफजी से सीएनजी – गेल द्वारा विकसित एक संभावना

शहर के कचरे (अथवा नगरनिगम के ठोस अपशिष्ट स्थल) से उत्पन्न कचरा गैस वैश्विक स्तर पर मीथेन उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत है। दिल्ली नगर निगम के साथ की गई एक अद्वितीय पहल से हमने इस कचरे से उत्पन्न गैस का शोधन करने और इसे हमारे सीएनजी और पीएनजी उत्पादों में वाणिज्यिक प्रयोग करने के लिए उपयुक्त बनाने हेतु एक अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम आरम्भ किया है। दिसंबर 2010 में आरंभ होने के बाद हम अभी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। इस परियोजना की सफलता हमारे प्रचालनों में कचरे को ऊर्जा उत्पादों में जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

गेल पोलीमरों के विविध प्रयोग

सामुदायिक विकास में योगदान

हम जहां भी कार्य करते हैं, समुदाय का एक हिस्सा होते हैं। हमारे प्रचालन और परियोजनाएं स्थानीय कार्यशील जनसंख्या के लिए आजीविका का सृजन करती हैं और हम समुदाय को विकास परक लाभ दिलाते हैं।

सामुदायिक विकास में योगदान

हम अपने समुदायों के साथ मिलकर उनके विकास में सहायता करते हैं, उनकी मुख्य सामाजिक समस्याओं को कम करने के प्रयास के साथ–साथ हमारे प्रचालनों के संभावित नकारात्मक प्रभावों को कम करने का भी प्रयत्न करते हैं। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति हमारी प्रतिबद्धता 1990 के दशक में सरकार द्वारा प्रोत्साहित पुनर्वास गतिविधियों का पालन करने से कहीं बढ़कर आज एक संगठित मार्गदर्शन के साथ एक विशिष्ट व्यवसाय कार्य बन गया है। हमारे सामुदायिक कार्यक्रमों को अब निम्नतम स्तर पर आवश्यकता की पहचान और मूल्यांकन कार्य की एक कठिन प्रक्रिया के माध्यम से तैयार किया जाता है और इसमें कई कल्याणकारी और विकासात्मक गतिविधियां शामिल होती हैं। सभी कार्यक्रमों को सात बृहद 'महत्वपूर्ण क्षेत्रों' सामुदायिक विकास, अवसंरचना, जल और स्वच्छता, साक्षरता बढ़ाना, शैक्षणिक सहायता, और पर्यावरण संरक्षण तथा स्वास्थ्य के अन्तर्गत तैयार किया जाता है। एक ऐसे संस्थान के रूप में जो अपने प्रचालनों के माध्यम से महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य सृजित करता है, हम उन समुदायों का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे प्रचालन के दौरान कच्ची सामग्री, जनशक्ति और सहायता प्रदान करके हमारी सफलता में योगदान देते हैं। हम महसूस करते हैं कि उनकी मुख्य समस्याओं पर विचार करके और उनके समाधान का प्रयास करके हम उनके सर्वांगीण विकास में योगदान देते हैं।

वित्त वर्ष 2010–11 में हमने सामुदायिक गतिविधियों में प्रतिभागिता और प्रतिबद्धता में संवर्द्धन हेतु सीएसआर नीति को और परिष्कृत किया है। सीएसआर प्रक्रियाओं को आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों का पता लगाने के लिए अधिक प्रभावी प्रणाली सुनिश्चित करके बड़े परिश्रम से बनाया गया है जिसके उपरांत उनकी एक सशक्त कार्यान्वयन योजना बनाई जाती है। सार्थक परियोजनाएं बनाने के लिए कड़े परिश्रम के एक भाग के तौर पर विभिन्न कार्यों के प्रमुखों की सदस्यता वाली निगमित स्तर पर सभी विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक समिति का गठन किया गया है। हमने बोर्ड स्तर की एक सीएसआर उप–समिति का गठन अपने सामाजिक कार्यों के निष्पादन को बढ़ाने के लिए किया है। इसके अतिरिक्त, हमने विगत वर्ष के कर पश्चात लाभ के 2% का निर्धारण वार्षिक तौर पर सीएसआर परियोजनाओं के लिए किया है जिसका मुख्य ध्यान अंतर को पाटना तथा समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। हमारी संवर्द्धित सामाजिक प्रतिबद्धता के सुदृढ़ीकरण के रूप में वित्तीय वर्ष 2011–12 से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ हस्ताक्षर किए जाने वाले समझौता–ज्ञापन में सीएसआर कार्य निष्पादन सूचकांकों को शामिल किया गया है।

हम अपने प्रमुख प्रचालन कार्य स्थलों और परियोजनाओं पर सीएसआर परियोजनाओं की योजना बनाने और कार्यान्वयन करने के लिए एक योजनाबद्ध दृष्टिकोण का अनुपालन करते हैं जो इस प्रकार हैं –

- **कार्यक्रमों की पहचान**

  ऐसे कार्यक्रमों की पहचान करना बेहद जरूरी है जो समुदायों पर अधिक प्रभाव डाल सके। यह व्यावसायिक एजेंसियों द्वारा आवश्यकता–पहचान अध्ययन करके, विभिन्न कार्यस्थलों पर सभी विभागों की एक टीम द्वारा आंतरिक आवश्यकता मूल्यांकन करके तथा स्थानीय सरकार से प्रस्ताव प्राप्त करके किया जाता है और उसके उपरांत स्थानीय प्रतिनिधियों और लोक निकायों के साथ विचार–विमर्श और फीडबैक सत्र आयोजित किए जाते हैं। कार्य स्थल स्तर पर पहचाने गए कार्यक्रमों का निगमित सामाजिक दायित्व विभाग और विभागीय प्रमुखों की एक अन्तर विभागीय समिति द्वारा अनुमोदन प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले कॉरपोरेट स्तर पर जांच की जाती है।

- **कार्यक्रम का स्थायित्व सुनिश्चित करना**
  हमने परियोजना आधारित जवाबदेही दृष्टिकोण के साथ पूर्वनिर्धारित समय–सीमा और परियोजना लक्ष्यों के माध्यम से सी.एस.आर. कार्यक्रमों की पहचान और कार्यान्वयन करने के लिए एक आंतरिक प्रणाली की स्थापना की है। हम सुनिश्चित करते हैं कि सभी संबंधित लक्ष्यों और उद्देश्यों के पूरा होने के पश्चात् गेल के छोड़ने के उपरांत भी ये परियोजनाएं विद्यमान रहें।

- **कार्यक्रम कार्यान्वयन**
  निदेशक मंडल की सीएसआर समिति द्वारा वार्षिक आधार पर अनुमोदित सीएसआर कार्यक्रमों को बाह्य कार्यान्वयन एजेंसियों जैसे एनजीओ, सरकारी निकायों और अन्य निकायों के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन की निगरानी विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों वाले एक स्थानीय सीएसआर कार्यबल द्वारा किया जाता है। हम एक ढांचागत अनुबंध को अपनाते हैं जिस पर कार्यान्वयन करने वाले भागीदार के हस्ताक्षर होते हैं और इसमें प्रतिबद्धताओं, कार्यसूची, भुगतान योजनाओं, इत्यादि की विस्तृत जानकारी शामिल होती है।

- **निगरानी और फीडबैक**
  प्रत्येक सीएसआर कार्यक्रम की प्रगति का पता लगाने के लिए एक सशक्त निगरानी प्रणाली महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि इससे हम समयबद्ध और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित कर सकते हैं। गेल के प्रत्येक प्रचालनरत कार्य केन्द्र इकाई को कार्यान्वयन अधीन परियोजनाओं की प्रगति की एक मासिक रिपोर्ट भेजनी होती है। इन रिपोर्टों को एकत्रित करके एक विस्तृत मासिक सीएसआर रिपोर्ट तैयार की जाती है जिसे समीक्षा के लिए कार्यकारी निदेशक को भेजा जाता है। यह हमारे वार्षिक सीएसआर कार्यक्रमों की निगरानी करने और सुधारात्मक कार्यवाही करने में हमारी सहायता के लिए महत्वपूर्ण होती है। प्रमुख परियोजनाओं के कार्यान्वयन की दक्षता और प्रभाव का तटस्थ रूप में मूल्यांकन करने के लिए आंतरिक मूल्यांकन के अलावा तृतीय पक्ष मूल्यांकन किया जाता है।

सामुदायिक विकास

हमारे अधिकतर प्रचालन विकासात्मक आवश्यकताओं जैसी मूलभूत सुविधाएं रहने की स्थिति, रोजगार तथा अन्य आर्थिक–सामाजिक मुद्दों वाले दूर–दराज के क्षेत्रों में स्थित हैं। गेल ने गांवों के जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिए सार्वजनिक सुविधाओं और अवसंरचना के निर्माण और पुनरुद्धार के लिए सहायता प्रदान की है। गांवों के ऐसे कई समूह हैं जिनमें पिछले कई वर्षों से आर्थिक विकास कम हुआ है। हम इन परिवारों विशेषकर छोटे और सीमान्त किसानों के लिए आजीविका कार्यक्रम चलाते हैं ताकि लोगों का सतत् सामाजिक–आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सके, जो देश में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं। हम तेल तथा गैस क्षेत्र के अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ मिलकर राजीव गांधी, ग्रामीण गैस वितरक योजना के अंतर्गत इन परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

हमारी सामुदायिक विकास गतिविधियां बच्चों के विकास पर भी केन्द्रित होती हैं क्योंकि बच्चे देश का भविष्य हैं। वर्ष के दौरान हमने मध्याह्न भोजन योजनाओं के लिए वाहन उपलब्ध कराए हैं। हमने झाबुआ, मध्य प्रदेश के एक अनाथ आश्रम में जनजाति के असहाय बच्चों को उनके बेहतर जीवन के लिए अपनाया और उनके लिए एक अच्छा भविष्य भी सुनिश्चित किया। विजयपुर में हमने कंप्यूटर शिक्षा में सहायता प्रदान करने के लिए राघोगढ़, जिला गुना में समेकित बाल विकास परियोजना के लिए कंप्यूटर अवसंरचना भी प्रदान किया है। दो वर्षों के दौरान हमने 'सामुदायिक विकास' विषय के अंतर्गत अपनी गतिविधियों के माध्यम से 314,000 से अधिक परिवारों को लाभ पहुंचाया है।

पाता, उत्तर प्रदेश में सड़कों के निर्माण द्वारा गांवों को जोड़ना

सामुदायिक विकास में योगदान

पेयजल/स्वच्छता

ग्रामीण भारत का एक बड़ा हिस्सा अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वच्छ पेयजल के लिए संघर्षरत है। स्वच्छ पेयजल की कमी ने प्रतिदिन भारत की जनसंख्या के एक बड़े भाग को असुरक्षित स्रोत से पानी का उपयोग करने पर मजबूर कर दिया है। अपने प्रचालनगत कार्यस्थलों के आसपास कई स्थानों पर इस समस्या को जानते हुए हमने पीने के पानी के लिए आधारभूत ढांचा और उपलब्धता में सुधार करने के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्ष के दौरान स्थानीय सफाई और स्वच्छता संबंधी आदतों में सुधार के लिए हमारे समस्त प्रचालनगत कार्यस्थलों पर नाली निर्माण, बोरवैल, ट्यूबवैल, हैंडपंप, ओवरहैड टैंक और पानी भण्डारण की कई परियोजनाओं को आरम्भ किया है। कुछ मुख्य प्रयासों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- नसीराबाद की 37 ग्राम पंचायतों को पंपसेट और बोरवैल के माध्यम से पीने की व्यवस्था।
- आगरा जिले में गेल के संस्थापनों के आसपास के गांवों में 1000 हैंडपम्प लगवाना।
- ओरैया जिले की पाता इकाई के पास शौचालय और मूत्रालयों का निर्माण करना।
- आबू रोड कार्य केन्द्र के पास स्थित जनजाति विकास प्राधिकरण के होस्टल में पूर्ण स्वच्छता प्रणाली का विकास करना।

शिक्षा/साक्षरता में वृद्धि

हमारा विश्वास है कि देश के आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में बेरोजगारी को बहुत हद तक घटाने में हमारे आसपास की शैक्षणिक अवसंरचना में वृद्धि से साक्षरता में सुधार करने में सहायता मिल सकती है। हम इस मुद्दे का समाधान कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से करते हैं और इनके उपरांत सशक्तिकरण और सामाजिक–आर्थिक संपोषण को सुगम बनाकर आजीविका के अवसर पैदा करते हैं। वर्ष के दौरान हमने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में झुग्गी–झोंपड़ियों में रहने वाले बच्चों के लिए 'पढ़ो और बढ़ो' कार्यक्रम के तहत 100 अनौपचारिक केन्द्रों की स्थापना की है जिसमें आज की तारीख तक हमने लगभग 3000 विद्यार्थियों को शामिल किया है, हमने इस परियोजना में 5000 विद्यार्थियों को शामिल करने के लिए पांच वर्ष की अवधि निर्धारित की है।

हमने अपने उन दो प्रमुख कार्यक्रमों के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपने प्रयास जारी रखे हैं जिन्होंने कई वर्षों से सीएसआर प्रयासों में हमारी सफलता की कहानी लिखी है – 'गेल उत्कर्ष' और 'ई–शिक्षा'। वर्ष के दौरान हमने इनका प्रभाव बढ़ाने और हमारे कार्यस्थल के नजदीक स्थित गांवों को इसमें शामिल करने के लिए इन दो प्रयासों में अपने कार्य में वृद्धि की है। ये कार्यक्रम क्रमशः आईआईटी–जेईई की कोचिंग और कंप्यूटर साक्षरता पर केन्द्रित हैं, इनका उद्देश्य बच्चों में ऐसी क्षमताओं का विकास करना है जो उनका भविष्य उज्जवल बनाने हेतु उन्हें सशक्त आधार प्रदान कर सके। गेल अपने कार्यस्थलों के आसपास साक्षरता अवसंरचना बढ़ाने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है। इस संबंध में हम गांवों में स्थित सरकारी विद्यालयों में कक्षा कमरों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, होस्टलों, शौचालयों इत्यादि के निर्माण में सहायता प्रदान कर रहे हैं। हम असम में एक पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के लिए तेल क्षेत्र की एक अन्य पीएसई के साथ सहयोग कर रहे हैं।

जल अवसंरचना का विकासः गेल ने अपनी स्थापनाओं के आसपास जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पहल की है

"ई–शिक्षा" विजयपुर और पाता के नजदीकी गांवों में शिक्षा के लिए सहायता प्रदान करना

ई–शिक्षा हमारा शिक्षा विषय के अंतर्गत एक अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। हमने सेल्फ सस्टेंड पॉवर इक्विप्ड मोबाइल वाहनों में योग्य अनुदेशक और शिक्षण सहायक सामग्री के साथ कंप्यूटर प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। इनका नियमित कंप्यूटर स्कूल पाठ्यक्रम वाले छात्रों के लिए शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में तथा वयस्कों के लिए अनुदेशकों की सहायता से टाइपिंग और कंप्यूटर साक्षरता पाठ्यक्रम हेतु प्रयोग किया जाता है। इस योजना को विजयपुर और पाता इकाइयों में प्रयोग के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रयास से सबसे महत्वपूर्ण लाभ यह हुआ है कि आसपास के गांवों में कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी के बारे में जागरुकता बढ़ी है। इसके अतिरिक्त हमारा एनजीओ भागीदार पाठ्यक्रम की सफलतापूर्वक समाप्ति के पश्चात् मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अनुमोदित मान्यताप्राप्त पाठ्यक्रमों के लिए प्रमाण–पत्र भी देता है। इससे कई सफल उम्मीदवारों को स्थानीय ठेकेदारों के पास लिपिक और बुक कीपर के रूप में रोजगार पाने में सहायता मिली है। विगत तीन–चार वर्षों में इस कार्यक्रम ने लगभग 2500 युवाओं की कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाने और रोजगार संवर्द्धन में सहायता की है।

'गेल उत्कर्ष' – ग्रामीण बच्चों को प्रवेश परीक्षाएं उत्तीर्ण करने के लिए तैयार करना

आईआईटी–जेईई और एआईसीईई देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाएं हैं जो हजारों बच्चों के सामने प्रतिष्ठित आईआईटी और एनआईटी संस्थानों में अध्ययन करने का अवसर उपलब्ध करवाती हैं। इन प्रवेश परीक्षाओं के लिए कोचिंग हमारे देश में काफी लोकप्रिय है विशेषकर शहरी क्षेत्रों में। तथापि, ऐसी कोचिंग कक्षाओं तक सामान्यतः ग्रामीण जनसंख्या की पहुंच संभव नहीं है क्योंकि वहां इस तरह के कोचिंग केन्द्रों की कमी है और इनकी फीस बहुत अधिक होती है। गेल ने 'गेल उत्कर्ष' नाम से एक परियोजना का आरंभ आर्थिक रूप से पिछड़े गांवों में रहने वाले योग्य बच्चों को ऐसी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क आवासीय कोचिंग प्रदान करके उनको एनआईटी/आईआईटी में पढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराने में सहायता प्रदान करने के लिए किया है। रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति के बाद हमने आर्थिक रूप से पिछड़े 65 विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में सफलतापूर्वक शामिल होने में सहायता की है। वित्तीय वर्ष 2010–11 में आठ विद्यार्थियों ने आईआईटी जेईई – 2011 उत्तीर्ण की, 3 ने इसरो और 36 ने एनआईटी/यूपीटीयू परीक्षा उत्तीर्ण की जो हमारे प्रयास की बेहतरीन उपलब्धि थी। इस परिणाम से प्रोत्साहित होकर हमने वित्तीय वर्ष 2011–12 में 100 विद्यार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य बनाया है।

पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारे प्रयास केवल प्रचालनों तक ही सीमित नहीं है। हमने इस उत्तदायित्व का उन समुदायों में पर्यावरणीय अवसंरचना को विकसित करने अथवा उसमें सहायता करने तक विस्तार किया है जहां हम प्रचालनरत हैं। हमारे सभी प्रचालन स्थलों में हमने ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 से अधिक सोलर लाइटें वितरित की हैं, जहां बिजली की अत्यधिक कमी है। हमने इस संबंध में सोलर उत्पादों में विशेषज्ञता वाले सीईएल टाटा बीपी सोलर और अन्य संगठनों के साथ सहयोग स्थापित किया है। हमारे संयंत्र स्थानों के पास अधिकतर क्षेत्रों में जल प्रबंधन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वर्ष के दौरान हमने जल अवसंरचना में सुधार करने के लिए वर्षा–जल संरक्षण, भूमिगत जल का पुनः उपयोग, रोक बाधों का निर्माण इत्यादि के माध्यम से कई परियोजनाएं आरम्भ की हैं।

गेल वन्य जीव संरक्षण परियोजनाओं का प्रबल समर्थक है। हमने 'बाघ बचाओ' परियोजना में मालेनाड–मैसूर बाघ संरक्षण क्षेत्र में वाहनों के योगदान के साथ–साथ मेलिनाहुलुवथी, भद्रा वन्य जीव रिजर्व में फील्ड अनुसंधान केन्द्र की स्थापना (वन्य जीव अध्ययन केन्द्र बैगलोर के माध्यम से क्रियान्वित) की और भारतीय वन्य जीव ट्रस्ट के माध्यम से मानस नेशनल पार्क में मोबाइल

ज्ञान की शक्तिः शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत गेल की ई–शिक्षा पहल, शिक्षा सहायक उपकरणों, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं, मोबाइल वाहनों, आदि उपलब्ध कराने पर केन्द्रित है

वेटेरिनरी सेवा इकाई चलाई जा रही है। वर्ष के दौरान गेल ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कई और प्रयास किए। इनमें दिल्ली में गैस आधारित शवदाहगृह का विकास और झुग्गी बस्तियों में रहने वालों गरीबों के लिए बायोगैस संयंत्र की स्थापना करना जहां गेल द्वारा आपूर्ति की जाती है।

अवसंरचना

उचित अवसंरचना का अभाव उन सभी क्षेत्रों की एक मुख्य समस्या है जहां हमारे संयंत्र स्थित हैं। जहां हमने अपने कार्यस्थलों का विकास किया है, वहीं हमने इन क्षेत्रों में गांवों को गोद लेने के कार्यक्रमों, आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण, सामुदायिक केन्द्रों की ग्रामीण सांस्कृतिक गतिविधियों में सहायता हेतु स्थापना और पर्याप्त सड़क अवसंरचना विकास के माध्यम से अवसंरचना विकास भी किया है।

विजयपुर के निकट एक जल अवसंरचना का विकास

विजयपुर, मध्य प्रदेश स्थित हमारे संयंत्र के आसपास के गांवों को फसलों के लिए अनिश्चित मानसून पर निर्भर रहना पड़ता है और प्रायः उन्हें वर्ष के बाकी समय आजीविका के लिए प्रवास करना पड़ता है। पानी के अभाव और प्रवास दोनों समस्याओं ने इन गांवों के विकास को प्रभावित किया है। हमने इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए वांछित जल अवसंरचना की स्थापना के महत्व को महसूस किया है। हमारे हस्तक्षेप से रोक बांध और कार्य केन्द्र के पास जल आवाह क्षेत्र बनाना शामिल है। इससे पानी के प्रयोग और उसके पुनः प्रयोग को आसान बनाने के साथ–साथ मत्स्य पालन के अवसर भी उपलब्ध करवाए हैं। इन लाभान्वित गांवों के किसान इन रोक बांधों से पानी का प्रयोग कृषि और पशुपालन के लिए कर रहे हैं। हमें गैर मानसून महीनों के दौरान गांव के युवाओं के प्रवास को रोकने में सफलता मिली है।

कौशल विकास/सशक्तिकरण

कौशल विकास को हमेशा से विकास को आगे बढ़ाने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण साधन समझा जाता है और गेल कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए सदा से कार्य करता रहता है। हमने प्रभावी सशक्तिकरण और आत्म–निर्भरता को सरल बनाने के कई प्रयासों में योगदान दिया है। अपने कार्यान्वयन भागीदारों की सहायता से हम सिलाई और टेलरिंग पर प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए हमने कंप्यूटर आधारित दृश्य–वाचन कार्यक्रम तैयार किए हैं। आईएलडीएफएस समूह की सहायता से गुना, मध्य प्रदेश में एक कौशल विकास स्कूल की स्थापना की गई है जो ग्रामीण और अर्द्धशहरी युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। संदर्भाधीन वर्ष के दौरान प्रमुख कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले सभी 270 युवाओं को सफलतापूर्वक रोजगार दिलाया गया।

सपनो को साकार करते हुएः गेल ने हमेशा से लोगों को सिलाई और कढ़ाई का प्रशिक्षण देकर व्यक्तियों का दक्षता कौशल बढ़ाने की दिशा में कार्य किया है

परियोजना 'स्वावलंब' – गेल – आईएलएण्डएफएस कौशल स्कूल – बेरोजगार युवाओं को दक्षता प्रशिक्षण देना

गेल ने आईएलएण्डएफएस कौशल विद्यालय के साथ मिलकर वर्ष 2010 में अपनी प्रमुख परियोजना 'स्वाबलंब' की स्थापना ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं का कौशल बढ़ाने और रोजगार में वृद्धि करने के लिए की गई। यह कार्यक्रम उन लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जो परंपरागत रूप से कौशल विकास के दृष्टिकोण से प्रतिकूल स्थिति में होता है, जिसमें स्कूल छोड़ने वाले, कम अंक प्राप्त करने वाले गैर–स्नातक, महिलाएं, अन्य शैक्षणिक रूप से कम इच्छुक और पिछड़े समूह शामिल हैं। 6 से 8 सप्ताह वाले इस पाठ्यक्रम में गेल उम्मीदवारों को खुदरा और सुविधा प्रबंधन में प्रशिक्षित कराता है और उन्हें कंप्यूटर का प्रारंभिक ज्ञान उपलब्ध करवाता है। यह पाठ्यक्रम उम्मीदवारों को उच्च कंप्यूटर शिक्षा के साथ–साथ खुदरा और सुविधा प्रबंधन क्षेत्र की मांग को पूरा करने के लिए उनको रोजगार पाने के योग्य बनाता है। वर्ष के दौरान, 270 युवाओं ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया और नौकरी प्राप्त की।

कौशल संवर्द्धन कार्यक्रमों में ग्रामीण विकास मंत्रालय की सहायता

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए एक स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई) आरंभ की है। गेल ने गेल–आरोह कौशल विकास संसाधन प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से इस योजना में सहायता प्रदान की है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ पीपीपी मॉडल के अंतर्गत कार्यान्वित इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली और एनसीआर के ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बीच में पढ़ाई छोड़ने वालों को अनौपचा. रिक शिक्षा प्रदान करने के अतिरिक्त उन्हें प्राथमिक शिक्षा, अच्छी देखभाल और नैतिक प्रोत्साहन प्रदान करना शामिल है। इस परियोजना के अंतर्गत लगभग 7000 युवाओं को शामिल किया गया है। हमारा उद्देश्य इन कार्यक्रमों को चलाने के लिए अवसंरचना को बढ़ाकर आरोह कार्यक्रम का प्रभाव और पहुंच बढ़ाना है। इससे हम और अधिक बच्चों और समाज के अन्य शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों तक पहुंच सकेंगे। हमारे प्रयासों ने लक्षित बच्चों को तीन गुणा फायदा पहुंचाया है:

- अध्यापकों को पर्याप्त प्रशिक्षण देकर तथा पाठ्यक्रम में पूर्णतः सुधार करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना।
- परंपरागत रूप से शिक्षा के विरूद्ध ऐसे समुदायों के बीच दृष्टिकोण में बदलाव लाना और विश्वास पैदा करना।
- प्रणाली में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करके उनकी शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना।

स्वास्थ्य देखभाल/चिकित्सा

शिक्षा और अवसंरचना के साथ–साथ स्वास्थ्य सेवाएं देश में विकास संबंधी प्रयासों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक हैं। हमने समाज के सीमान्त वर्गों के लिए स्वस्थ जीवन हेतु सही स्थितियों का

उपचाररत हाथः स्वास्थ्य देखभाल के प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत शुरू किया गया एक प्रमुख कार्यक्रम दूर–दराज के क्षेत्रों में बुनियादी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल स्वास्थ्य देखभाल वाहन उपलब्ध कराना था

विकास करने, योग्य बनाने वाले अवसंरचना उन्नयन का लक्ष्य रखने वाले कार्यक्रमों में निवेश किया है। हमारे प्रयास प्रभावित क्षेत्रों में व्याप्त गंभीर बीमारियों को रोकने वाले कार्यक्रमों पर केन्द्रित हैं। गेल ने अपने कार्यस्थलों के आसपास स्थित कई जिला मुख्यालयों में टेलीमेडीसन केन्द्र स्थापित करने में सहायता प्रदान की है। ये केन्द्र प्रमुख चिकित्सा संस्थानों और अनुसंधान केन्द्रों से जुड़े हैं, तथा उपचार करने के साथ–साथ प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान करने में सहायक हैं। ये टेलीमेडीसन केन्द्र नियमित स्वास्थ्य कैंप आयोजित करते हैं जिसमें कैंसर, टीवी, थैलीसीमिया, मलेरिया इत्यादि सहित कई गंभीर बीमारियों पर ध्यान दिया जाता है। इन सब के अलावा, हम नियमित तौर पर अपने निकटवर्ती के समुदायों में कार्यक्रम आयोजित करते हैं जिसमें कुष्ठ रोगियों की पुनर्निर्माण सर्जरी, मोतियाबन्द ऑपरेशन, कैंसर का पता लगाना, टीबी उन्मूलन, मलेरिया उपचार, परिवार नियोजन और निःशुल्क दवाई वितरण सहित कई स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं। हमारी टाउनशिपों में स्थित अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र स्थानीय ग्रामीणों को भी उपचार और चिकित्सा सेवाएं मुहैया करवाते हैं। हमने अपने स्वास्थ्य अभियानों के लाभ को बाह्य समुदायों को भी प्रदान किया है। सामाजिक प्रतिबद्धता के भाग के तौर पर हमने बीमारियों जैसे मधुमेह, तनाव और हृदय विकार के संबंध में चिकित्सा शिविर और जांच भी आयोजित की है।

स्वस्थ भविष्य के लिएः हम विभिन्न प्रकार की बीमारियों और रोगों के लिए लगातार स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगा रहे हैं

सामुदायिक विकास में योगदान

पाइपलाइन नेटवर्क विस्तार और प्रचालन के दौरान सामाजिक प्रभावों का प्रबंधन

गेल के पास भारत में सबसे बड़ा पाइपलाइन नेटवर्क है जो विविधतापूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में फैला है। जबकि हम अधिक क्षेत्रों और ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए अपने नेटवर्कों का विस्तार कर रहे हैं, वहीं हम अपनी पाइपलाइनों के पास रहने वाले उन समुदायों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी पूरा करते हैं जिन पर इन प्रचालनों का अधिकतम प्रभाव पड़ता है।

एक विशिष्ट पाइपलाइन के लिए उपयोग के अधिकार की आवश्यकता होती है जिसके नीचे पाइपलाइन बिछती है। अपने अनुपालन और समुदायों के प्रति प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए हम उस भूमि के लिए उपयोग का अधिकार प्राप्त करते हैं जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जानी होती है। सांविधिक मानदंडों के अनुसार हम 15 से 30 मीटर चौड़ी भूमि के लिए उपयोग का अधिकार (आरओयू) प्राप्त करते हैं। योजना चरण के दौरान हम स्थानीय समुदायों के साथ–साथ राज्य सरकार द्वारा किसानों/भूमि के मालिकों की समस्याओं से सरकार को अवगत कराने और उनका अनुमोदन प्राप्त करने के लिए नियुक्त किए गए सक्षम प्राधिकारी के साथ भी विस्तृत विचार–विमर्श करते है। गेल पाइपलाइन बिछाने की अवधि से लेकर भूमि के संतोषजनक रूप से ठीक होने तक की अवधि तक संभावित फसल हानि की क्षतिपूर्ति का भुगतान करता है। पाइपलाइन निर्माण कार्य पूरा होने के पश्चात् आरओयू को किसान/भूमि मालिक की संतुष्टि तक वापस ठीक किया जाता है। समुदायों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने और उनकी समस्याओ को हमारे प्रचालन से संबद्ध करने के लिए गेल पाइपलाइन निर्माण के अनुबंध के भुगतान का 5% अपने पास रखती है और किसान/भूमि मालिक से यह अनापत्ति प्रमाण–पत्र कि वह फसल उत्पादन के लिए भूमि का फिर से प्रयोग कर करता है, प्राप्त करने के बाद राशि को जारी किया जाता है। इस संबंध में हम किसानों/भूमि मालिकों के हितों की पूरी तरह रक्षा करते हैं।

आरओयू प्राप्त करने के अलावा, सेक्शनेलाइजिंग वाल्व और मध्यवर्ती पिगिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए निदेशक बोर्ड के मानकों के अनुसार भूमि के एक टुकड़े की स्थायी तौर आवश्यकता होती है। इसके लिए बोर्ड वरिष्ठ अधिकारियों की एक बहु विभागीय समिति का गठन भूमि मालिकों से उस क्षेत्र के नवीनतम बाजार मूल्य पर भूमि के स्थायी तौर पर अधिग्रहण के लिए बातचीत करता है जिस पर यह भूमि अंतिम बार पंजीकृत की गई थी। अधिग्रहण गेल और भूमि मालिक के बीच हुई परस्पर सहमति के उपरांत किया जाता है। इस प्रकार जनता के साथ परामर्श महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में से एक है जिसका पाइपलाइन निर्माण के दौरान सख्ती से पालन किया जाता है।

गेल के विभिन्न सामाजिक दायित्व पहलों की एक दृश्यावली

आश्वासन विवरणी

गेल (इंडिया) लिमिटेड ने वर्ष 2010–11 के लिए अपनी निगमित स्थायित्व रिपोर्ट के स्वतंत्र आश्वासन को पूरा करने के लिए एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की है। आश्वासन प्रक्रिया एए 1000 एएस 2008) के अनुसार लागू की गई है। एए 1000 एएस (2008), तथा जीआरआई 2006 (जीआरआईजी3) में उल्लिखित अनुसार समग्रता, भौतिकता और उत्तरदायित्व के आश्वासन सिद्धांतों का मानदण्ड के अनुसार प्रयोग किया गया है जिसके आधार पर रिपोर्ट का मूल्यांकन किया जाएगा।

इस आश्वासन विवरण के वांछित प्रयोक्ता गेल की स्थायित्व विकास रिपोर्ट 2010–11 के पाठक हैं। गेल का प्रबंधन शेयरधारकों के साथ संपर्क बनाने, सामग्री मुद्दों की पहचान करने और रिपोर्ट में निहित सूचना को एकत्र और प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार है। आश्वासन कार्यकलापों का निष्पादन करने के लिए ईवीआई की जिम्मेदारी और कंपनी की शर्तों के अनुसार केवल गेल के प्रबंधन तक ही सीमित है। इसलिए हम किसी तृतीय पक्षकार के निर्णयों, चाहे निवेश के हों या अन्यथा, को स्वीकार नहीं करते या मामले, जिन्हें इस आश्वासन विवरण के आधार पर बनाया गया हो। ईवीआई को इस आश्वासन विवरण को छोड़कर किसी विवरण या आंकड़ों को तैयार करने में शामिल नहीं किया गया था, इस प्रकार पूर्ण स्वतंत्रता और निष्पक्षता बरती गई है।

आश्वासन का कार्यक्षेत्र

ईवीआई को एए 1000 एएस (2008) में निर्धारित अनुसार आश्वासन माडरेट स्तर टाइप 2 उपलब्ध कराने के लिए नियुक्त किया गया है। इस आश्वासन के कार्यक्षेत्र में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. समग्रता, भौतिकता और उत्तरदायित्व के सिद्धांतों तथा ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल जी3 दिशा–निर्देशों के सिद्धांतों का एए 1000 एपीएस (2008) के अनुपालन का मूल्यांकन करना।
2. अप्रैल, 2010 से मार्च, 2011 तक की अवधि के लिए विनिर्दिष्ट स्थायित्व निष्पादन सूचना की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करना।

हमारा दृष्टिकोण

आश्वासन विनियोजन नियोजित था और उसे जनवरी, 2012 में लागू किया गया था। प्रमाणित स्थायित्व आश्वासन प्रेक्टिशनर (सीएसएपी) के नेतृत्व में हमारे आश्वासन दल स्थायित्व और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में पुराना प्रदर्शन और अनुभव रखने वाले व्यावसायिक शामिल हैं। हमारे निष्कर्ष संगत सूचना की पहचान और एकत्र करने की प्रक्रियाओं और पद्धतियों की समीक्षा; रिपोर्ट की विषय–वस्तु और निष्पादन आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें शेयरधारक नियुक्ति की समीक्षा और गेल द्वारा अपनाई गई भौतिकता सुदृढ़ता प्रक्रिया की समीक्षा शामिल है। संगत दस्तावेज, प्रोसेस और प्रणाली के संबंध में हमारी टिप्पणियां तथा संबंधित विभागों के साथ बातचीत जिसमें विभिन्न स्टेकधारक शामिल हैं, समग्रता के सिद्धांतों, एए 1000 एएस (2008) के अंतर्गत आश्वासन हेतु अपेक्षित भौतिकता और उत्तरदायित्व पर हमारे आश्वासन का आधार है।

हमने निम्नलिखित मुख्य उपाय किए हैं:

1. कार्य स्थल दौरे: ईवीआई दल ने गेल की प्रसुविधाओं के एक प्रतिनिधित्व सेट का दौरा किया है जिसमें चार गैस प्रोसेसिंग संयत्र (पाता, विजयपुर, वाघोडिया, गंधार), एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र (पाता), दो गैस कंप्रेसर स्टेशन (वाघोडिया, विजयपुर) और एक एलपीजी पंपिंग स्टेशन शामिल है ताकि आंकड़ों और आंकड़ा मालिकों के साक्षात्कार कर स्रोतों का मूल्यांकन किया जा सके। हमने दिल्ली में निगमित कार्यालय और गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई), नोएडा का भी दौरा किया है।
2. साक्षात्कार: कार्य स्थलों पर डाटा मालिकों का साक्षात्कार लेने के अलावा, हमने स्टेकधारक नियुक्ति तथा गेल में भौतिकता निर्धारित करने की प्रक्रिया को समझने के लिए वरिष्ठ प्रबंधन के अनेक प्रतिनिधियों का भी साक्षात्कार लिया।
3. आंकड़ा सटीकता जांच: रिपोर्ट में विभिन्न संकेतकों के अंतर्गत दर्शाई गई सूचना का आंकड़ा एकत्र करने और उसका सूचना के स्रोत से मिलान करके सत्यापन किया गया था। हमने विभिन्न दस्तावेजों और स्रोतों के नमूनों जैसे आंतरिक एसएपी प्रणाली, बीजक, कार्य आदेशों, विनियामक निकायों को प्रस्तुत रिपोर्टों; उपयोगिता बिलों, अंतर विभागीय संचार आदि तथा ऑन–साइट निरीक्षण और टिप्पणियों पर विश्वास किया है। कुछ स्थलों में हमें कंपनी के आंतरिक दस्तावेज पर विश्वास करना पड़ा था। हमने नजरअंदाज के अवसर को न्यूनतम करने के लिए दो अलग–अलग स्रोतों से प्रति सत्यापन करने का प्रयास किया है।

रिपोर्ट के आर्थिक खण्ड में कंपनी का वित्तीय निष्पादन या उपलब्ध कराई गई सूचना को गेल की वेबसाइट (www.gailonline.com) पर उपलब्ध लेखा–परीक्षित वार्षिक रिपोर्ट से सीधे लिया गया था।

आश्वासन विवरणी

सीमाएं और अपवर्जन

1. आश्वासन का कार्यक्षेत्र रिपोर्ट में परिभाषित की गई सीमा है और 1 अप्रैल, 2010 से 1 मार्च, 2011 तक सीमित है।

2. आश्वासन सामग्रियों जैसे उपयोग सामग्री की मालसूची, अपशिष्ट पदार्थों से उत्पन्न उत्सर्जन और बहिःस्राव आदि की वास्तविक पुष्टि के अधीन नहीं है। आश्वासन कंपनी द्वारा तैयार किए गए अथवा किसी अन्य तीसरे पक्ष डाटा कंपनी को उपलब्ध कराए गए दस्तावेज पर निर्भर है।

3. आश्वासन के कार्यक्षेत्र में कंपनी की पद्धति, रणनीति, उद्देश्य, आशाओं, अपेक्षाओं अथवा विश्वासों अथवा इरादों की व्याख्या करने वाले रिपोर्ट के विवरण शामिल नहीं है।

निष्कर्ष

अपनी समीक्षा के आधार पर हम निम्नलिखित निष्कर्षों पर पहुंचे हैं: हमारी राय में, गेल की पहली स्थायित्व रिपोर्ट कंपनी द्वारा की गई स्थाई विकास पहलों का उपयुक्त प्रतिनिधित्व करती है। यह रिपोर्ट कंपनी की अधिकतर प्रसुविधाओं को निष्पादन आंकड़ें एकत्रित करने, अंतरराष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संरक्षण संघ (आईपीआईईसीए) और अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) की स्वैच्छिक स्थायित्व रिपोर्ट (2005) और जीआरआई जी–3 दिशा–निर्देशों के सिद्धांतों के अनुपालन की सूचना की रिपोर्ट देने संबंधी कंपनी के वास्तविक पहलुओं की पहचान करने में अच्छी भूमिका निभाती है।

एए 1000 एपीएस (2008) के अंतर्गत तीन सिद्धांतों के पालन पर हमारा निष्कर्ष निम्न प्रकार है:

समग्रता: हमें ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला जिससे यह निष्कर्ष निकलता कि गेल ने अपने स्टेकधारकों को नियुक्त करने में समग्रता के सिद्धांत को लागू नही किया है। विभिन्न विभाग बहु–कार्य चैनलों के जरिए अपने संगत स्टेकधारकों को नियमित रूप से नियुक्त करते हैं। तथापि, गेल अपनी स्थायित्व जागरूकता में सुधार करने के लिए अपने स्टेकधारकों के साथ वर्तमान संचार चैनलों में माड्यूलर से विशेष स्थायीत्व को शामिल करने पर विचार कर सकता है।

भौतिकता: गेल ने भौतिकता सुदृढ़ता की ढांचागत प्रक्रिया अपनाई है। इस प्रक्रिया में कर्मचारियों के अलावा स्टेकधारकों के विचारों को भी शामिल करके सुधार किया जा सकता है। हमारे कार्यक्षेत्र और स्थल दौरों, बातचीत तथा टिप्पणियां, जैसे प्रयोजन के लिए शुरू किए गए कार्यकलापों के आधार पर हमें स्थायित्व निष्पादन का कोई सामग्रीगत पहलू नहीं मिला है जिसे रिपोर्ट में छोड़ा गया हो।

उत्तरदायित्व: हमारी टिप्पणियों, साक्षात्कारों और दस्तावेजों के आधार पर हम मानते हैं कि गेल ने अपने स्टेकधारकों के संबंध में उत्तरदायित्व के सिद्धांत का पर्याप्त रूप से पालन किया है। कार्य उपयुक्त विभागो को सौंपा गया है, जो संबंधित स्टेकधारकों को नियुक्त करते हैं, उनके विचार प्राप्त करते हैं और सामग्री मुद्दों की पहचान करते हैं तथा तत्पश्चात् इन मुद्दों का समाधान करने के लिए कार्य–योजना बनाते हैं। हमें ऐसा कोई सामग्रीगत साक्ष्य नहीं मिला है जिससे हमें यह विश्वास होता कि उत्तरदायित्व सिद्धांत का शेयरधारकों से निपटने में पर्याप्त रूप से पालन नहीं किया गया हो।

जीआरआई जी3 दिशा–निर्देश: रिपोर्ट में सूचना और हमारे से प्राप्त निष्पक्ष आश्वासन के आधार पर हमने यह पाया है कि कंपनी जीआरआई जी3 दिशा–निर्देशों द्वारा विनिर्दिष्ट अनुसार रिपोर्टिंग के बी स्तर की आवश्यकता को पूरा करती है।

टिप्पणियां और सिफारिशें

स्थायित्व रिपोर्ट पर हमारे समग्र निष्कर्षों को प्रभावित किए बिना हम रिपोर्ट की निम्नलिखित टिप्पणियों और सिफारिशों की ओर ध्यान दिलाना चाहेंगे:

- गेल ने अपने प्रमुख स्टेकधारक समूह–कर्मचारियों के साथ शेयरधारक नियुक्ति विनियोजन पर सराहनीय कार्य किया है। इस प्रक्रिया का विस्तार करके इसमें अन्य स्टेकधारक समूहों को शामिल किया जा सकता है।
- गेल के कुछ संयंत्रों ने निष्पादन आंकड़ों की विश्वसनीयता में सुधार करने के लिए एक आंतरिक सत्यापन प्रणाली लागू की है और इसे शेष इकाइयों में भी दोहराया जा सकता है।
- गेल को आंकड़े संग्रहण करने और सूचना का प्रबंधन करने के लिए प्रणाली (प्रणालियों) को और सुदृढ़ बनाया चाहिए ताकि सूचित मुख्य निष्पादन संकेतकों की संख्या को बढ़ाया जा सके। सामाजिक निष्पादन संकेतकों को सूचना की कवरेज और विश्वसनीयता को बढ़ाने पर विशष ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

कृते एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्रा. लि.

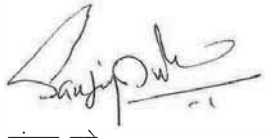

संजय दुबे

उपाध्यक्ष – सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट वेल्यू एडवाइजरी एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड

गुड़गांव 31, जनवरी, 2012

AA1000
Licensed Assurance Provider
000-96

शब्दावली

एआईईईई	अखिल भारत इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा
एपीआई	अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट
एएसएमई	अमेरिकन सोसायटी ऑफ मेकेनिकल इंजीनियर्स
बीपीसीएल	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
बीओजी	बॉयल्ड ऑफ–गैस
बीसीपीएल	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड
बीडी	व्यवसाय विकास
सीएस	कार्बन स्टील
सीपीसीबी	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
सीवीसी	केन्द्रीय सतर्कता आयोग
सीएमडी	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सीएफसी	क्लोरो–फ्लोरो कार्बन्स
सीजीडी	शहर गैस वितरण
सीबीएम	कोल बेड मीथेन
सीआरजेड	तटीय विनियामक क्षेत्र
सीएजीआर	मिश्रित वार्षिक वृद्धि दर
सीएनजी	संपीड़ित प्राकृतिक गैस
सीआईआई	भारतीय उद्योग परिसंघ
सीएसआर	निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व
सीएसआई	ग्राहक संतुष्टि सूचकांक
डीवीपीएल	दहेज–विजयपुर पाइप. लाइन
डीजीएम	उप महाप्रबंधक
डीजीएच	हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय
डीआईएन	डच इंस्टीट्यूट फार नोरमुंग
ईवीआई	एमरजेंट वेंचर्स इंडिया प्रा. लिमिटेड
ईपीए	पर्यावरणीय सुरक्षा एजेंसी
ईडी	कार्यपालक निदेशक
ईएंडपी	अन्वेषण और उत्पादन
एफआईसी	भारतीय वाणिज्य और
सीआई	उद्योग चैंबर्स परिसंघ
एफवाई	वित्तीय वर्ष
जीटीआई	गेल प्रशिक्षण संस्थान
जीपीयू	गैस प्रोसेसिंग इकाई
जीआरईपी	गैस पुनर्वास और विस्तार परियोजना
जीएम	महाप्रबंधक
जीआरआई	ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल
जीएचजी	ग्रीन–हाउस गैस
जीएसपीसी	गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन
एचवीजे	हजीरा–विजयपुर–जगदीशपुर
एचएसई	स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण
एचएसई	स्वास्थ्य, सुरक्षा और
एमएस	पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली
एचआर	ताप रिकवरी वाष्प
एसजी	जेनरेटर
एचडीपीई	उच्च घनत्व पोली–ईथीलीन
एचआर	मानव संसाधन
एचआरडी	मानव संसाधन विकास
आईईएम	स्वतंत्र बाह्य मॉनीटर
आईआईटी –जेईई	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान – संयुक्त प्रवेश परीक्षा
आईएनआर	भारतीय रुपया
आईएस टीडी	भारतीय प्रशिक्षण और विकास सोसायटी
आईएस	भारतीय अंतरिक्ष
आरओ	अनुसंधान संगठन
आईजीएल	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड
आईटी	सूचना प्रौद्योगिकी
आईएलएंड एफएस	अवसंरचना लीजिंग एवं वित्तीय सेवाएं
आईएमएस	एकीकृत प्रबधन प्रणाली
आईएसओ	अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन
आईपीआई	अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम
ईसीए	उद्योग पर्यावरणीय संरक्षण एसोसिएशन
जेएलपी	जामनगर लोनी पाइप.
एल	लाइन
जेएनएन एसएम	जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन
जेवी	संयुक्त उद्यम
केएम	किलोमीटर
केजी	कृष्णा–गोदावरी
एलपीजी	तरलीकृत पेट्रोलियम गैस
एलएचसी	तरल हाइड्रो कार्बन
एलएलडी	लीनियर न्यून घनत्व
पीई	पॉलीईथिलीन
एलपी	न्यून पोलीमर
एमडीपी	प्रबंधन विकास कार्यक्रम
एमबीए	मास्टर्स ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
एमओयू	समझौता–ज्ञापन

शब्दावली

एमटी	मीटरी टन
एमएमएस	मिलियन मीटरी मानक
सीएमडी	घन मीटर प्रति दिन
एमओईएफ	पर्यावरण और वन
एमओपी	मंत्रालय
एंडएनजी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक
एमओ	गैस मंत्रालय
आरडी	ग्रामीण विकास मंत्रालय
एमएफओ	मिश्रित ईंधन तेल
एनसीआर	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
एनएच	राष्ट्रीय राजमार्ग
एनआईटी	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
एनजी	प्राकृतिक गैस
एनईएलपी	नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति
एनजीओ	गैर–सरकारी संगठन
एनओसी	अनापत्ति प्रमाण–पत्र
एनआरएल	नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड
ओएचएस	व्यावसायिक स्वास्थ्य और
एएस	सुरक्षा आकलन सीरीज
ओआईसी	प्रभारी अधिकारी
ओएनजीसी	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन
ओआईएल	ऑयल इंडियन लिमिटेड
ओआई	तेल उद्योग सुरक्षा
एसडी	निदेशालय
ओएमसी	तेल विपणन कंपनियां
ओएंडएम	प्रचालन और रखरखाव
ओएफसी	ऑपटिकल फाइबर केबल
ओबीसी	अन्य पिछड़ा वर्ग

एनओएक्स	ऑक्साइडस ऑफ नाइट्रोजन
एसओएक्स	ऑक्साइडस ऑफ सल्फर
ओडीएस	ओजोन क्षरण पदार्थ
पीईएसओ	पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन
पीएनजी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक
आरबी	गैस विनियामक बोर्ड
पीसीआरए	पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन
पीपीएसी	पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ
पीएनजी	पाइप्ड प्राकृतिक गैस
पी/एल	पाइपलाइन
पीसीबी	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पीयूसी	प्रदूषण नियंत्रणाधीन प्रमाण–पत्र
पीई	पोली–एथीलीन
पीएटी	कर पश्चात लाभ
पीपीपी	सार्वजनिक निजी भागीदारी
आरजीआ.	राजीव गांधी पेट्रोलियम
ईपीटी	प्रौद्योगिकी संस्थान
आरजीपी	रत्नागिरी गैस एंड पॉवर
पीएल	प्राईवेट लिमिटेड
आरएन	रि–गैसीफाइड तरल
एनजी	प्राकृतिक गैस
आरएंडडी	अनुसंधान और विकास
आरओयू	उपयोग का अधिकार
आरटीआई	सूचना का अधिकार
एससी	अनुसूचित जाति
एसटी	अनुसूचित जनजाति
एसएमडीसी	वरिष्ठ प्रबंधन विकास केन्द्र
एसबीपी	विशेष क्वथनांक
एसएच	राज्य राजमार्ग
एससीएडीए	पर्यवेक्षण नियंत्रण और आंकड़ा प्राप्ति

एसपीएम	सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर
एसडी	सतत विकास
एसजी	स्वर्ण जयंती ग्राम
एसवाई	स्वरोजगार योजना
टीआई	टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ
एसएस	सोशल साईंस
टीईआर	ऊर्जा और संसाधन
आई	संस्थान
टीएमटी	हजार मीटरी टन
टीसीओ$_2$ई	कार्बन डाईऑक्साइड
टीपीए	समकक्ष टन
टीडीएस	टन प्रतिवर्ष
टीआई	कुल विलयनशील ठोस
	ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल
टीबी	क्षयरोग
टीएपीआई	तुर्केमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान–भारत
यूएस	अमेरिका
यूएसडी	अमेरिकी डॉलर
यूपीटीयू	उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय
वीएचपी	अत्यधिक दबाव
वीएसपी	विजाग–सिकंदराबाद
एल	पाइप लाइन

जीआरआई विषय–वस्तु सूचकांक

सूचक संदर्भ	विवरण	सूचित	पृष्ठ संदर्भ	टिप्पणियां (यदि कोई हो)
1. रणनीति और विश्लेषण				
1.1	संगठन के निर्णय लेने वाले वरिष्ठतम अधिकारी का विवरण	पूर्णतः	3	
1.2	मुख्य प्रभाव, जोखिम और अवसरों का विवरण	पूर्णतः	36, 37	
2. संगठन की रूपरेखा				
2.1	संगठन का नाम	पूर्णतः	अगला कवर	
2.2	प्राथमिक ब्रांड, उत्पाद, और/या सेवाएं	पूर्णतः	17, 18	
2.3	मुख्य प्रभाग, प्रचालन कंपनियां, अनुषंगी कंपनियां, और संयुक्त उद्यमों सहित संगठन का प्रचालनात्मक ढांचा	पूर्णतः	17, 18	कृपया http://gailonline.com/final_site/pdf/GAIL_AR_2010_11.pdf पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट का पृष्ठ 20,21,28,29 देखें।
2.4	संगठन के मुख्यालय का स्थान	पूर्णतः	पृष्ठ कवर	
2.5	देशों का नाम, जहां संगठन प्रचालन करता है, और उन देशों का नाम जहां या तो मुख्य प्रचालन हैं या जो विशेषकर रिपोर्ट में शामिल स्थायित्व मुद्दे से संबंधित हैं।	पूर्णतः	-	गेल के अधीन सभी प्रचालनों (100% स्वामित्व अधिकार) पर पूर्ण नियंत्रण भारत में है। गेल सहायक कंपनियों और भारत के बाहर जेवी के जरिए भी प्रचालन करता है। रिपोर्ट में प्रचालनों की कवरेज पर अतिरिक्त सूचना पृष्ठ 17–18 पर दी गई है।
2.6	स्वामित्व अधिकार की प्रकृति और वैधानिक स्थिति	पूर्णतः	-	गेल, बीएसई, एनएसई और एलएसई पर सूचीबद्ध सरकार के स्वामित्व में सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है।
2.7	सेवारत बाजार (भौगोलिक विश्लेषण, सेवारत क्षेत्र, और ग्राहकों/लाभार्थियों का प्रकार)	पूर्णतः	9-14	
2.8	रिपोर्ट करने वाले संगठन का स्केल	पूर्णतः	17, 18	कृपया http://gailonline.com/final_site/pdf/GAIL_AR_2010_11.pdf पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठ 23 का संदर्भ लें। गेल के स्वामित्व में तथा नियंत्रणाधीन अवधि में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ था।
2.9	आकार, ढांचा, या स्वामित्व अधिकार के संबंध में रिपोर्टिंग अवधि के दौरान महत्वपूर्ण परिवर्तन	पूर्णतः	-	गेल के स्वामित्व और नियंत्रणाधीन प्रचालनों में रिपोर्टिंग अवधि में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ था।
2.10	रिपोर्टिंग अवधि में प्राप्त अवार्ड	पूर्णतः	21	
3. रिपोर्ट मापदण्ड				
3.1	उपलब्ध कराई गई सूचना के लिए रिपोर्टिंग अवधि (उदाहरण के लिए वित्तीय/कैलण्डर वर्ष)	पूर्णतः	2	
3.2	हाल की पिछली रिपोर्ट (यदि कोई हो) की तारीख	रिपोर्ट नहीं किया गया	-	लागू नहीं होता क्योंकि यह गेल की पहली रिपोर्ट है।
3.3	रिपोर्टिंग चक्र (वार्षिक, द्विवार्षिक, आदि)	पूर्णतः		
3.4	रिपोर्ट या उसकी विषय–वस्तु के संबंध में प्रश्नों के लिए संपर्क बिंदु	पूर्णतः	आंतरिक पिछला कवर	
3.5	रिपोर्ट की विषय–वस्तु का खुलासा करने की क्रिया	पूर्णतः	33-35	
3.6	रिपोर्ट की सीमा (उदाहरणतः देश, प्रभाग, सहायक कंपनियां, पट्टे पर सुविधाएं, संयुक्त उद्यम, आपूर्तिकर्ता) आगे मार्गदर्शन के लिए जीआरआई सीमा प्रोटोकाल देखें।	पूर्णतः	2	
3.7	रिपोर्ट के कार्यक्षेत्र या सीमा की विशिष्ट सीमा बताएं (कार्यक्षेत्र के स्पष्टीकरण के लिए पूर्णतः सिद्धांत देखें)	पूर्णतः	2	
3.8	संयुक्त उद्यमों, सहायक कंपनियों, पट्टे पर ली गई सुविधाओं, बाह्य प्रचालनों, और अन्य कंपनियों पर रिपोर्टिंग का आधार जो अवधि दर अवधि और संगठनों के बीच तुलनात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है।	पूर्णतः	2	
3.9	आंकड़ा मापना तकनीक और गणना का आधार, जिसमें सूचक और रिपोर्ट में अन्य सूचना के लागू अनुमान और अनुमान आधारित तकनीक शामिल है। जीआरआई सूचक प्रोटोकाल को लागू न करने या पर्याप्त रूप से अपवर्तित करने के निर्णय को स्पष्ट करे।	पूर्णतः	2	
3.10	पिछली रिपोर्टों में उपलब्ध कराई गई सूचना के किसी पुनः विवरण के प्रभाव का स्पष्टीकरण और ऐसे पुनः विवरण (उदाहरण के लिए विलय/अर्जन, मूल वर्ष/अवधियों में परिवर्तन, व्यवसाय की प्रकृति, माप अवधि) का कारण।	सूचित नहीं किया गया	-	लागू नहीं होता क्योंकि यह गेल की पहली रिपोर्ट है।
3.11	रिपोर्ट में लागू दायरे, सीमा या माप पद्धति में हुए महत्वपूर्ण परिवर्तन।	सूचित नहीं किया गया	-	लागू नहीं होता क्योंकि यह गेल की पहली रिपोर्ट है।
3.12	रिपोर्ट में मानक प्रकटीकरण के स्थल का पता लगाने की तालिका।	पूर्णतः	72, 77	
3.13	रिपोर्ट के लिए बाहरी आश्वासन प्राप्त करने के संबंध में नीति और वर्तमान प्रक्रिया।	पूर्णतः	2, 68, 69	

सूचक संदर्भ	विवरण	सूचित	पृष्ठ संदर्भ	टिप्पणियां (यदि कोई हो)
	4. नियंत्रण, प्रतिबद्धता और विनियोजन			
4.1	विशिष्ट कार्य जैसे नीति या संगठनात्मक दूरदृष्टि स्थापित करने के लिए जिम्मेदार उच्चतम नियंत्रण निकाय के अंतर्गत समिति सहित संगठन का शासन ढांचा।	पूर्णतः	23, 24	कृपया http://gailonline.com/final_site/pdf/GAIL_AR_2010_11.pdf पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठ 43,44,45 और 46 का संदर्भ लें।
4.2	कृपया बताएं कि क्या उच्चतम शासन निकाय का अध्यक्ष, कार्यपालक अधिकारी भी होता है।	पूर्णतः	-	हमारे अध्यक्ष कार्यकारी अधिकारी भी हैं।
4.3	एकल बोर्ड ढांचे वाले संगठनों के लिए उच्चतम नियंत्रण निकाय के सदस्यों की संख्या जो स्वतंत्र और/या गैर–कार्यपालक सदस्य हैं।	पूर्णतः	-	कृपया http://gailonline.com/final_site/pdf/GAIL_AR_2010_11.pdf पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट का पृष्ठ 43 देखें।
4.4	उच्चतम नियंत्रण निकाय की सिफारिशें या निर्देश उपलब्ध कराने के लिए शेयरधारकों और कर्मचारियों के लिए प्रणाली।	पूर्णतः	-	अल्पसंख्यक शेयरधारक प्रत्येक वर्ष कंपनी की वार्षिक आम बैठक के दौरान बोर्ड को अपनी सिफारिशें दे सकते हैं तथा कंपनी के विनिर्दिष्ट ई–मेल पते – investorqueries@gail.co.in पर भेज सकते हैं। भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक शेयरधारकों सहित सभी शेयरधारक के हितों की रक्षा करने के लिए स्वतंत्र निदेशकों को नियुक्त किया जाता है।
4.5	उच्चतम नियंत्रण निकाय, वरिष्ठ प्रबंधकों और कार्यपालकों के सदस्यों के मुआवजे के बीच संपर्क, तथा संगठन का कार्य–निष्पादन (सामाजिक और पर्यावरणीय कार्य–निष्पादन सहित)	पूर्णतः	-	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति द्वारा पूर्णकालिक निदेशकों का पारिश्रमिक निर्धारित किया जाना है। मुआवजे में निष्पादन संबद्ध प्रोत्साहन शामिल है जो निष्पादन मापदण्डों अर्थात् कॉर्पोरेट, इकाई और व्यक्तिगत स्तरों पर आधारित है। ये निष्पादन मापदण्ड और अन्यों में स्थायित्व निष्पादन भी शामिल है।
4.6	उच्चतम नियंत्रण निकाय के लिए हितों के टकराव से बचने के लिए प्रक्रिया मौजूद है।	पूर्णतः	-	कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार सभी मामलों को प्रायरू कुछ मदों, जिन्हें बोर्ड अर्थात् कॉर्पोरेट ऋण, निवेश, गारंटी आदि की एकमत सहमति से अनुमोदित किया जाना होता है, को छोड़कर अधिकांश निदेशकों द्वारा प्रायरू अनुमोदित किया जाता है।
4.7	अर्हता निर्धारित करने तथा आर्थिक, पर्यावरणीय, और सामाजिक विषयों पर संगठन की रणनीति के मार्गदर्शन हेतु उच्चतम शासी निकाय के सदस्यों की विशेषज्ञता।	पूर्णतः	-	पूर्णकालिक निदेशकों का चयन सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) द्वारा किया जाता है और उन्हें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा नियुक्त किया जाता है। सरकार द्वारा नामित अंशकालिक निदेशकों को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। जनता के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वतंत्र निदेशकों तथा सभी शेयरधारकों का चयन जांच समिति द्वारा किया जाता है और उन्हें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के जरिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
4.8	मिशन या मूल्यों, आचार संहिता, और आर्थिक, पर्यावरणीय, और सामाजिक कार्य–निष्पादन के आंतरिक रूप से विकसित विवरणों तथा उनके कार्यान्वयन की स्थिति।	पूर्णतः	1	
4.9	उच्चतम नियंत्रण निकाय के लिए संगठन की पहचान करने तथा संबंधित जोखिम और अवसरों सहित आर्थिक, पर्यावरण, और सामाजिक निष्पादन का प्रबंधन करने और अंतर्राष्ट्रीय रूप से सहमत मानकों, आचार संहिता, और सिद्धांतों का पालन या अनुपालन करने की प्रक्रिया।	पूर्णतः	25, 26	
4.10	विशेषकर आर्थिक, पर्यावरण, और सामाजिक निष्पादन के संबंध में उच्चतम नियंत्रण निकाय के निजी निष्पादन का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया।	पूर्णतः	23, 24	इसके अलावा, http://gailonline.com/final_site/pdf/GAIL_AR_2010_11.pdf पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट का पृष्ठ 43–44 देखें।
4.11	संगठन द्वारा सावधानी बरतने या दृष्टिकोण या सिद्धांत पर क्या और कैसे स्पष्टीकरण दिया जाता है।	पूर्णतः	25	हमारे प्रबंधन ढांचे में सावधानी बरतने के दृष्टिकोण का प्रयोग सुस्पष्ट है।
4.12	बाहरी रूप से विकसित आर्थिक, पर्यावरणीय, और सामाजिक चार्टरों, सिद्धांत, या अन्य पहलें जिसके लिए संगठन अंशदान देता है या पृष्ठांकित करता है।	पूर्णतः	79	
4.13	एसोसिएशन (जैसे उद्योग एसोसिएशन) और/या राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदायी संगठनों में सदस्यता, जिसमें संगठन की नियंत्रण निकायों में स्थान है; *परियोजनाओं या समितियों में भाग लेता है; * नेमी सदस्यता शुल्क के बाद पर्याप्त वित्त–पोषण उपलब्ध कराता है; या *सदस्यता को रणनीति के रूप में लेता है।	पूर्णतः	79	

सूचक संदर्भ	विवरण	सूचित	पृष्ठ संदर्भ	टिप्पणियां (यदि कोई हो)
4.14	संगठन द्वारा विनियोजित स्टेकधारक समूहों की सूची।	पूर्णतः	29-31	
4.15	किसे नियोजित करना के साथ स्टेकधारकों की पहचान एवं चयन।	पूर्णतः	29	
4.16	प्रकार और स्टेकधारक समूह द्वारा नियुक्ति की आवृत्ति सहित शेयरधारक की नियुक्ति का दृष्टिकोण।	पूर्णतः	29-31	
4.17	मुख्य विषय और समस्याएं जिन्हें स्टेकधारक की नियुक्ति के जरिए उठाया गया हो, और संगठन द्वारा इन मुख्य विषयों और समस्याओं पर क्या प्रतिक्रिया की गई है जिसमें इसकी रिपोर्टिंग शामिल है।	पूर्णतः	29-31	
	प्रबंधन नीति का प्रकटीकरण			
डीएमए–ईसी	प्रबंधन नीति का प्रकटीकरण – आर्थिक	पूर्णतः	5-7	
डीएमए–ईएन	प्रबंधन नीति का प्रकटीकरण – पर्यावरण	पूर्णतः	5-7	
डीएमए–एचआर	प्रबंधन नीति का प्रकटीकरण – मानवाधिकार	पूर्णतः	5-7	
डीएमए–एलए	प्रबंधन नीति का प्रकटीकरण – श्रम पद्धतियां और उत्कृष्ट कार्य	पूर्णतः	5-7	
डीएमए–पीआर	प्रबंधन नीति का प्रकटीकरण – उत्पाद उत्तरदायित्व	पूर्णतः	5-7	
डीएमए–एसओ	प्रबंधन नीति का प्रकटीकरण – समाज	पूर्णतः	5-7	
	निष्पादन सूचक – आर्थिक			
ईसी 1	प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य सृजन और वितरित, जिसमें राजस्व, प्रचालन, लागत, कर्मचारी प्रतिपूर्ति, अंशदान और अन्य सामुदायिक निवेश, प्रतिधारण आय, और पंजीगत प्रदायकों तथा सरकारों को प्रदत्त भुगतान शामिल है।	पूर्णतः	39	
ईसी 2	जलवायु परिवर्तन के कारण संगठन के कार्यकलापों के लिए वित्तीय प्रभाव और अन्य जोखिम तथा अवसर। सूचित नहीं	सूचित नहीं किया गया	-	इस समय हम जलवायु परिवर्तन जोखिमों और अवसरों से वित्तीय प्रभाग को आंकने के लिए अपनी प्रणाली को बढ़ा रहे हैं।
ईसी 3	संगठन की परिभाषित लाभ योजना बाध्यता की कवरेज	पूर्णतः	39, 40	
ईसी 4	सरकार से प्राप्त महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता	पूर्णतः	-	सरकार से कोई वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हुई थी।
ईसी 5	प्रचालन के महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थानीय न्यूनतम मजदूरी की तुलना में मानक प्रवेश स्तर मजदूरी के अनुपात की श्रृंखला।	सूचित नहीं किया गया	-	हम इस सूचना का पता लगाने के लिए अपनी निगरानी और आंकड़ा प्रबंधन प्रणाली का विस्तार कर रहे हैं।
ईसी 6	प्रचालन के महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थानीय रूप से आधारित आपूर्तिकर्ताओं पर खर्च करने की नीति, पद्धति और अनुपात।	आंशिक रूप से सूचित	40	स्थानीय रूप से आधारित आपूर्तिकर्ताओं को वरीयता देने पर कोई स्पष्ट नीति नहीं है।
ईसी 7	स्थानीय नियोजन की प्रक्रिया तथा प्रचालन के महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थानीय समुदाय से नियोजित वरिष्ठ प्रबंधन का अनुपात।	पूर्णतः	-	कार्यपालक/अधिकारी संवर्ग पर भर्ती केवल अखिल भारत स्तर पर की जाती है।
ईसी 8	आधारभूत ढांचा निवेश का विकास और प्रभाव तथा वाणिज्यिक रूप से या लाभप्रद नियुक्ति के जरिए सार्वजनिक लाभ हेतु मुख्यतः उपलब्ध कराई गई सेवाएं।	पूर्णतः	41	
ईसी 9	प्रभावों की सीमा सहित महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभावों को समझना और उनकी व्याख्या करना।	पूर्णतः	62-67	
	निष्पादक सूचक – पर्यावरणीय			
ईएन 1	भार या मात्रा द्वारा प्रयुक्त सामग्री	पूर्णतः	45	
ईएन 2	प्रयुक्त सामग्रियों में प्रतिशत जो रिसाइकिल आदान सामग्रियां हैं।	पूर्णतः	45	
ईएन 3	प्राथमिक ऊर्जा स्रोत द्वारा प्रत्यक्ष ऊर्जा की खपत।	पूर्णतः	43	
ईएन 4	प्राथमिक स्रोत द्वारा अप्रत्यक्ष ऊर्जा की खपत।	पूर्णतः	43	
ईएन 5	संरक्षण और दक्षता सुधारों के कारण बचाई गई ऊर्जा।	पूर्णतः	43	
ईएन 6	ऊर्जा दक्षता या नवीकरणीय ऊर्जा आधारित उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पहले, तथा इन पहलों के परिणामस्वरूप ऊर्जा आवश्यकता में कमी।	पूर्णतः	43	
ईएन 7	अप्रत्यक्ष ऊर्जा खपत को कम करने के लिए पहलें तथा प्राप्त कमी।	सूचित नहीं किया गया	-	इस समय गेल अप्रत्यक्ष ऊर्जा प्रयोग से बचने की पहलों से प्राप्त कमी की निगरानी नहीं करता।
ईएन 8	स्रोत द्वारा जल की कुल निकासी	पूर्णतः	47	
ईएन 9	पानी वापस लेने से पर्याप्त रूप से प्रभावित जल स्रोत	पूर्णतः	-	हमारे प्रचालन से आसपास के जल स्रोतों पर पर्याप्त प्रभाव नहीं पड़ता।

जीआरआई विषय–वस्तु सूचकांक

सूचक संदर्भ	विवरण	सूचित	पृष्ठ संदर्भ	टिप्पणियां (यदि कोई हो)
ईएन 10	रिसाइकल्ड और दोबारा इस्तेमाल किए गए पानी का प्रतिशत और कुल मात्रा।	पूर्णतः	47	
ईएन 11	संरक्षित क्षेत्रों के बाहर उच्च जैव–विविधता मूल्य वाले संरक्षित क्षेत्रों में या उसके आसपास स्वामित्व वाली, पट्टे पर प्रबंधित स्थल और आकार।	सूचित नहीं किया गया	-	
ईएन 12	संरक्षित क्षेत्रों तथा संरक्षित क्षेत्रों के बाहर उच्च जैव विविधता वाले मूल्य वाले क्षेत्रों में कार्यकलापों, उत्पादों और सेवाओं के महत्वपूर्ण प्रभावों का विवरण।	सूचित नहीं किया गया	-	
ईएन13	संरक्षित या बहाल पर्यावास।	पूर्णतः	46	
ईएन 14	जैव–विविधता पर प्रभावों का प्रबंधन करने के लिए रणनीतियां, चालू कार्य और भावी योजनाएं।	सूचित नहीं किया गया	-	
ईएन 16	भार द्वारा कुल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन	सूचित नहीं किया गया	44	
ईएन 17	भार द्वारा अन्य संगत अप्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस	पूर्णतः	44	
ईएन 18	ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों को कम करने के लिए की गई पहल और प्राप्त कमी	पूर्णतः	44	
ईएन 19	भार द्वारा ओजोन कम करने के पदार्थों का उत्सर्जन	पूर्णतः	44	
ईएन 20	प्रकार और भार द्वारा एनओएक्स, एसओएक्स तथा अन्य महत्वपूर्ण वायु उत्सर्जन	पूर्णतः	44	
ईएन 21	गुणवत्ता और गंतव्य स्थल द्वारा पानी का कुल डिस्चार्ज	पूर्णतः	47	
ईएन 22	प्रकार और निपटान पद्धति द्वारा अपशिष्ट का कुल भार	आंशिक रूप से सूचित	45	इस समय हम और खतरनाक अपशिष्ट के लिए अपनी निगरानी और रिपोर्टिंग प्रणालियों में सुधार कर रहे हैं।
ईएन 23	महत्वपूर्ण बिखराव की कुल संख्या और मात्रा	सूचित नहीं किया गया	-	वर्तमान में हम अपने महत्वपूर्ण बिखराव का पता लगाने और रिपोर्ट करने की निगरानी प्रणाली विकसित कर रहे हैं।
ईएन 24	बैसल सम्मेलन अनुलग्नक–I, II, III और VIII की शर्तों के अंतर्गत परिवहन, आयात, निर्यात, या उपचारित अपशिष्ट का भार जिसे खतरनाक माना गया है, और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पोत द्वारा परिवहन किए गए अंतर्राष्ट्रीय अपशिष्ट।	पूर्णतः	–	हम अंतर्राष्ट्री य तौर पर किसी खतरनाक अपशिष्ट का परिवहन नहीं करते।
ईएन 25	पानी के डिस्चार्ज और बहने से रिपोर्टिंग द्वारा प्रभावित महत्वपूर्ण जल निकायों और संबंधित बसावटों की पहचान, आकार, संरक्षित स्थिति, और जैव–विविधता मूल्य।	पूर्णतः	–	हमारे प्रचालनों के आसपास स्थित हमारे अपशिष्ट जल के डिस्चार्ज तथा जलाशयों में उसके बहने का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा।
ईएन 26	उत्पादों और सेवाओ के पर्यावरण प्रभावों को कम करने की पहल तथा प्रभाव को कम करना।	पूर्णतः	59	
ईएन 27	बेचे गए उत्पादों तथा उनकी पैकेजिंग सामग्रियों का प्रतिशत जिनका श्रेणी द्वारा पुनरू दावा किया गया है।	सूचित नहीं किया गया	-	यह हमारे गैस परिवहन व्यवसाय पर लागू नहीं है। तथापि, पेट्रोरसायनों के लिए हम कोई पैकेजिंग सामग्री का पुनः दावा नहीं करते।
ईएन 28	प्रमुख जुर्माने का आर्थिक मूल्य तथा पर्यावरणीय कानूनों और विनियमों के साथ गैर–अनुपालन हेतु गैर–आर्थिक मंजूरी की कुल संख्या।	पूर्णतः	–	रिपोर्टिंग अवधि के दौरान ऐसा कोई जुर्माना या प्रतिबंध नहीं लगाया गया था।
ईएन 29	संगठन के प्रचालन के लिए प्रयुक्त परिवहन उत्पाद और अन्य वस्तुत और सामग्रियों का महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रभाव, और कार्यबल के सदस्यों का परिवहन करना।	पूर्णतः	59	वर्तमान में, हम अपने संभार–तंत्र प्रचालनों के पर्यावरणीय प्रभावों का पता लगाने के लिए निगरानी प्रणाली का विकास कर रहे हैं।
ईएन 30	कुल पर्यावरणीय सुरक्षा व्यय और प्रकार के आधार पर निवेश।	पूर्णतः	41	
निष्पादन सूचक – मानवाधिकार				
एचआर 1	महत्वपूर्ण निवेश करार का प्रतिशत और कुल संख्या जिसमें मानवाधिकार खण्ड शामिल है या जिनकी मानवाधिकार जांच की गई है।	पूर्णतः	-	मानक व्यवसाय करार में बाल मजदूरी, न्यूनतम मजदूरी का भुगतान, और अन्य श्रम कानूनों का अनुपालन शामिल है। मानवाधिकारों पर ठेकेदारों के लिए कोई विशिष्ट जांच नहीं की जाती है। तथापि, कार्य केन्द्रों में इंजीनियर प्रभारी यह सुनिश्चित करते हैं कि श्रम कानूनों का अनुपालन किया जाए। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान कोई उल्लंघन न किए जाने की सूचना मिली है।
एचआर 2	महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों का प्रतिशत जिन्होंने मानवाधिकारों और की गई कार्रवाई की जांच की है।	पूर्णतः	-	
एचआर 3	मानवाधिकारों के संबंधित पहलुओं की नीतियों और प्रक्रियाओं पर कर्मचारी प्रशिक्षण के कुल घंटे जो प्रशिक्षित कर्मचारी के प्रतिशत सहित प्रचालनों से संबंधित हैं।	सूचित नहीं किया गया	-	हम मानवाधिकारों पर केन्द्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं।
एचआर 4	भेदभाव की कुल घटनाएं तथा कृत कार्रवाई	पूर्णतः	-	मूल्यांकन अवधि के दौरान जाति, रंग, लिंग, धर्म, राजनीतिक मत, राष्ट्रीय निष्कर्षण या सामाजिक उद्गम के आधार पर कोई भेदभव नहीं किए जाने की कोई सूचना नहीं मिली है।

सूचक संदर्भ	विवरण	सूचित	पृष्ठ संदर्भ	टिप्पणियां (यदि कोई हो)
एचआर 5	इन अधिकारों के समर्थन में महत्वपूर्ण जोखिम, और कृत कार्रवाई पर प्रचालनों की पहचान करना, जिनमें एसोसिएशन की स्वतंत्रता की प्रक्रिया का अधिकार और सामूहिक लेनदेन में काफी जोखिम होगा।	पूर्णतः	-	यद्यपि ऐसे प्रचालनों का पता लगाने के लिए कोई औपचारिक/विशिष्ट प्रयास नहीं किए गए हैं, अतः ऐसा कोई प्रचालन नहीं है जो एसोसिएशन और समग्र लेनदेन की स्वतंत्रता प्रदान करने के अधिकार से ऐसा कोई जोखिम होता हो।
एचआर 6	प्रचालनों में मजदूरों को बलात या बाध्यकारी मजदूरी कराने की घटनाओं के पर्याप्त जोखिम की पहचान की गई है, और बलात या बाध्यकारी मजूदरी को हटाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?	पूर्णतः	-	रिपोर्टिंग अवधि में बाल मजदूरी कराए जाने संबंधी कोई घटना सामने नहीं आई है। प्रभारी इंजीनियर (ईआईसी) संबंधित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है। बाल मजदूर को लगाने पर प्रतिबंध, मानक सीएंडपी खण्ड है।
एचआर 7	प्रचालनों में मजदूरों को बलात या अनिवार्य मजदूरी कराने की घटनाओं के पर्याप्त जोखिम की पहचान की गई है, और बलात या बाध्यकारी मजूदरी को हटाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?	पूर्णतः	-	ऐसे प्रचालनों का पता लगाने के लिए कोई औपचारिक\विशिष्ट पहल नहीं की गई है, मूल्यांकन वर्ष के दौरान बलात या अनिवार्य मजदूरी कराए जाने की कोई घटना प्रकाश में नहीं आई है। प्रभारी इंजीनियर (ईआईसी) संबंधित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।
एचआर 8	मानवाधिकारों के संबंधित पहलुओं, जो प्रचालनों से संबंधित हैं, की नीतियों या प्रक्रियोओं में प्रशिक्षित कार्मिकों का प्रतिशत।	सूचित नहीं किया गया	-	सुरक्षा कार्मिकों और सुरक्षा कार्मिक उपलब्ध कराने के लिए तृतीय पक्षकार संगठनों के लिए मानवाधिकार संबंधी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाता है।
एचआर 9	स्थानीय लोगों सहित राज्य के अधिकारों के उल्लंघन की घटनाओं की कुल संख्या	पूर्णतः	-	हमारे प्रचालन स्थानीय लोगों के आसपास स्थित नहीं हैं और उनका समाज के किसी वर्ग पर पर्याप्त प्रभाव नहीं पड़ता है।
निष्पादन सूचक – श्रम पद्धति और सम्मानजनक कार्य				
एलए 1	रोजगार के प्रकार, रोजगार संविदा, और क्षेत्र द्वारा कुल कार्यबल	आंशिक रूप से सूचित	49	हम ठेकागत मजदूरों का पता लगाने और मानव–घंटे सूचित करने की प्रणालियों में सुधार कर रहे हैं।
एलए 2	आयु समूह, लिंग और धर्म के आधार पर कुल कर्मचारियों की संख्या और दर	पूर्णतः	49	
एलए 3	प्रमुख प्रचालनों द्वारा पूर्णकालिक कर्मचारियों को उपलब्ध कराए गए लाभ, जो अस्थायी या अंशकालिक कर्मचारियों को उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं।	पूर्णतः	1	गेल भविष्य निधि, उपदान, अधिवर्षिता, निष्पादन, प्रोत्साहन आदि उपलब्ध कराता है।
एलए 4	सामूहिक लेनदेन करार में शामिल कर्मचारियों का प्रतिशत	पूर्णतः	-	सभी कामगार, जिनमें कुल 23.5% कर्मचारी शामिल हैं, को सामूहिक लेनदेन समझौते में कवर किया जाता है।
एलए 5	महत्वपूर्ण प्रचालन परिवर्तन के संबंध में न्यूनतम सूचना अवधि, चाहे यह सामूहिक करार में विनिर्दिष्ट हो।	पूर्णतः	-	हम महत्वपूर्ण प्रचालनगत परिवर्तनों के संबंध में औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 9क तथा सूचना अवधि उपलब्ध कराने के लिए अनुसूची 4 का पालन करते हैं।
एलए 6	औपचारिक संयुक्त प्रबंधन कर्मचारी के स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी समितियों में कुल कार्यबल के प्रतिनिधित्व का प्रतिशत	पूर्णतः	-	वित्तीय वर्ष 10–11 के अंत में कुल 190 प्रबंधन और 110 गैर–प्रबंधन या हमारे कुल कर्मचारियों का 7.7% औपचारिक स्वास्थ्य और सुरक्षा समिति के सदस्य थे।
एलए 7	चोट, व्यावसायिक रोगों, व्यर्थ हुए दिनों और अनुपस्थिति, और क्षेत्र में कार्य संबंधी हताहत हुए लोगों की संख्या की दर	पूर्णतः	54	
एलए 8	उनके परिवारों या सामुदायिक सदस्यों को गंभीर रोगों के संबंध में की मदद करने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण, परामर्श, रोकथाम और जोखिम नियंत्रण कार्यक्रम किए जाते हैं।	पूर्णतः	66, 67	
एलए 9	ट्रेड यूनियनों के साथ औपचारिक करारों में शामिल स्वास्थ्य और सुरक्षा विषय।	सूचित नहीं किया गया	-	हम इस समय प्रचालनों, यूनियनों में शामिल सामूहिक स्वास्थ्य और सुरक्षा विषयों को शामिल करने पर विचार कर रहे हैं।
एलए 10	कर्मचारी श्रेणी द्वारा प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण के औसत घंटे	पूर्णतः	51	
एलए 11	दक्षता प्रबंधन और दीर्घावधि शिक्षा संबंधी कार्यक्रम जो कर्मचारियों के रोजगार में लगातार सहायता करते हैं और उनके करियर का प्रबंधन करने में सहायता करते हैं।	सूचित नहीं किया गया	-	वर्तमान में, हमारे यहां दीर्घावधि शिक्षा संबंधी कोई विशिष्ट कार्यक्रम नहीं है।
एलए 12	नियमित निष्पादन और करियर विकास समीक्षा प्राप्त करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत	पूर्णतः	51	
एलए 13	लिंग, आयु समूह, अल्पसंख्यक समूह सदस्यता और विविधता के अन्य सूचकों के अनुसार नियंत्रण निकायों का संघटन और कर्मचारियों का पृथक ब्योरा।	पूर्णतः	-	कृपया पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठ 43 का संदर्भ लें।
एलए 14	कर्मचारी वर्ग द्वारा पुरुषों और महिलाओं के मूल वेतन का अनुपात।	पूर्णतः	-	किसी कार्य केन्द्र में मुआवजे के लिए लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।
निष्पादन सूचक – उत्पाद उत्तरदायित्व				
पीआर 1	जीवन चक्र चरण, जिसमें सुधार के लिए उत्पादों और सेवाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों का मूल्यांकन किया जाता है, और ऐसी प्रक्रियाओं के अधीन महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवा श्रेणियो का प्रतिशत हो।	सूचित नहीं किया गया		हमारा स्वास्थ्य और सुरक्षा आकलन हमारे प्रचालनों पर केन्द्रित होता है। हम अपने उत्पादों की मूल्य श्रृंखला में स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों का पता लगाने के लिए ऐसे मूल्यांकनों को कवर करने का विस्तार कर रहे हैं।

जीआरआई विषय–वस्तु सूचकांक

सूचक संदर्भ	विवरण	सूचित	पृष्ठ संदर्भ	टिप्पणियां (यदि कोई हो)
पीआर 2	निष्कर्ष की प्रकृति सहित उनके जीवन काल के दौरान उत्पादों और सेवाओं पर स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक संहिताओं के साथ गैर–अनुपालन की घटनाओं की कुल संख्या।	पूर्णतः	-	सूचित अवधि के दौरान अनुपालन न करने की कोई घटना सामने नहीं आई है।
पीआर 3	महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवाओं की प्रक्रियाओं और प्रतिशत द्वारा अपेक्षित उत्पाद और सेवा सूचना का प्रकार बशर्ते कि ऐसी सूचना की आवश्यकता हो।	पूर्णतः	-	हमारे पेट्रोलियम उत्पाद पैकेज में उत्पादन सुविधा का स्थान, रसायन संघटन और भारतीय कानूनों के अनुसार कुल भार शामिल है।
पीआर 4	निष्कर्षों के आधार पर उत्पाद और सेवा सूचना तथा लेबलिंग से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक संहिताओं सहित गैर–अनुपालन की घटनाओं की कुल संख्या	पूर्णतः	-	रिपोर्टिंग अवधि के दौरान अनुपालन न करने की कोई घटना नहीं हुई थी।
पीआर 5	उपभोक्ता संतुष्टि को मापने वाले सर्वेक्षणों के परिणाम सहित उपभोक्ता संतुष्टि से संबंधित प्रक्रियाएं।	पूर्णतः	58	
पीआर 6	विज्ञापन, संवर्धन और प्रायोजकता सहित विपणन संचार से संबंधित कानूनों, मानकों और स्वैच्छिक संहिताओं का पालन करने संबंधी कार्यक्रम।	पूर्णतः	-	गेल विज्ञापन और संचार के लिए एएससीआई मानकों का पूर्णतया पालन करता है तथा केवल एएससीआई अधिकृत मीडिया एजेंसियों के साथ कार्य करता है। गेल विज्ञापन और संचार के लिए एएससीआई प्राधिकृत मीडिया एजेंसियों के साथ ही कार्य करता है।
पीआर 7	निष्कर्षों के प्रकार द्वारा विज्ञापन, संवर्धन और प्रायोजकता सहित विपणन संचार से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक संहिताओं का अनुपालन न करने की घटनाओं की कुल संख्या।	पूर्णतः	-	रिपोर्टिंग अवधि के दौरान अनुपालन न करने की कोई घटना प्राप्त नहीं हुई थी।
पीआर 8	ग्राहक निजता भंग करने और ग्राहक डॉटा गुम करने से संबंधित प्रमाणित शिकायतों की कुल संख्या सूचित नहीं किया गया।	सूचित नहीं किया गया	-	हमारे उद्योग के लिए ग्राहक निजता कोई भौतिक मुद्दा नहीं है और इसलिए इसे सूचित नहीं किया गया है।
पीआर 9	उत्पादों और सेवाओं के प्रावधान और उपयोग से संबंधित नियमों और विनियमों का अनुपालन न करने के लिए महत्वपूर्ण जुर्माने का आर्थिक मूल्य।	पूर्णतः	-	रिपोर्टिंग अवधि के दौरान अनुपालन न करने की कोई घटना प्राप्त नहीं हुई थी।
	निष्पादन सूचक – सोसायटी			
एसओ 1	किसी कार्यक्रम और पद्धति की प्रकृति, कार्यक्षेत्र और प्रभावकारिता, जिससे प्रवेश, प्रचालन और उत्साह सहित समुदायों पर प्रचालनों को प्रभाव का आकलन और प्रबंधन होता है।	पूर्णतः	61, 62	
एसओ 2	भ्रष्टाचार से संबंधित जोखिमों के लिए विश्लेषित व्यवसाय इकाइयों का प्रतिशत और कुल संख्या	पूर्णतः	26, 27	भ्रष्टाचार जोखिमों को हमारी सतर्कता प्रक्रियाओं और जोखिम प्रबंधन ढांचे के अंतर्गत शामिल किया जाता है।
एसओ 3	संगठन की भ्रष्टाचार नीतियों और प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित कर्मचारियों का प्रतिशत	पूर्णतः	-	हमारे सभी कर्मचारियों को आचरण संहिता का अनिवार्य रूप से प्रचालन तथा अपने कार्यकाल के दौरान पालन करना होता है। वर्तमान में, हमारे यहां आचरण संहिता पर कोई विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं चलाया जाता।
एसओ 4	भ्रष्टाचार की घटनाओं पर कृत कार्रवाई	पूर्णतः	27	
एसओ 5	सार्वजनिक नीति विकास तथा समर्थन में सार्वजनिक नीति स्थिति और भगीदारी	पूर्णतः	29, 30, 79	
एसओ 6	देश में राजनैतिक पार्टियों, राजनीतिज्ञों और संबंधित संस्थाओं को वित्तीय और वस्तुगत अंशदान का कुल मूल्य	पूर्णतः	-	राजनैतिक पार्टियों, आदि को कोई वित्तीय या वस्तुगत अंशदान नहीं दिया गया था।
एसओ 7	भ्रष्टाचार–रोधी व्यवहार, गैर–विश्वास और एकाधिकार पद्धतियों तथा उनके निष्कर्षों के लिए कानूनी कार्रवाई की कुल संख्या	पूर्णतः	-	गेल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई थी क्योंकि प्रतिस्पर्धी–रोधी व्यवहार, विश्वास–रोधी या एकाधिकार पद्धतियों का कोई मामला सामने नहीं आया था।
एसओ 8	महत्वपूर्ण जुर्माने का आर्थिक मूल्य तथा कानूनों और विनियमों का अनुपालन न करने की गैर–आर्थिक प्रतिबंध की कुल संख्या	पूर्णतः	-	रिपोर्टिंग अवधि के दौरान ऐसा कोई जुर्माना या प्रतिबंध नहीं लगाया गया था

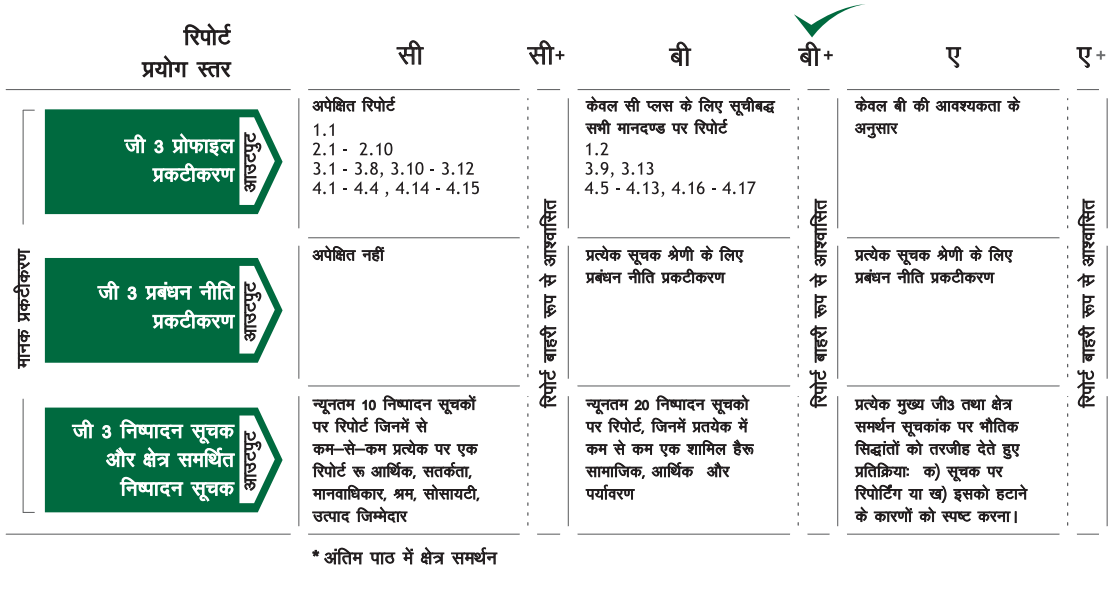

*अंतिम पाठ में क्षेत्र समर्थन

यूएनजीसी/आईपीआईईसीए संदर्भ

रिपोर्ट खण्ड	पृष्ठ	एपीआई/आईपीआईईसीए संदर्भ	यूएनजीसी संदर्भ	टिप्पणियां (यदि कोई हों)
विजन और मिशन	1			
रिपोर्ट के बारे में	2			
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का संदेश	3			
हमारी स्थायित्व नीति	5-7	एसओसी–1, एसओसी–4, एसओसी–7		
गेल का सफरनामा	8-21			
हमारे प्रचालन तरीके का नियंत्रण	22-27	ईएनवी–6 एचएंडएस–1, एसओसी–2, ईसीओ–ए2	सिद्धांत 7, सिद्धांत 10	सिद्धांत 7 – हमारे जोखिम प्रबंधन ढांचे में सावधनी बरतने की नीति के प्रयोग को स्पष्ट किया गया है।
अपने स्टेकधारकों के विश्वास में वर्धन	28-31	एसओसी–ए1		
भौतिकता	32-55			
हमारी निगमित नीति	36-37			
स्थायी आर्थिक मूल्य का सृजन करना	38-41	ईसीओ–1		एसओसी–3 सरकारी या राजनैतिक पार्टियों से कोई वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हुई या उपलब्ध नहीं कराई गई है। ईसीओ–2, ईसीओ–3 कृपया http://gailonline.com/final_site/pdf/GAIL_AR_2010_11.pdf पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट का संदर्भ लें
हमारे पर्यावरण फुटप्रिंट का प्रबंधन करना	42-47	ईएनवी–1, ईएनवी–ए2, ईएनवी–ए3, ईएनवी–ए4, ईएनवी–ए5, ईएनवी–3, ईएनवी–4, ईएनवी–ए6, ईएनवी–5,	सिद्धांत 8, सिद्धांत 9	ईएनवी2 – हम पानी में हाइड्रोकार्बन डिस्चार्ज नहीं करते। ईएनवी–4 – वर्ष 10–11 के दौरान हमारे प्रचालनों से कुल फलेवर गैस 8995.59 मी.टन था।
बेहतर कार्यस्थल का सृजन	48-55	एचएण्डएस–2 एचएण्डएस–3,एच एण्डएस–4, एसओसी–ए2 एसओसी–5, एसओसी–6 एसओसी–9	सिद्धांत 1 सिद्धांत 2 सिद्धांत 3 सिद्धांत 4 सिद्धांत 5 सिद्धांत 6	एसओसी–ए3 – कार्यपालक/अधिकारी संवर्ग में भर्ती केवल अखिल भारतीय स्तर पर की जाती है न कि स्थानीय स्तर पर। सिद्धांत2, सिद्धांत3, सिद्धांत4, सिद्धांत5 – यद्यपि ऐसे प्रचालनों का पता लगाने के लिए कोई औपचारिक\विशिष्ट पहल नहीं की गई है, फिर भी ऐसा कोई प्रचालन नहीं है जिसमें एसोसिएशन और सामूहिक लेनदेन, बाल श्रम, बाल मजदूरी जैसे जोखिमों पर कार्रवाई करने की स्वतंत्रता की आवश्यकता हो। सिद्धांत 2 – आकलन अवधि के दौरान जाति, रंग, लिंग, धर्म, राजनैतिक विचारधारा, राष्ट्रीय निष्पादन, या सामाजिक क्षेत्र पर भेदभाव की किसी घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। सिद्धांत 1, सिद्धांत 6 – मानक व्यवसाय करारों में बाल मजदूरी को लगाने पर प्रतिबंध न्यूनतम मजदूरी का भुगतान तथा अन्य श्रम कानूनों के अनुपालन से संबंधित कानून शामिल हैं। मानवाधिकारों पर ठेकेदारों के लिए कोई विशिष्ट जांच नहीं की जाती। तथापि, कार्य केन्द्रों पर प्रभारी इंजिनियर श्रम कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान कोई उल्लंघन सूचित नहीं किया गया है।
हमारे ग्राहकों हेतु मूल्य सृजन	56-59	एचएण्डएस–5	सिद्धांत 9	एचएण्डएस–5 दृ हमारा स्वास्थ्य और संरक्षा मूल्यांकन हमारे प्रचालनों पर केन्द्रित है। हम अपने उत्पादों की मूल्य श्रृंखला में स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रमाणों का पता लगाने के लिए ऐसा मूल्यांकन करने की कवरेज का विस्तार कर रहे हैं।
सामुदायिक विकास में योगदान	60-67	एसओसी–8, एसओसी–4, एएसओसी–5ए		
आश्वासन विवरण	68-69			
शब्दावली	70-71			
जीआरआई विषय–वस्तु सूचकांक	72-77			
आगामी वर्ष	79			

आगामी वर्ष

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और कार्यात्मक निदेशक

जबकि हम आगामी कार्यनिष्पादन वर्ष के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं, हम अपने कार्य करने के तरीके में और अधिक सुस्थिरता लाना चाहते हैं। हमने पूरे गेल में अपने कर्मचारियों को गेल के लिए स्थायित्व के महत्व के बारे में जागरूक करने और हमारी व्यवसाय रणनीति के लिए इसका महत्व समझाने के लिए अभियान आरंभ किया है। हम स्थिर कारोबारी पद्धतियों को अपनाने और अपने सभी प्रचालनों में स्थिरता को बढ़ाने देने के लिए और अधिक कर्मचारियों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।

आगामी वर्ष में हमारी स्थायित्व नीति का अंतिम प्रारूप जारी करने की योजना है जो आने वाले वर्षों में हमारे स्थायित्व प्राप्त करने के प्रयासों को दिशा प्रदान करेगी। हमारी एक स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में स्थायित्व पर बोर्ड स्तर की एक उप समिति का गठन करने की भी योजना है जो नियमित तौर पर स्थायित्व प्रयासों और कार्यनिष्पादन की निगरानी करेगी। इस समिति की सहायता के लिए निदेशक (बीडी) की अध्यक्षता में एक मार्गदर्शन समिति का गठन करने की भी योजना है जो वास्तव में स्थायित्व प्रयासों पर नजर रखेगी और कार्यान्वयन करेगी। मार्गदर्शन समिति की प्रत्येक संयंत्र में स्थायित्व निष्पादन प्रवृत्ति का विश्लेषण करने की जिम्मेदारी होगी ताकि सुधार की गुजांइश का पता चल सके और उसके लिए योजना तैयार की जा सके। आगामी वर्ष में हम विशेष तौर पर कर पश्चात लाभ में से स्थायित्व प्रयासों के लिए अलग से राशि आबंटन करेंगे। अनुमोदन हो जाने पर यह हमारे प्रयासों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्रातों का प्रयोग करने में हमारी सहायता करेगी। जिससे निवेश पर एक अच्छा प्रतिलाभ प्राप्त करना सुनिश्चित हो सकेगा।

विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए गेल का नीतिगत केन्द्र बिंदु नवीकरणयोग्य ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना होगा जिससे हमारे कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी आएगी। हमारी आगामी वर्ष में अपने विजयपुर संयंत्र में जीएचजी लेखांकन कार्य के लिए प्रायोगिक परियोजना शुरू करने की योजना है ताकि हम अपने प्रचालनों के जलवायु परिवर्तन पर पड़ने वाले प्रभाव को जान सकें और ऐसे उत्सर्जनों को कम करने के तरीकों का पता लगाया जा सके। आगामी वर्षों में हम अपने सभी प्रचालनों में जीएचजी उत्सर्जनों का पता लगाने के लिए इस प्रक्रिया के दायरे को बढ़ाएंगे और अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नीतिगत कार्य करेंगे।

हमने अपने कार्यस्थलों के आसपास के समुदायों की विकास संबंधी आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए टीआईएसएस की सहायता से बाहरी सामुदायिक आवश्यकता मूल्यांकन योजना आरंभ की है। यह मूल्यांकन आगामी वर्षों में सीएसआर योजनाएं बनाने में हमारी मदद करेगा।

हम पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, डीजीएच, पीएनजीआरबी, ओआईएसडी, पीसीआरए, एमओईएफ, पीपीएसी, पीसीबी, और सीपीसीबी, पीईएसओ तथा औद्योगिक संगठनों जैसे एफआईसीसीआई, सीआईआई, इन्टरनेशनल गैस यूनियन, पेट्रोफेड वर्ल्ड एनर्जी काउंसिल के साथ ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर काम करना जारी रखेंगे। हम संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कांपेक्ट के साथ एक भागीदार बनने और अपने प्रचालन क्षेत्रों में स्थायित्व संबंधी विषयों को अच्छे से समझने के लिए ग्लोबल मीथेन प्रयासों में भागीदार बनने और अपने विश्व स्तरीय साथियों के साथ अपने प्रयासों को बैंचमार्क बनाने का भी प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ–साथ उद्योग एसोसिएशनों और मंत्रालय के कार्यबलों के माध्यम से नीतिगत विकास में अपने योगदान को जारी रखने की योजना भी है।

हमारी अन्य अग्रणी कंपनियों के साथ उत्कृष्ट पद्धतियों को साझा करने और स्थायित्व को अपने संगठन के प्रत्येक पहलू का अभिन्न हिस्सा बनाने की रूपरेखा तैयार करने हेतु सक्रिय रूप से बातचीत करने की योजना है। आगामी वर्ष में हम इन प्रयासों के माध्यम से अपने स्थायित्व के सफर के लिए सार्थक कार्रवाई करने और उन मूल्यों को अधिक से अधिक लागू करने का प्रयास करेंगे जो हमने अपने और हमारे शेयरधारकों के लिए बनाए हैं।

एसडी दल – निगमित योजना विभाग

गेल एसडी दल कर्मचारियों और अन्य स्टेकधारकों का आभारी है जिन्होंने इस प्रथम एसडी रिपोर्ट को प्रकाशित करने में मदद की।

गेल स्टेकधारकों से फीडबैक प्राप्त करने की अपेक्षा करता है और उन पर गंभीरता से विचार करता है। कृपया अपना फीडबैक निम्नलिखित को भेजें:

- श्री शांतनु रॉय, महाप्रबंधक (निगमित योजना) को sroy@gail.co.in पर
- श्री कमल किशोर चेतीवाल, उप महाप्रबंधक (निगमित योजना) को kk.chatiwal@gail.co.in पर

गेल (इंडिया) लिमिटेड
गेल भवन,
16, भीकाजी कामा प्लेस
नई दिल्ली – 110066
भारत.
वेबः www.gailonline.com
दूरभाषः +91 – 11– 2617 2580